हिन्दी दैनिक

प्रत्यूष नवबिहार

जोहार

रांची संस्करण

www.tezraftarlive.com
Email-navbiharjh@gmail.com

रांची, पटना और दिल्ली से प्रकाशित

रांची ● रविवार ● 08.02.2026 ● वर्ष : 16 ● अंक : 194 ● पृष्ठ : 12 ● आमंत्रण मूल्य : ~~3 रुपये~~ 2 रुपये

भारत की सबसे बड़ी ताकत बना वैश्विक भरोसा मलेशिया में जल्द शुरू होगा यूपीआई : पीएम

एजेंसी

कुआलालंपुर : प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा कि भारत आज केवल एक बड़ा बाजार नहीं, बल्कि निवेश और व्यापार का भरोसेमंद वैश्विक साझेदार बन चुका है। यूके, यूएई, ऑस्ट्रेलिया, न्यूजीलैंड, ओमान, यूरोपीय संघ और अमेरिका सहित कई देशों के साथ भारत के व्यापार समझौते इस बढ़ते विश्वास का प्रमाण हैं। उन्होंने कहा कि ट्रस्ट अब भारत की सबसे मजबूत करंसी है। प्रधानमंत्री मोदी ने शनिवार को मलेशिया की राजधानी कुआलालंपुर में भारतीय समुदाय को संबोधित करते हुए ओसीआई कार्ड की पात्रता छठी पीढ़ी तक बढ़ाने, तिरुवल्लुवर स्कॉलरशिप शुरू करने और मलेशिया में नए भारतीय वाणिज्य दूतावास के शीघ्र उद्घाटन की भी जानकारी दी। उन्होंने कहा कि भारत की डिजिटल भुगतान प्रणाली यूपीआई जल्द ही मलेशिया में शुरू होगी, जिससे दोनों देशों के बीच आर्थिक और जनसंपर्क और मजबूत होंगे। आज भारत दुनिया का सबसे बड़ा डिजिटल सार्वजनिक बुनियादी ढांचा और फिनटेक पारिस्थितिकी तंत्र बना चुका है, जहां दुनिया के करीब आधे रियल-टाइम डिजिटल लेन-देन होते हैं।

उन्होंने कहा कि भारत और मलेशिया की दोस्ती अब व्यापक रणनीतिक साझेदारी के रूप में आगे बढ़ रही है। दोनों देशों का संबंध इंडिया-मलेशिया पार्टनरशिप फॉर एडवांसिंग कलेक्टिव ट्रांसफॉर्मेशन मंत्र पर आधारित है। प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत ने बीते एक दशक में अभूतपूर्व परिवर्तन देखा है। भारत 11वीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था से शीर्ष-3 की ओर बढ़ रहा है, मोबाइल निर्माण, स्टार्ट-अप, रक्षा निर्यात और स्वच्छ ऊर्जा में बड़ी उपलब्धियां हासिल हुई हैं।

प्रधानमंत्री ने मलेशिया में बसे भारतीय मूल के लोगों को भारत-मलेशिया संबंधों की जीवंत कड़ी बताया। उन्होंने तमिल, सिख, गुजराती, तेलुगु, मलयाली सहित विभिन्न भारतीय समुदायों के योगदान की सराहना की। सिख समुदाय द्वारा गुरु नानक देव जी की शिक्षाओं- नाम जपो, किरत करो और वंड छको–को जीवित रखने का विशेष उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि तमिल भाषा और संस्कृति भारत की अमूल्य धरोहर है और मलेशिया में तमिल समुदाय सदियों से सामाजिक-सांस्कृतिक जीवन को समृद्ध करता आ रहा है। उन्होंने विश्वविद्यालय मलाया में तिरुवल्लुवर चेयर के बाद अब तिरुवल्लुवर सेंटर स्थापित करने की भी घोषणा की।

पीएम मोदी ने मलेशियाई पीएम अनवर के साथ साझा की कार

कुआलालंपुर : पीएम नरेंद्र मोदी ने मलेशिया के कुआलालंपुर में भारतीय डायस्पोरा इवेंट में हिस्सा लिया। जिसमें उन्होंने भारतीय समुदाय को संबोधित करते हुए कहा, आपके स्वागत की गर्मजोशी हमारी साझा संस्कृति की खूबसूरत विविधता को दिखाती है। सबसे पहले, मैं अपने प्यारे दोस्त अनवर इब्राहिम को कम्युनिटी सेलिब्रेशन में शामिल होने के लिए धन्यवाद देता हूं। मैं उन्हें अभी अपने भाषण में भारत–मलेशिया दोस्ती के पैमाने और भविष्य की संभावनाओं पर उनके बहुत अच्छे शब्दों के लिए भी धन्यवाद देता हूं। सिर्फ इतना ही नहीं, वह मुझे एयरपोर्ट पर वेलकम करने आए और मुझे अपनी कार में यहां लाए। न सिर्फ उनकी कार बल्कि उनकी सीट भी, यह खास जेस्चर भारत और आप सभी के लिए उनके प्यार और सम्मान को दिखाता है।

शादी की सालगिरह पर कल्पना सोरेन के साथ रजरप्पा पहुंचे मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन

मुख्यमंत्री ने मां छिन्नमस्तिका मंदिर में पूजा-अर्चना कर राज्यवासियों के सुख, समृद्धि, खुशहाली एवं उन्नति की कामना की

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रामगढ़ : शनिवार को मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन और उनकी पत्नी कल्पना सोरेन अपनी शादी की 20वीं सालगिरह मना रहे हैं। दोनों ने इस खास मौके पर रजरप्पा मंदिर में पूजा-अर्चना कर भगवान का आशीर्वाद लिया। उनके साथ उनके बच्चे भी थे। 7 फरवरी 2006 को हेमन्त सोरेन ने कल्पना सोरेन को जीवन संगिनी के रूप में चुना और शादी के अटूट बंधन में बंध गए थे। तभी से उनका साथ एक प्रेरक जोड़ी के रूप में माना जाता है। विवाह के बाद से ही कल्पना सोरेन ने अपने पति का हर कदम पर साथ दिया। वे न केवल एक पत्नी बल्कि हेमंत सोरेन के राजनीतिक सफर की मजबूत सहायक और मार्गदर्शक बनकर उभरी हैं। उनका घर में आगमन सोरेन परिवार की तकदीर बदलने वाला साबित हुआ। हेमन्त सोरेन और कल्पना सोरेन का रिश्ता राजनीतिक जीवन में भी बेहद प्रभावशाली है।

कल्पना सोरेन को सोरेन परिवार में लेडी लक के रूप में जाना जाता है, जिन्होंने हर मुश्किल समय में हेमन्त सोरेन का साहस और हौसला बढ़ाया। आज का दिन दोनों के जीवन की स्थिरता की याद दिलाता है। दरअसल दिशोम गुरु शिबू सोरेन की बड़ी बेटी की शादी ओडिशा में हुई है। कल्पना सोरेन से शिबू सोरेन परिवार की पहली मुलाकात एक शादी समारोह में हुई थी। बताया जाता है कि पहली नजर में शिबू सोरेन परिवार ने कल्पना सोरेन को अपनी बहू के रूप में स्वीकार कर लिया था। फिर दोनों परिवारों की आपसी सहमति से शादी तय हो गई थी।

एक नजर

कोडरमा के जयनगर से लापता 10 बच्चे सकुशल बरामद

कोडरमा : जयनगर थाना क्षेत्र अंतर्गत खरियोडीह पंचायत के बिरहोर कॉलोनी गड़ियाय से लापता हुए 10 बच्चों को सकुशल बरामद कर लिया गया है। जयनगर के अंचलाधिकारी सारांश जैन ने शनिवार को बताया कि सभी बच्चे बिहार के गया स्थित चाइल्ड केयर केंद्र में सुरक्षित हैं। सभी 10 बच्चों के एक साथ लापता होने की खबर सामने आने के बाद पूरे इलाके में सनसनी फैल गई थी। प्रशासन ने त्वरित कार्रवाई करते हुए खोजबीन तेज की और बच्चों की सूचना देने वाले को एक लाख रुपये नगद इनाम देने की घोषणा भी की गई थी।

गोमिया में हाथियों के हमले में घायलों को देंगे 4 लाख व मुफ्त इलाज : इरफान अंसारी

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : गोमिया क्षेत्र में हाथियों के झुंड द्वारा लोगं के कुचलने की दर्दनाक घटना ने पूरे झारखंड को झकझोर दिया है। इस हादसे में दो लोगों की मौत हो गई, जबकि चार अन्य गंभीर रूप से घायल हुए हैं। घटना के बाद क्षेत्र में शोक और भय का माहौल है। स्वास्थ्य मंत्री डॉ. इरफान अंसारी ने कहा कि मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन के निर्देश पर वे मंत्री योगेंद्र महतो के साथ रिम्स पहुंचे और घायलों का हालचाल लिया। उन्होंने अस्पताल प्रबंधन को निर्देश दिया कि सभी घायलों को सर्वोत्तम चिकित्सा सुविधा दी जाए और इलाज में किसी प्रकार की कमी न रहने पाए। डॉ. अंसारी ने जानकारी दी कि राज्य सरकार द्वारा प्रत्येक मृतक के परिजनों को चार लाख रुपये की सहायता राशि प्रदान की जाएगी। इसके साथ ही घायलों के इलाज पर होने वाला पूरा खर्च भी राज्य सरकार वहन करेगी। उन्होंने स्पष्ट किया कि सरकार इस कठिन समय में पीड़ित परिवारों के साथ मजबूती से खड़ी है।

हाथियों के बढ़ते प्रकोप पर चिंता व्यक्त करते हुए स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि जंगलों के लगातार सिमटने और मानवीय हस्तक्षेप के कारण मानव-वन्यजीव संघर्ष की घटनाएं बढ़ रही हैं। इस गंभीर समस्या के स्थायी समाधान के लिए ठोस नीति और दीर्घकालीन प्रयासों की आवश्यकता है।

उन्होंने राज्य की स्वास्थ्य व्यवस्था को और सशक्त बनाने पर जोर देते हुए रिम्स के विस्तार और रिम्स-2 की जरूरत पर भी प्रकाश डाला। डॉ। अंसारी ने कहा कि राज्य सरकार का संकल्प है कि आम जनता को बेहतर, सुलभ और सम्मानजनक स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराई जाएं।

महाराष्ट्र के गढ़चिरौली में 71 लाख के इनामी 7 नक्सली ढेर

एजेंसी

मुंबई : महाराष्ट्र के गढ़चिरौली जिले में पिछले तीन दिनों से चल रही मुठभेड़ में सुरक्षा बलों ने 71 लाख रुपये के इनामी 07 नक्सलियों मार गिराया है। पुलिस अधीक्षक नीलोत्पल ने इसकी पुष्टि की है। पुलिस अधीक्षक नीलोत्पल ने शनिवार को गढ़चिरौली में पत्रकार वार्ता में बताया कि जिले में सिर्फ सात नक्सली बचे हैं, 31 मार्च तक जिले से नक्सलवाद पूरी तरह खत्म हो जाएगा। उन्होंने बताया कि तीन दिन और तीन रात तक चली इस मुठभेड़ में पुलिस के जवानों ने बहादुरी से नक्सलियों का सामना किया। हालांकि इसमें दीपक मडावी नाम का एक जवान बलिदान हो गया, जबकि एक जवान घायल हो गया। उसकी हालत खतरे से बाहर है। पुलिस के जवान इस मुठभेड़ में 7 नक्सलियों को मारने में कामयाब रहे और इन सभी की पहचान हो गई है।

इसमें दो बड़े कैडर शामिल हैं, दंडकारण्य स्पेशल जोनल कमेटी और कंपनी नंबर 10 का कमांडर प्रभाकर और कंपनी नंबर 5 का कमांडर पगु मोड्यम। इन सभी पर 200 मामले दर्ज हैं और महाराष्ट्र सरकार ने कुल 71 लाख रुपये का इनाम घोषित किया था। प्रभाकर से अब तक दस बार आत्मसमर्पण करने की अपील की गई थी। लेकिन जब से उसने कोई जवाब नहीं दिया, तब पुलिस को कार्रवाई करनी पड़ी। अब गढ़चिरौली जिले में केवल 7 हथियारबंद नक्सली बचे हैं, जिनमें गढ़चिरौली जिले के दो और छत्तीसगढ़ के 5 कैडर शामिल हैं। उन्हें पुलिस के सामने आत्मसमर्पण करना चाहिए ,वर्ना उन्हें 31 मार्च तक खत्म कर दिया जाएगा।

शाह के दौरे से पहले 51 नक्सलियों का सरेंडर, करोड़ों का था इनाम

बीजापुर : छत्तीसगढ़ में नक्सलवाद को बड़ा झटका लगा है। गृह मंत्री अमित शाह के दौरे से पहले राज्य के सुकमा और बीजापुर में 51 नक्सलियों ने सरेंडर किया है। बीजापुर में साउथ सब जोनल ब्यूरो से संबंधित कुल 30 इनामी माओवादी कैडरों ने हिंसा का रास्ता छोड़कर समाज की मुख्यधारा में लौटने का ऐतिहासिक निर्णय लिया है। इन कैडरों पर कुल 85 लाख रुपये का इनाम घोषित था। आत्मसमर्पण करने वालों में 20 महिलाएँ और 10 पुरुष शामिल हैं, जिन्होंने सशस्त्र विचारधारा को त्यागकर शांति, संवाद और विकास का मार्ग अपनाने की प्रतिबद्धता जताई है।यह घटना बीजापुर में नक्सल विरोधी अभियान की एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है। 1 जनवरी 2024 से अब तक जिला बीजापुर में 918 माओवादी कैडर समाज की मुख्यधारा में लौट चुके हैं, 1163 माओवादियों को गिरफ्तार किया गया है और 232 माओवादी मुठभेड़ों में मारे गए हैं। बीजापुर जैसे नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में शांति और विकास सुनिश्चित करना सरकार की प्राथमिकता रही है।

भारत-अमेरिका व्यापार समझौता देश के किसानों के हित में, भाजपा ने प्रधानमंत्री का जताया आभार

एजेंसी

नयी दिल्ली : भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने भारत और अमेरिका के बीच समझौते को किसानों के हित में बताते हुए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का आभार जताया है और कहा है कि इस समझौते में एक ओर जहां भारत के किसानों के हितों का दृढ़तापूर्वक संरक्षण किया गया है वहीं दूसरी ओर भारत के लघु और मध्यम उद्योग के उद्यमियों के लिए विश्व की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था के द्वार खुल गए हैं। शनिवार को भाजपा मुख्यालय में आयोजित प्रेसवार्ता में प्रवक्ता डॉ. सुधांशु त्रिवेदी ने कहा कि भारत और अमेरिका के बीच व्यापार समझौते का प्रारूप अब वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल जी ने प्रस्तुत कर दिया है।

अब इसके बारे में किसी भी प्रकार के भ्रम की संभावना नहीं रह गई है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत सरकार ने पूरी परिपक्वता, पूरी दृढ़ता के साथ भारत की हितों को सुदृढ़ करते हुए स्पष्ट रूप से कृषि, दुग्ध व्यवसाय और अन्य क्षेत्र में एक विस्तृत सूची दी है। इससे स्पष्ट हो गया है कि भारत के

किसानों के हितों का दृढ़तापूर्वक संरक्षण किया गया है। भारत के लघु और मध्यम उद्योग के उद्यमियों के लिए विश्व की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था के द्वार खोल दिए गए हैं।

इसके लिए भारतीय जनता पार्टी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के प्रति आभार व्यक्त करती है। यह देश की संपूर्ण जनता के लिए एक बहुत सुखद और अनुकूल अवसर है।

भारत-अमेरिका ट्रेड डील अर्थव्यवस्था पर डालेगा गंभीर असर : कांग्रेस

नयी दिल्ली : कांग्रेस ने भारत–अमेरिका व्यापार समझौते को देश के लिए नुकसानदेह बताते हुए कहा है कि यह भारत को अमेरिका का 'डंपिंग ग्राउंड' बना देगा और किसानों व अर्थव्यवस्था पर गंभीर असर डालेगा। पार्टी के मीडिया विभाग प्रमुख पवन खेड़ा ने आज यहां पार्टी मुख्यालय में प्रेस वार्ता को संबोधित करते हुए कहा कि अमेरिका भारत का सबसे बड़ा व्यापार अधिशेष (ट्रेड सरप्लस) वाला साझेदार रहा है। दशकों तक भारत ने अमेरिका को भारी मात्रा में निर्यात कर अपनी अर्थव्यवस्था को मजबूत किया। लेकिन ट्रंप प्रशासन की इस डील से भारत को अगले पांच साल में 500 बिलियन डॉलर का आयात करना होगा यानी आयात तीन गुना बढ़ाना पड़ेगा। इससे भारत की आत्मनिर्भरता को नुकसान पहुंचेगा। भारत आखिर अमेरिका से क्या खरीदेगा, इसका जवाब सरकार के पास नहीं है।

मथुरा में सड़क हादसा, छह लोगों की मौत

एजेंसी

मथुरा : उत्तर प्रदेश के मथुरा जिले के सुरीर थाना क्षेत्र में यमुना एक्सप्रेस-वे पर शनिवार तड़के तेज रफ्तार कंटेनर ने स्लीपर बस से उतरकर खड़े यात्रियों को रौंद दिया। इस हादसे में छह यात्रियों की मौत हो गई, जबकि एक यात्री घायल है। पुलिस ने सभी मृतकों की शिनाख्त कर ली है।

पुलिस के अनुसार मृतकों में औरैया के एरवा कटरा निवासी सोनू, बस्ती जिले के ग्राम भेलबल निवासी देवेश, कन्नौज निवासी असलम, दिल्ली निवासी संतोष, औरैया निवासी अनुराग और फिरोजाबाद निवासी प्रमोद के रूप में हुई है। घायल औरैया निवासी शिवकांत को गंभीर हालत में अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस ने मृतकों की शिनाख्त उनके दस्तावेजों से करते हुए घटना की जानकारी परिवार को दे दी है।

वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक श्लोक कुमार ने बताया कि दिल्ली के नांगलोई से स्लीपर बस यात्रियों को लेकर कानपुर देहात के रसूलाबाद के लिए रवाना हुई थी। जब बस सुरीर क्षेत्र के माइल स्टोन 88 के पास पहुंची तो कुछ यात्रियों ने लघुशंका जाने के लिए बस रुकवाई। बस चालक ने यात्रियों को सुरक्षित 'ग्रीन जोन' में न रोककर सड़क के किनारे ही बस खड़ी कर दी। बस से कुछ यात्री नीचे उतरकर किनारे खड़े थे। इसी दौरान पीछे से आ रहे तेज रफ्तार कंटेनर ने पहले तो बस को टक्कर मारी और फिर अनियंत्रित होकर सड़क किनारे खड़े यात्रियों को कुचलते हुए आगे बढ़ गया।

एक नजर

लुटेरों ने जेवरात से भरा थैला लूट ले गए, घटना में ग्रामीण को लगी गोली हुआ घायल

बड़कागांव : बड़कागांव दैनिक बाजार में अपाची बाइक से आए तीन लुटेरों ने दिनदहाड़े सुबह 9:38 नंदिनी ज्वेलर्स के पास दुकान खोलने के क्रम में प्रोपराइटर प्रभु सोनी के हाथ से लगभग 22 लख रुपए की सोने चांदी से भरा थैला लूट कर फरार हो गया । प्रभु सोनी के द्वारा तुरंत हल्ला मचाया गया इसी दौरान बगल के सुधीर सोनी ने लुटेरों को पकड़ने का प्रयास किया परंतु लूटेरों ने सुधीर सोनी के हाथ के बाजू में दो गोली मारकर भाग गए। ग्रामीणों का कहना है कि घटना में लुटेरों के द्वारा 5 से 6 राउंड फायरिंग की गई। और लोहार मोहल्ला होते हुए लुटेरे फरार हो गए। ग्रामीणों का कहना है कि बाइक में तीन लोग सवार थे जिसमें बाइक चला रहे चालक हेलमेट पहने हुए था वहीं दो अन्य लुटेरे कपड़े से मुंह ढके हुए थे। मामले को लेकर नंदिनी ज्वेलर्स के प्रोपराइटर प्रभु सोनी से पूछे जाने पर उन्होंने बताया कि 120 ग्राम सोना और लगभग ढाई किलो चांदी लगभग 22 लख रुपए की जेवरात लुटेरे लोग ले भाग गए हैं। घटना की जानकारी मिलते ही बड़कागांव पुलिस घटना स्थल पर पहुंचकर स्थिति से अवगत हुई एवं लुटेरों को पकड़ने के लिए छानबीन शुरू कर दी। इस दौरान बड़कागांव अवर पुलिस निरीक्षक ललित कुमार थाना प्रभारी कृष्ण कुमार गुप्ता एवं अन्य पदाधिकारी पुलिस के द्वारा सभी जगह से सीसीटीवी फुटेज को खंगाला जा रहा है। ताकि अपराधी को पकड़ा जा सके।

इंडियन ओवरसीज बैंक बड़कागांव शाखा का उद्घाटन 10 फरवरी को

बड़कागांव : हजारीबाग रोड स्थित रिलायंस ट्रेस के बगल में इंडियन ओवरसीज बड़कागांव नए शाखा का उद्घाटन 10 फरवरी को होगा। बतौर मुख्य अतिथि इंडियन ओवरसीज बैंक के रीजनल मैनेजर मनीष कुमार के हाथों फीता काटकर किया जाएगा। आशय की जानकारी विकास कुमार शाखा प्रबंधक के द्वारा दिया गया।

झामुमो नेता संजीव बेदिया ने स्व जोगा मांझी के 31वां पुण्यतिथि में हुए शामिल

बड़कागांव : झारखंड मुक्ति मोर्चा के कार्यकारिणी केंद्रीय सदस्य सह हजारीबाग जिला अध्यक्ष संजीव कुमार बेदिया,झामुमो केंद्रीय सदस्य गौरव पटेल, एवं जिला सचिव नीलकंठ महतो ने स्वर्गीय जागो मांझी के पुण्यतिथि में शामिल हुए और स्व जागो मांझी के आदम कद प्रतिमा पर फूल पुष्पांजलि कर श्रद्धांजलि दिया । वहीं पर उपस्थित ग्रामीणों के बीच संबोधित करते हुए श्री बेदिया कहा कि स्वर्गीय जागो मांझी एक स्वतंत्र सेनानी एवं झारखंड आंदोलनकारी नेता के रूप में भी इनको जाना जाता हैं इनका बलिदानी बुलाया नहीं जा सकता है अक्सर देखा जाता था समाज को कैसे आगे बढ़ाया जाए विकास कैसे हो, हमेशा ग्रामीणों को प्रेरित करते रहते थे।

सांसद मनीष जायसवाल के प्रयास से 101 बेटियों का हाथ हुआ पीला, रामगढ़ में गूंज रहा है मंगल गीत

प्रत्युष नवबिहार बड़कागांव

हजारीबाग : हजारीबाग सांसद मनीष जायसवाल के प्रयास से 101 जोड़े अपना दांपत्य जीवन का शुरूआत करने जा रहे हैं। इन सभी जोड़ों का कन्यादान खुद सांसद मनीष जायसवाल और उनके परिवार करेगा। ये वैसे दांपत्य जुड़े हैं जो आर्थिक रूप से सशक्त नहीं थे और किसी कारणवश इनका विवाह नहीं हो पा रहा था। सांसद परिवार के साथ खड़े हुए, रामगढ़ में भव्य आयोजन के साथ वैवाहिक कार्यक्रम का साक्षी हजारों हजार के संख्या में पहुंचे आमो खास बनने जा रहे हैं। झारखंड के राज्यपाल संतोष गंगवार दांपत्य जोड़े को अपना आशीर्वाद देने के लिए रांची से रामगढ़ पहुंचेंगे। जिसे लेकर तैयारी पूरी हो गई है। सुरक्षा व्यवस्था का चाक- चौबंद इंतजाम है। सांसद सामूहिक विवाह उत्सव-2026 के विवाह स्थल सिद्धू-कान्हु मैदान, रामगढ़ को दुल्हन की तरह सजाया गया है। हजारीबाग सांसद मनीष जायसवाल सिर्फ 101 जोड़ो का सामूहिक विवाह ही नहीं करा रहें हैं बल्कि इसे एक उत्सव का रूप दे रहें हैं। शादी से पूर्व सभी चयनित 101 दूल्हों और दुल्हनों के ठहराव का सुव्यवस्थित इंतजाम उन्होंने कराया है, ताकि शादी पूर्व निर्धारित समय और कार्यक्रम के मुताबिक संभव हो सके। दूल्हा पक्ष और दुल्हन पक्ष के लोगों के लिए विशेष पास का इंतजाम किया गया है। सांसद सामूहिक विवाह उत्सव-2026 में चयनित सभी जोड़ों का मेंहदी और हल्दी की रस्म अदायगी हुई और अब बस विवाह मंडप में सात फेरे लेने और डोली उठने की देर है । झारखंड के राज्यपाल संतोष गंगवार समेत कई गणमान्य मेहमान और क्षेत्र के आसपास से लाखों लोग मेहमान इस सामूहिक विवाह के साक्षी होंगे। एक विशाल जनसमूह के समक्ष खुले आसमां के नीचे सूर्य की किरणें रोशनी देंगी और 101 जोड़े अग्नि को साक्षी मानकर एक- दूजे का दामन थामेंगे और सात फेरों के सातों वचन की कसमें खाएंगे।

डैफोडिल्स पब्लिक स्कूल में फूड फिएस्टा, बच्चों की रचनात्मकता और आत्मनिर्भरता का शानदार प्रदर्शन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

चौपारण : प्रखंड के केंदुआ मोड़ स्थित डैफोडिल्स पब्लिक स्कूल परिसर में शनिवार को उत्साह और उमंग से भरपूर वातावरण में फूड फिएस्टा का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों में रचनात्मक सोच, आत्मनिर्भरता, टीमवर्क और व्यावहारिक ज्ञान को बढ़ावा देना था। फूड फिएस्टा के दौरान छात्र-छात्राओं ने समूह बनाकर आकर्षक स्टॉल लगाए और अपने हाथों से तैयार स्वादिष्ट व्यंजन प्रस्तुत किए। स्टॉल पर चाट, पकौड़ी, नूडल्स, सैंडविच, मिठाइयाँ तथा विभिन्न प्रकार के पेय पदार्थ उपलब्ध थे। बच्चों ने न केवल व्यंजन तैयार किए, बल्कि ग्राहकों का स्वागत करते हुए स्वयं बिक्री भी की, जिससे उनमें आत्मविश्वास, संवाद कौशल और व्यावसायिक समझ का विकास देखने को मिला।कार्यक्रम में अभिभावकों एवं स्थानीय लोगों की उल्लेखनीय भागीदारी रही। सभी ने बच्चों के प्रयासों की सराहना करते हुए उनके द्वारा बनाए गए व्यंजनों का स्वाद लिया और उत्साहवर्धन किया। विद्यालय परिसर को रंग-बिरंगी सजावट एवं आकर्षक स्टॉलों से सुसज्जित किया गया था, जिससे पूरा माहौल मेले जैसा प्रतीत हो रहा था। विद्यालय प्रबंधन ने बताया कि इस प्रकार के आयोजनों से बच्चों में स्वच्छता के प्रति जागरूकता, आर्थिक समझ, नेतृत्व क्षमता और व्यवहारिक शिक्षा का विकास होता है। शिक्षकों ने भी पूरे कार्यक्रम के दौरान बच्चों का मार्गदर्शन कर इसे सफल बनाने में अहम भूमिका निभाई।

मैट्रिक-इंटर परीक्षा में पारदर्शिता सुनिश्चित करने उतरे बीडीओ, केंद्रों का किया औचक निरीक्षण

प्रत्युष नवबिहार बड़कागांव

चौपारण : मैट्रिक एवं इंटरमीडिएट परीक्षा के सुचारु, निष्पक्ष एवं कदाचारमुक्त संचालन को लेकर प्रशासन पूरी तरह सतर्क और मुस्तैद नजर आ रहा है। इसी क्रम में प्रखंड विकास पदाधिकारी नितेश भास्कर ने शुक्रवार को प्रखंड क्षेत्र के विभिन्न परीक्षा केंद्रों का सघन निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने परीक्षा व्यवस्था, केंद्राधीक्षकों की उपस्थिति, वीक्षक तैनाती, सुरक्षा प्रबंध तथा परीक्षार्थियों की सुविधाओं का गहनता से जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान नितेश भास्कर ने स्पष्ट निर्देश दिया कि परीक्षा संचालन में किसी भी प्रकार की शिथिलता, लापरवाही या अनुशासनहीनता को कतई बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने कहा कि सभी परीक्षा केंद्रों पर शांतिपूर्ण, पारदर्शी और कदाचारमुक्त वातावरण सुनिश्चित करना प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने परीक्षार्थियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए पेयजल, शौचालय, प्रकाश व्यवस्था एवं बैठने की समुचित व्यवस्था बनाए रखने का निर्देश दिया। साथ ही केंद्रों पर तैनात अधिकारियों व शिक्षकों को समयबद्ध एवं जिम्मेदारी के साथ अपने दायित्वों का निर्वहन करने को कहा। इसी क्रम में नितेश भास्कर ने केबीएसएस प्लस टू उच्च विद्यालय, चौपारण स्थित परीक्षा केंद्र का भी निरीक्षण किया। उन्होंने परीक्षा कक्षों में जाकर सीसीटीवी निगरानी व्यवस्था, वीक्षण प्रक्रिया तथा विद्यार्थियों की उपस्थिति का अवलोकन किया और केंद्राधीक्षक को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। केंद्राधीक्षक कालीचरण राम ने बताया कि इस केंद्र पर परीक्षा पूरी तरह कदाचारमुक्त, अनुशासित एवं शांतिपूर्ण वातावरण में संचालित की जा रही है। विद्यालय के सभी परीक्षा कक्षों में सीसीटीवी कैमरों के माध्यम से सतत निगरानी रखी जा रही है, जिससे किसी भी प्रकार की अनियमितता पर तुरंत कार्रवाई संभव हो सके।

सामूहिक विवाह से सजेगा सिधू-कानू मैदान चौपारण के चयनित वर-वधुओं में उत्साह

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

चौपारण : रामगढ़ के ऐतिहासिक सिधू-कानू मैदान में आयोजित सांसद सामूहिक वैवाहिक उत्सव 2026 के अवसर पर आज प्रखंड के चार बेटियों एवं एक युवक का विवाह पूरे विधि-विधान और वैदिक मंत्रोच्चार के बीच संपन्न होगा। इस पावन आयोजन को लेकर क्षेत्र में उत्सव जैसा माहौल है और चयनित परिवारों में खासा उल्लास एवं उमंग देखी जा रही है। बरही विधानसभा सांसद प्रतिनिधि मुकुंद साहू एवं सह सांसद प्रतिनिधि रामस्वरूप पासवान ने जानकारी देते हुए बताया कि इस सामूहिक विवाह समारोह में चौपारण प्रखंड के विभिन्न पंचायतों से चयनित वर-वधू वैवाहिक बंधन में बंधेंगे। इनमें बरई केंदुआ निवासी सूदन रविदास की पुत्री रानी कुमारी, रामपुर निवासी मुंशी भुइयां की पुत्री उगंती कुमारी, भगवानपुर निवासी राजू भुइयां की पुत्री शिवानी कुमारी तथा मदगोपाली निवासी श्यामलाल प्रजापति की पुत्री शिवानी कुमारी शामिल हैं। वहीं दैहर निवासी उपेंद्र प्रजापति के पुत्र रवि कुमार भी इस आयोजन में विवाह सूत्र में बंधेंगे। उन्होंने कहा कि सांसद सामूहिक वैवाहिक उत्सव आर्थिक रूप से कमजोर एवं जरूरतमंद परिवारों के लिए एक सराहनीय और प्रेरणादायक पहल है। इस आयोजन के माध्यम से ऐसे परिवारों को सम्मानपूर्वक अपने बच्चों का विवाह संपन्न कराने का अवसर मिलता है। साथ ही यह कार्यक्रम समाज में समानता, सामाजिक समरसता एवं भाईचारे को मजबूत करने का संदेश देता है। सामूहिक विवाह को लेकर सभी चयनित परिवारों में खुशी और उत्साह का माहौल बना हुआ है। स्थानीय जनप्रतिनिधियों एवं समाजसेवियों ने इस पहल की जमकर सराहना करते हुए इसे समाज के लिए अनुकरणीय बताया है। इस अवसर पर मुखिया बिरेन्द्र रजक सहित कई जनप्रतिनिधियों एवं गणमान्य लोगों ने वर-वधुओं को शुभकामनाएं देते हुए उनके सुखद, समृद्ध एवं मंगलमय वैवाहिक जीवन की कामना की।

स्व. रूपेश पाण्डेय की चौथी पुण्यतिथि मनाई गई, मुखिया हुए शामिल

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बरही : प्रखंड के चर्चित स्व. रूपेश पाण्डेय की चौथी पुण्यतिथि शनिवार को श्रद्धा एवं सम्मान के साथ मनाई गई। इस अवसर पर करियातपुर पंचायत के मुखिया मनोज कुमार सहित कई जनप्रतिनिधि एवं सामाजिक कार्यकर्ता उपस्थित रहे। श्रद्धांजलि सभा में उपस्थित लोगों ने स्व. रूपेश पाण्डेय के चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि दी। मुखिया मनोज कुमार ने उनके जीवन, सामाजिक योगदान एवं व्यक्तित्व पर प्रकाश डालते हुए उन्हें एक नेक और मिलनसार व्यक्ति बताया। गौरतलब है कि वर्ष 2022 में स्व. रूपेश पाण्डेय की हत्या की गई थी, जिससे पूरे क्षेत्र में शोक और आक्रोश का माहौल उत्पन्न हो गया था। उनकी स्मृति में आयोजित इस पुण्यतिथि कार्यक्रम में लोगों ने न्याय, शांति और सामाजिक सौहार्द बनाए रखने का संदेश दिया। श्रद्धांजलि सभा में मुखिया मनोज कुमार के अलावा लक्ष्मण पांडे, सिकंदर पांडे, अनिल पांडे, उमाशंकर शर्मा, किशुन पांडे, किशोरी मोहन पांडे, शंकर पांडे, सुरेश पांडे, बिरेन्द्र पाण्डेय सहित अन्य ग्रामीण व शुभचिंतक उपस्थित थे।

शहर की व्यवस्थाओं को सुदृढ़ करने को लेकर नगर आयुक्त से मिले विधायक प्रदीप प्रसाद

प्रत्यूष नवबिहार हजारीबाग

हजारीबाग : विधायक प्रदीप प्रसाद ने शनिवार को नगर आयुक्त ओमप्रकाश गुप्ता से मुलाकात कर शहर से जुड़ी विभिन्न जनहितकारी समस्याओं और नागरिक सुविधाओं को लेकर विस्तृत चर्चा की। इस दौरान विधायक ने शहर की व्यवस्था को बेहतर बनाने और आम नागरिकों, दुकानदारों व किसानों की परेशानियों के स्थायी समाधान हेतु आवश्यक कदम उठाने को कहा ।

फुटपाथ दुकानदारों की आजीविका और नागरिक सुविधा पर जोर

विधायक प्रदीप प्रसाद ने नगर आयुक्त को कहा की फुटपाथ दुकानदारों की आजीविका सुरक्षित रखते हुए उनकी उचित एवं सुव्यवस्थित व्यवस्था सुनिश्चित की जाए, ताकि यातायात भी प्रभावित न हो और दुकानदारों को भी परेशानी न झेलनी पड़े। उन्होंने डेली मार्केट में आम नागरिकों की सुविधा के लिए शौचालय को निःशुल्क किए जाने की आवश्यकता पर भी बल दिया।

जलजमाव और स्वच्छता के स्थायी समाधान की मांग

विधायक ने बरसात के मौसम में सड़कों और नालियों में होने वाले जलजमाव की समस्या को गंभीर बताते हुए इसके स्थायी समाधान के लिए प्रभावी और समयबद्ध कार्ययोजना तैयार करने को कहा। इसके साथ ही कूद रेलवे स्टेशन के समीप मैला टाँड में कचरा जमा न करनें स्वच्छता व्यवस्था को सुदृढ़ करने के लिए भी आवश्यक कार्रवाई करने को कहा। डेली मार्केट को स्मार्ट मार्केट के रूप में विकसित करने की पहल विधायक प्रदीप प्रसाद ने जिला प्रशासन से डेली मार्केट को आधुनिक सुविधाओं से युक्त "स्मार्ट मार्केट" के रूप में विकसित करने की दिशा में ठोस पहल करने का आग्रह किया। उन्होंने कालीबाड़ी मे बने भवन भवन को शीघ्र खोलकर सब्जी किसानों को सीधे बिक्री का अवसर उपलब्ध कराने की बात भी दोहराई, जिस पर वे पूर्व में भी कई बार संबंधित अधिकारियों से वार्ता कर चुके हैं।

फुटपाथ दुकानदारों से सीधा संवाद नगर आयुक्त से बैठक के उपरांत विधायक प्रदीप प्रसाद ने स्वयं फुटपाथ दुकानदारों के कार्यस्थल पर जाकर उनसे मुलाकात की और उनकी समस्याओं को प्रत्यक्ष रूप से समझा। उन्होंने दुकानदारों को भरोसा दिलाया कि उनके हितों की रक्षा और शहर की व्यवस्था को संतुलित रखने के लिए लगातार प्रयास किए जाएंगे। विधायक प्रदीप प्रसाद ने कहा कि, मेरा प्रयास है कि हजारीबाग शहर की व्यवस्थाएं सुदृढ़ हों, नागरिकों को किसी प्रकार की परेशानी न हो और दुकानदारों व किसानों के हितों का भी संरक्षण सुनिश्चित किया जाए। यातायात जाम से राहत और स्वच्छ, सुव्यवस्थित शहर के लिए संबंधित पदाधिकारियों को त्वरित और ठोस पहल करने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि वे इन सभी विषयों पर लगातार निगरानी रखेंगे और आवश्यकतानुसार प्रशासन से समन्वय कर समाधान सुनिश्चित करेंगे।

संक्षिप्त खबरें

यूजीसी नेट सफल विद्यार्थी तनु को राष्ट्रीय मानवाधिकार एसोसिएशन ने किया सम्मानित

बरही : बरही प्रखंड के खोड़ाहार निवासी उमेश कुमार सिंह की पुत्री तनु कुमारी ने यूजीसी नेट जेआरएफ परीक्षा में सफलता प्राप्त की है। शनिवार को राष्ट्रीय मानवाधिकार एसोसिएशन की एक टीम सफल छात्रा तनु से मिलकर उन्हें बधाई एवं शुभकामनाएं दी। प्रदेश अध्यक्ष कृष्णा प्रजापति एवं प्रदेश संयोजक भरत यादव ने सफल छात्रा तनु से उनकी सफलता की संघर्ष की कहानी से अवगत हुए। साधुवाद देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। इसके साथ ही उत्क्रमित उच्च विद्यालय खोड़ाहार की शिक्षिका किरण देवी एवं संजू देवी तथा समाजसेवी अनिल सिंह ने भी तनु को मिठाई खिलाकर एवं पेन देकर सम्मानित किया। तनु ने बताया कि उनकी प्रारंभिक शिक्षा उत्क्रमित उच्च विद्यालय खोड़ाहार से माध्यमिक शिक्षा प्लस उच्च विद्यालय तथा उच्च शिक्षा रामनारायण यादव मेमोरियल कॉलेज बरही से प्राप्त की है। उन्होंने अपनी सफलता का श्रेय अपने माता पिता, उत्क्रमित उच्च विद्यालय खोड़ाहार के प्रभारी डॉ सुनील यादव, उनके शिक्षक तथा रामनारायण यादव मेमोरियल कॉलेज बरही के व्याख्याता जागेश्वर यादव, प्री हीरामन साहू एवं प्राचार्य रहे डॉ बिमल किशोर को दी । उनके सफलता पर राष्ट्रीय अध्यक्ष अरविंद कुमार, राष्ट्रीय महासचिव संजय सुमन, अनुमंडल अध्यक्ष कमल शंकर पंडित, महासचिव प्रभाकर पाठक, मो तैयब, मनोज कुमार, महेश प्रसाद,शरीफुल हक आदि ने शुभकामनाएं दी।

बाइक को टक्कर मारते हुए स्कूली वैन पलटी, बाइक सवार की मौत, पांच छात्र घायल

बरही: जीटी रोड पंचमाधव के पास मलकोको बरही से मैट्रिक के परीक्षार्थियों को लेकर पदमा परीक्षा केंद्र जा रही वैन बाइक को टक्कर मारते हुए सड़क पर पलट गई। हादसे में बाइक सवार की मौके पर ही मौत हो गई। जबकि वैन में सवार पांच परीक्षार्थी गंभीर रूप से घायल हो गए। दुर्घटना की सूचना पर बरही थाना प्रभारी इंस्पेक्टर विनोद कुमार पुलिस बल के साथ घटनास्थल पर पहुंचे और मृतक बाइक सवार के शव और घायल परीक्षार्थियों को बरही अनुमंडलीय अस्पताल पहुंचाया। पुलिस बल ने सड़क पर पलटी वैन को सड़क से हटाकर सड़क जाम हटाया। जानकारी के मुताबिक डॉ भीमराव आंबेडकर पब्लिक स्कूल मलकोको,बरही का स्कूल वैन से मैट्रिक के 20 परीक्षार्थियों को लेकर पदमा परीक्षा केंद्र की ओर जा रही थी। जीटी रोड के पंचमाधव गांव के पास वैन बाइक सवार को अपनी चपेट में लेते हुए अनियंत्रित होकर सड़क पर पलट गई। घटनास्थल पर ही बाइक सवार जयप्रकाश मेहता उम्र 55 वर्ष पिता ननकु महतो ग्राम चेचकपी थाना बरकट्ठा की मौत हो गई। वहीं वैन के अनियंत्रित होकर पलटने से मलकोको गांव के मैट्रिक परीक्षा के परीक्षार्थी खालिद रजा पिता अब्दुल फारुख,जावेद अख्तर पिता मो जब्बार, फरहान रजा पिता हासिल अली, इलियास आलम पिता कलीम अंसारी, अमन पासवान पिता सकलदेव पासवान घायल हो गए। घायल परीक्षार्थियों का बरही अनुमंडलीय अस्पताल में प्राथमिक उपचार के बाद बेहतर इलाज के लिए सदर अस्पताल हजारीबाग रेफर कर दिया गया। शेष परीक्षार्थी आंशिक चोटिल हुए फिर भी वे सभी परीक्षा केंद्र पहुंचकर परीक्षा दी।

आरएसएस की सेवा सप्ताह के तहत गुप्ता इंपोरियम ने गरीब बच्चों के बीच किया वस्त्र वितरण

बरही : राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ की ओर से सेवा सप्ताह मनाया जा रहा है। इस कड़ी में बाल संस्कार केंद्र कोनरा तूरी टोला में वस्त्र वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में बरही के प्रतिष्ठित समाजसेवी एवं एकल अभियान श्रीहरि कथा सत्संग समिति के अंचल सचिव कृष्णा गुप्ता की ओर से तथा गुप्ता इंपोरियम परिवार की ओर से 50 से अधिक बच्चों के बीच वस्त्र वितरण किया गया। इसके साथ ही बाल संस्कार केंद्र में रेगुलर आने वाले बच्चों के माता जी को साड़ी वितरण किया गया। इस अवसर पर क्षेत्र सेवा प्रमुख त्रिवेणी साव ने कहा कि बाल संस्कार केंद्र मेंबच्चो को संस्कार युक्त शिक्षा दी जा रही है । बच्चों को वस्त्र की समस्या नहीं रहे इसलिए गरीब बच्चों को गुप्ता परिवार की ओर से वस्त्र उपलब्ध कराया जा रहा है । कृष्णा गुप्ता ने कहा कि वर्तमान समय में सेवा ही धर्म है । इसी परिकल्पना के साथ पिछले पांच वर्षो से वस्त्र वितरण करता आ रहा हूं। आगे भी यह सेवा कार्य जारी रहेगा। मौके पर एकल अभियान के अंचल सचिव कृष्णा प्रजापति, कुणाल कुमार गुप्ता, बाल संस्कार केंद्र की आचार्या सहित कई लोग मौजूद रहें।

महाराष्ट्र के दिवंगत पूर्व उप मुख्यमंत्री के अस्थि कलश विसर्जन कार्यक्रम में शामिल हुए महेश ठाकुर

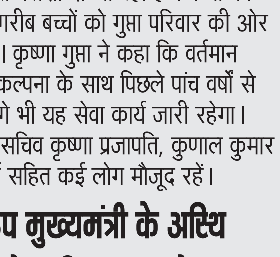

हजारीबाग : रांची में महाराष्ट्र के पूर्व उपमुख्यमंत्री एवं राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष स्वर्गीय अजीत पावर जी के अस्थि कलश के साथ शांति पाठ एवं अस्थि विसर्जन कार्यक्रम पूरे श्रद्धा और गरिमा के साथ संपन्न हुआ। यह अस्थि कलश उनके सुपुत्र पार्थ अजीत पवार जी के द्वारा झारखंड भेजा गया था। इस अस्थि कलश विसर्जन कार्यक्रम के हजारीबाग एनसीपी जिलाध्यक्ष महेश ठाकुर भी शामिल हुए। उन्होंने श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए भावुक मन से कहा कि अजित पवार जी से मेरा और मेरे परिवार का संबंध केवल राजनीतिक नहीं, बल्कि वर्षों से आत्मीय, पारिवारिक और विश्वासपूर्ण रहा है। उनका स्नेह और अपनापन और सदैव स्मृतियों में जीवित रहेगा। उनका इस प्रकार स्मरण करना हम सभी के लिए अत्यंत भावुक और आत्मिक क्षण है। इस अवसर पर कमलेश सिंह, महेश ठाकुर, दीपेश ठाकुर, झारखण्ड एनसीपी परिवार सहित परिवारजन, निकट संबंधी, मित्रगण एवं शुभचिंतक उपस्थित रहे।

शिक्षा के बिना स्वस्थ, सशक्त व प्रगतिशील समाज की कल्पना संभव नहीं : सुदेश

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : कमलनाथ मेमोरियल विद्या मंदिर, गागी, कांके के रजत जयंती समारोह का दीप प्रज्वलित कर उद्घाटन राज्य के पूर्व उपमुख्यमंत्री एवं आजसू पार्टी के केंद्रीय अध्यक्ष सुदेश महतो ने किया। कार्यक्रम गरिमामयी वातावरण में संपन्न हुआ। इस अवसर पर सुदेश महतो ने कहा कि गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्राप्त करना प्रत्येक व्यक्ति का मौलिक अधिकार है। शिक्षा के बिना स्वस्थ, सशक्त एवं प्रगतिशील समाज की कल्पना संभव नहीं है। शिक्षा ही प्रगति और सफलता की वह कुंजी है, जिससे व्यक्ति के सर्वांगीण विकास के द्वार खुलते हैं। एक शिक्षित नागरिक ही सशक्त समाज का निर्माण कर सकता हैं। उन्होंने शिक्षा के बढ़ते व्यवसायीकरण पर चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि आज शिक्षा को व्यापार बना दिया गया है, जिसके कारण गरीब, निम्न एवं मध्यम आय वर्ग के परिवारों के बच्चे उच्च शिक्षा से वंचित रह जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि समय की मांग है कि शिक्षा को सरल, सुलभ और सर्वसुलभ बनाया जाए, ताकि कोई भी बच्चा शिक्षा के अधिकार से वंचित न रहे। यह तभी संभव है जब सरकार के साथ-साथ गैर-सरकारी शिक्षण संस्थान भी हर वर्ग के लिए अपने द्वार खोलें। समारोह के दौरान विद्यालय के विद्यार्थियों ने रंगारंग एवं मनमोहक सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत कर उपस्थित अतिथियों का मन मोह लिया। कार्यक्रम में अतिथियों का स्वागत विद्यालय के प्राचार्य किशोर महतो ने किया।

इस अवसर पर झारखंड आंदोलनकारी डॉ. देवशरण भगत, मो. हसन अंसारी, राजेंद्र मेहता, दीपक महतो, मनोज महतो, मुखिया फुलमनी नाग, पंचायत समिति सदस्य पूनम टोप्पो, लीलावती देवी, मुखिया रोही देवी, संगीता देवी, पूर्व मुखिया राजेश मुंडा, अजय महतो, वीरेंद्र तिवारी, विष्णु महतो, नरेंद्र कुमार सहित कई गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

एक नजर

रांची सिविल कोर्ट को बम से उड़ाने की धमकी के बाद दूसरे दिन भी सघन जांच

रांची : रांची सिविल कोर्ट को बम से उड़ाने की धमकी मिलने के बाद शनिवार को दूसरे दिन भी सुरक्षा एजेंसियों ने पूरे परिसर में सघन जांच अभियान चलाया। रांची पुलिस के साथ बम निरोधक दस्ते ने जिला जज, मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट सहित सभी न्यायिक अधिकारियों के कक्षों और भवनों की बारीकी से तलाशी ली। जांच के दौरान किसी भी प्रकार का विस्फोटक या संदिग्ध सामग्री नहीं मिली है। दरअसल, शुक्रवार को सिविल कोर्ट की आधिकारिक ई-मेल आईडी पर एक अज्ञात संदेश भेजकर परिसर को बम से उड़ाने की धमकी दी गई थी। सूचना मिलते ही पुलिस ने कोर्ट परिसर की सुरक्षा बढ़ा दी थी और तत्काल जांच शुरू कर दी थी। धमकी के बाद से ही पुलिस टीम कोर्ट परिसर में आने-जाने वाले हर व्यक्ति पर कड़ी नजर रख रही है। संदिग्ध प्रतीत होने पर लोगों की तलाशी ली जा रही है और परिसर में मौजूद वस्तुओं की भी जांच की जा रही है।

पारस एचईसी हॉस्पिटल ने 21 दिन की नवजात बच्ची की बचाई जान

रांची : राजधानी रांची स्थित पारस एचईसी हॉस्पिटल ने जटिल नवजात चिकित्सा में महत्वपूर्ण सफलता हासिल करते हुए 21 दिन की एक गंभीर रूप से बीमार नवजात बच्ची की जान बचाई है। यह जानकारी अस्पताल प्रबंधन ने शनिवार को जारी प्रेस विज्ञप्ति में दी। विज्ञप्ति के अनुसार, बच्ची को गंभीर हालत में भर्ती कराया गया था। उसे तेज पीलिया, सांस लेने में कठिनाई और शॉक की स्थिति थी। प्रारंभ में मामला गंभीर संक्रमण या सेप्सिस जैसा प्रतीत हो रहा था, लेकिन समय पर सटीक इलाज से उसकी स्थिति में सुधार हुआ। अब उसे वेंटिलेशन सपोर्ट से हटाकर फुल फीड पर रखा गया है और आगे की हृदय सर्जरी के लिए रेफर किया गया है। पारस एचईसी हॉस्पिटल के शिशु रोग विशेषज्ञ डॉ. निशांत पाठक और उनकी टीम ने बच्ची को हाई फ्रीक्वेंसी ऑसिलेटरी वेंटिलेशन और इनोट्रोप सपोर्ट पर रखा। विस्तृत जांच में संक्रमण के प्रमाण नहीं मिले। आगे की जांच में बच्ची में दुर्लभ जी6पीडी डेफिशिएंसी की पुष्टि हुई, जो बालिकाओं में अत्यंत कम पाई जाती है। साथ ही इकोकार्डियोग्राफी में लगभग 10 मिमी का एओर्टोपल्मोनरी विंडो नामक जन्मजात हृदय दोष पाया गया, जो बेहद दुर्लभ स्थिति है।

मंईयां सम्मान योजना की लाभार्थियों को मिलेगा 20 हजार का बैंक लोन

रांची : झारखंड सरकार ने मंईयां सम्मान योजना से जुड़ी महिलाओं के लिए एक अहम फैसला लिया है। अब इस योजना की सभी लाभार्थी महिलाओं को बैंकों के माध्यम से 20 हजार रुपये तक का ऋण उपलब्ध कराया जाएगा। इस संबंध में घोषणा शनिवार को राज्य स्तरीय बैंकर्स समिति की बैठक में की गई। बैठक में भारतीय रिजर्व बैंक और नाबार्ड के प्रतिनिधियों के साथ विभिन्न बैंकों ने इस प्रस्ताव पर सहमति जताई। वित्त मंत्री राधा कृष्ण किशोर ने बताया कि इस योजना को आगामी बजट में शामिल किया जाएगा, ताकि इसे व्यवस्थित रूप से लागू किया जा सके।

लोक भवन उद्यान में उमड़ी भारी भीड़, एक दिन में 1,18,471 लोगों ने किया भ्रमण

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : राज्यपाल महोदय के निदेश पर लोक भवन, रांची उद्यान को आम नागरिकों के भ्रमण एवं परिदर्शन हेतु 2 फरवरी से 8 फरवरी, 2026 तक खोला गया है। आज 118471 लोगों ने लोक भवन उद्यान का भ्रमण एवं परिदर्शन किया। राज्यपाल महोदय ने स्वयं लोक भवन उद्यान का भ्रमण कर समुचित व्यवस्था का निरीक्षण किया तथा लोगों के उद्यान के प्रति राय भी प्राप्त किये। विदित हो कि उद्यान भ्रमण का समय पूर्वाह्न 10 बजे से अपराह्न 3 बजे तक है। लोक भवन उद्यान का भ्रमण करने हेतु इच्छुक व्यक्ति लोक भवन के गेट संख्या 2 से सुरक्षा जांचोपरांत 1 बजे अपराह्न तक आ सकते हैं।

शिल्पी नेहा तिर्की ने बेड़ो में स्वास्थ्य केंद्र और पंचायत सचिवालय भवन का किया शिलान्यास

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : झारखंड की कृषि, पशुपालन एवं सहकारिता मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की ने शनिवार को बेड़ो प्रखंड के तुको और नरकोपी में प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र तथा तुतलो में पंचायत सचिवालय भवन का शिलान्यास किया। इस अवसर पर मंत्री ने कहा कि मांडर विधानसभा क्षेत्र में निरंतर विकास कार्य हो रहे हैं। सरकार जनता की मांग और जरूरत के अनुसार योजनाओं का चयन पूरी पारदर्शिता और ईमानदारी से कर रही है, जिससे कि अधिक से अधिक किसानों को लाभ मिल सके। उन्होंने संवेदकों को निर्माण कार्य में गुणवत्ता का विशेष ध्यान रखने का निर्देश दिया। मंत्री तिर्की ने बताया कि कृषि विभाग किसानों के हित में अनेक योजनाएं संचालित कर रहा है। सिंचाई के लिए सोलर पंप, पशुपालन के लिए गाय-बकरी वितरण, मत्स्य पालन को बढ़ावा और सब्सिडी पर ट्रैक्टर वितरण जैसी योजनाओं से ग्रामीण किसानों को सीधा लाभ मिल रहा है। उन्होंने कहा कि अब महिलाएं भी ट्रैक्टर सब्सिडी योजना का लाभ उठा रही हैं। उन्होंने कहा कि आधुनिक खेती के प्रशिक्षण के लिए किसानों के पास राज्य के भीतर और बाहर प्रशिक्षण लेने का विकल्प उपलब्ध है। विभाग किसानों को हर संभव सहयोग देने के लिए तत्पर है। कार्यक्रम में बेड़ो उप प्रमुख मुद्दसिर हक, जिला परिषद सदस्य बेरिनिका उरांव, मोहम्मद फहीम, शंभू बैठा, मीर मुस्लिम, माधुरी उरांव, नसीमा खातून, बबलू सहित अन्य लोग उपस्थित थे।

संत माईकल +2 स्कूल, मुरी में वार्षिक खेलकूद प्रतियोगिता का हुआ आयोजन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

सिल्ली : मुरी संत माईकल +2 स्कूल, मुरी में शनिवार को वार्षिक खेलकूद प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता में 200 मीटर दौड़, 100 मीटर दौड़, बौरा रेस, जलेवी रेस, बैलून पंक्चर रेस, रिले रेस, बनाना रेस, स्पून मार्बल रेस, पॉट वेलेंसिंग रेस, स्लो साईकिल रेस, पिक एंड रन रेस, वॉली वाल, खो - खो, कब्बडी, शार्टपुट इत्यादि प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में प्रथम , द्वितीय व तृतीय स्थान पर आने वाले विजेता प्रतिभागियों को मेडल, प्राइज एवं प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। इस वार्षिक खेलकूद प्रतियोगिता के मुख्य अतिथि वुशु ऐशोसीएशन के चेयरमैन चंचल भट्टाचार्य उपस्थित थे साथ ही विशिष्ट अतिथि में झारखंड ओलम्पिक ऐशोसीएशन के कोषाध्यक्ष शिवेंद्रनाथ दुबे, बिरसा आर्चरी कोच प्रकाश राम, झारखंड वुशु के मुख्य कोच दीपक गोप उपस्थित थे। मुख्य अतिथि ने मशाल प्रज्ज्वलित कर प्रतियोगिता का उद्घाटन किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि जीवन में पढ़ाई के साथ साथ खेल कूद का होना भी जरूरी है। खेल कूद से शरीर स्वास्थ्य बनता है साथ ही अनुशासन की भावना का विकास होता है। विशेष आमंत्रित में विद्यालय के प्रेसिडेंट शोभा देवी, जिला परिषद सदस्य गोला पूर्वी रामगढ़ सुश्री रेखा सोरेन, मुखिया बारलंगा कांति देवी, मनोज कुमार प्रजापति, सोनी देवी, मैडम लवली कुमारी, मैडम निक्की कुमारी उपस्थित थे। इस मौके पर विद्यालय के निर्देशक डॉ. राकेश कुमार, प्रबंधन डॉ. रूपेश कुमार, प्राचार्य श्री सी. एल. प्रजापति, सभी शिक्षकगण एवं छात्र छात्राएं उपस्थित थे।

देशव्यापी हड़ताल को लेकर तैयारी तेज, 12 फरवरी के लिए एचईसी मजदूरों से एकजुटता की अपील

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

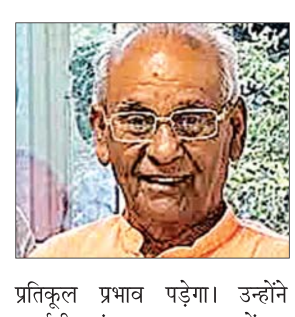

रांची : हटिया मजदूर यूनियन के अध्यक्ष भवन सिंह ने 12 फरवरी को प्रस्तावित देशव्यापी हड़ताल को सफल बनाने के लिए एचईसी मजदूरों से एकजुट होने की अपील की है। उन्होंने कहा कि यह हड़ताल केंद्र सरकार की मजदूर विरोधी नीतियों और चार श्रम संहिताओं के खिलाफ है। शनिवार को जारी प्रेस विज्ञप्ति में उन्होंने बताया कि 9 फरवरी को धनबाद में वार्ता होगी। इसके बाद 11 फरवरी को नेहरू पार्क और 12 फरवरी को एचईसी मुख्यालय के समक्ष प्रदर्शन किया जाएगा। उन्होंने मजदूरों से इन कार्यक्रमों में बड़ी संख्या में शामिल होने का आह्वान किया। भवन सिंह ने आरोप लगाया कि चारों श्रम संहिताएं मजदूरों के संघर्ष से मिले अधिकारों को कमजोर कर मालिकों के पक्ष में बनाई गई हैं, जिससे मजदूरों पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ेगा। उन्होंने एचईसी प्रबंधन पर श्रम कानूनों का पालन नहीं करने का भी आरोप लगाया। भवन सिंह ने कहा कि हर माह 7 तारीख तक वेतन भुगतान का कानूनी प्रावधान होने के बावजूद इसका पालन नहीं हो रहा है। वर्ष 2010 में सप्लाई और ठेका मजदूरों को 18 दिन वार्षिक अवकाश देने के समझौते का उल्लंघन किया गया। अर्जित अवकाश, बोनस भुगतान, न्यूनतम वेतन और ग्रेडेशन जैसे मामलों में भी प्रबंधन पर नियमों की अनदेखी का आरोप लगाया गया।

चुनाव प्रक्रिया के हर चरण की निगरानी रखें अधिकारी : डीसी

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : निकाय चुनाव-2026 के सफल, निष्पक्ष और शांतिपूर्ण संपन्न कराने को लेकर जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह उपायुक्त ने अभ्यर्थियों को चुनाव चिन्ह आवंटन होने के बाद समाहरणालय स्थित जी-14 सभागार में समीक्षा बैठक की। बैठक में सभी निवार्ची सह सहायक निवार्ची पदाधिकारियों सहित विभिन्न निर्वाचन कोषांगों के वरीय पदाधिकारी उपस्थित थे।

बैठक के दौरान जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह उपायुक्त ने चुनाव चिन्ह आवंटन की प्रक्रिया, मतदान और मतगणना की तैयारियों सहित निर्वाचन से जुड़े सभी कोषांगों के अब तक किए जा रहे कार्यों की समीक्षा की। उन्होंने निर्वाचन प्रक्रिया के प्रत्येक चरण पर सतत निगरानी रखने और सभी कार्यों को अत्यंत सावधानी और जिम्मेदारी के साथ संपादित करने का निर्देश दिया, ताकि किसी भी स्तर पर त्रुटि की संभावना न रहे। समय पर अपने दायित्वों का करें निर्वहन मौके पर भजन्त्री ने कहा कि चुनाव के दौरान झारखंड राज्य निर्वाचन की ओर से जारी दिशा-निर्देशों का अक्षरशः पालन करना बेहद जरूरी है। उन्होंने सभी पदाधिकारियों को आपसी समन्वय, समय पर कार्य निष्पादन और पारदर्शिता के साथ अपने दायित्वों के निर्वहन का निर्देश दिया। बैठक में ट्रांसपोर्ट नगर स्थित स्ट्रांग रूम और निर्धारित मतगणना स्थल पर की जा रही तैयारियों की भी समीक्षा की गई। जिला निर्वाचन पदाधिकारी मंजूनाथ भजंत्री की ओर से संबंधित पदाधिकारियों को सुरक्षा व्यवस्था, सामग्री प्रबंधन, आवागमन व्यवस्था सहित अन्य जरूरी बिंदुओं को लेकर जरूरी दिशा-निर्देश दिया गया। बैठक में निर्वाचन कोषांग, कार्मिक कोषांग, मतपत्र और मतपेटी कोषांग, सामग्री कोषांग, परिवहन कोषांग, विधि व्यवस्था-सह-आचार संहिता कोषांग, हेल्पलाइन और जनशिकायत कोषांग, प्रेक्षक कोषांग, प्रशिक्षण कोषांग, मीडिया कोषांग, निर्वाचन व्यय अनुश्रवण कोषांग, सूचना प्रौद्योगिकी कोषांग और नियंत्रण कोषांग के कार्यों की भी समीक्षा की गई। जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह उपायुक्त मंजूनाथ भजन्त्री ने सभी संबंधित पदाधिकारी और कोषांगों से निर्वाचन प्रक्रिया को पूर्णतः पारदर्शी, निष्पक्ष और शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने के लिए पूरी प्रतिबद्धता के साथ कार्य करने का निर्देश दिया गया।

संक्षिप्त खबरें

हरमू रोड में गूंजे जयकारे, 188वां श्री श्याम भंडारा श्रद्धा और भक्ति के साथ संपन्न

रांची : 188 वा श्री श्याम भंडारा श्री श्याम मित्र मंडल द्वारा हरमू रोड के श्री श्याम मंदिर में आज 188 वा श्री श्याम भंडारा का भव्य आयोजन किया गया। श्री श्याम मित्र मंडल के निवर्तमान अध्यक्ष सुरेश सरावगी अध्यक्ष गोपाल मुरारका महामंत्री गौरव अग्रवाल वरिष्ठ कार्यकारणी सदस्य श्यामसुंदर शर्मा राज्यसभा के पूर्व सांसद अजय मारू कल्पना मारू ने संयुक्त रूप से श्री श्याम भोग का भजन गायन किया। मंदिर में उपस्थित सैकड़ो भक्तों ने आओ आओ भोग लगाओ बाबा श्याम जी रुच रुच भोग लगाओ बाबा श्याम जी के स्वर में स्वर मिलाकर भक्ति भावना से ओत प्रोत होकर ठाकुर जी से भोग स्वीकार करने का अनुरोध किया। खाटूनरेश बजरंगबली शिव परिवार लड्डू गोपाल जी शालिग्राम जी गरुड़ जी गुरुजनों का भोग लगाकर महाप्रसाद को विशाल भंडारे में मिश्रित किया गया। अजय मारू कल्पना मारू ने सर्वप्रथम मंदिर के आचार्यों को भोग प्रसाद खिलाकर आशीर्वाद प्राप्त किया। श्री श्याम भंडारे का प्रसाद मंदिर परिसर में निर्वतमान अध्यक्ष सुरेश सरावगी की देख रेख में शुद्धता के साथ निर्मित किया गया था। भंडारे का समय होते-होते श्री श्याम मंदिर परिसर भक्तों से भर गया एवं हरमू रोड में भक्तजनों की लंबी-लंबी कतारें लग गई। खाटूनरेश की जय जयकारों से पूरा हरमू रोड गूंज रहा था। प्रथम देव श्री गणेश जी महाराज की जय जयकारों के बीच श्री श्याम भंडारे का प्रसाद वितरण प्रारंभ किया गया।

सेंट्रल बैंक ने एमएसएमई क्षेत्र को दी मजबूती रांची में 131 करोड़ रुपये के ऋण स्वीकृत

रांची : सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया द्वारा शनिवार को देशव्यापी एमएसएमई क्रेडिट आउटरीच अभियान के तहत रांची में भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता बैंक के क्षेत्रीय प्रमुख, रांची आर.सी. गोयल ने की। इस दौरान एमएसएमई क्षेत्र के लाभार्थियों को कुल 131 करोड़ रुपये के ऋण स्वीकृति पत्र वितरित किए गए। मौके पर आर.सी. गोयल ने कहा कि देश की अर्थव्यवस्था को सशक्त बनाने और बड़े पैमाने पर रोजगार सृजन में एमएसएमई क्षेत्र की महत्वपूर्ण भूमिका है। सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया इस क्षेत्र के समग्र विकास के लिए निरंतर वित्तीय सहयोग और सहायता प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है। कार्यक्रम के दौरान बैंक अधिकारियों ने एमएसएमई से संबंधित विभिन्न ऋण योजनाओं और बैंकिंग उत्पादों की जानकारी पीपीटी प्रस्तुति के माध्यम से दी। साथ ही उपस्थित लाभार्थियों की जिज्ञासाओं का समाधान भी किया गया। लाभार्थियों ने बैंक की इस पहल की सराहना करते हुए इसे उद्योग और उद्यमियों के लिए बेहद उपयोगी बताया। इस कार्यक्रम में रांची एवं आसपास के जिलों से 70 से अधिक एमएसएमई ऋण लाभार्थी तथा बैंक के अधिकारी और पदाधिकारी उपस्थित रहे।

रांची पुलिस की बड़ी कार्रवाईः अनगड़ा में अवैध हथियार फैक्ट्री का भंडाफोड़, 1 अरेस्ट

रांची : राजधानी रांची में अपराध नियंत्रण की दिशा में पुलिस को एक बड़ी सफलता हाथ लगी है। एसएसपी राकेश रंजन को मिली गुप्त सूचना के आधार पर पुलिस ने अनगड़ा थाना क्षेत्र के सीताडीह गांव में संचालित हो रही एक अवैध हथियार फैक्ट्री का खुलासा किया है। इस छापेमारी में पुलिस ने भारी मात्रा में बने और अर्धनिर्मित हथियारों के साथ एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। गुप्त सूचना पर हुई छापेमारीरांची के ग्रामीण एसपी प्रवीन पुष्कर ने शनिवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस कर मामले की पूरी जानकारी दी। उन्होंने बताया कि पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी कि अनगड़ा के सीताडीह गांव में एक व्यक्ति अपने घर के भीतर अवैध रूप से हथियारों का निर्माण कर रहा है और उन्हें बाजार में खपाने की तैयारी में है। सूचना की गंभीरता को देखते हुए एसएसपी के निर्देश पर एक विशेष टीम का गठन किया गया। टीम ने त्वरित कार्रवाई करते हुए संदिग्ध ठिकाने पर दबिश दी। शौचालय के नीचे छिपाया था हथियार छापेमारी के दौरान पुलिस तब हैरान रह गई जब आरोपी के घर की तलाशी ली गई। आरोपी नारायण लोहरा ने पुलिस से बचने के लिए हथियारों को घर के पीछे बने शौचालय के नीचे छिपाकर रखा था। सघन तलाशी के बाद पुलिस ने वहां से हथियारों का जखीरा और उसे बनाने के उपकरण बरामद किए। 10 से 15 हजार में होती थी डील पूछताछ में यह बात सामने आई है कि पकड़ा गया आरोपी इन देसी हथियारों को अपराधियों और असामाजिक तत्वों को 10,000 से 15,000 रुपये में बेचा करता था।

सरकार भ्रष्ट और वादाखिलाफी की प्रतीकः आदित्य साहू

रांची : झारखंड में भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष एवं राज्यसभा सांसद आदित्य साहू ने राज्य की हेमंत सोरेन सरकार पर आरोप लगाया कि सरकार पिछले छह वर्षों से जनता को धोखा दे रही है और पूरी तरह भ्रष्टाचार में लिप्त है। शनिवार को चतरा और रामगढ़ में आयोजित कार्यकर्ता सम्मेलनों को संबोधित करते हुए आदित्य साहू ने कहा कि राज्य के आदिवासी, दलित और पिछड़े समाज के लोग खुद को ठगा और प्रताड़ित महसूस कर रहे हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि राज्य में उद्योग-धंधे बंद हो रहे हैं, उद्योगपति और व्यापारी असुरक्षित महसूस कर रहे हैं तथा फिरौती और धमकी की घटनाएं बढ़ी हैं। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि व्यापारी वर्ग अपराधियों से परेशान है, जबकि मुख्यमंत्री व्यापारियों को अपमानित करने में लगे हैं। किसानों के मुद्दे पर साहू ने कहा कि राज्य सरकार ने 3200 रुपये प्रति क्विंटल धान खरीद का वादा किया था, जो पूरी तरह विफल साबित हुआ। किसान आज भी दलालों और बिचौलियों के माध्यम से धान बेचने को मजबूर हैं।

एक नजर

सत्र 2026-27 हेतु केजीबीवी जलडेगा में प्रवेश प्रक्रिया शुरू

जलडेगा : प्रखंड अंतर्गत कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय, जलडेगा में शैक्षणिक सत्र 2026–27 के लिए नामांकन प्रक्रिया शुरूआत कर दी गई है। यह नामांकन कक्षा VI, VII, VIII एवं IX में कोटिवार छात्राओं के लिए किया जा रहा है। विद्यालय प्रबंधन से प्राप्त जानकारी के अनुसार नामांकन के अंतर्गत अनाथ, एकल अभिभावक की संतान, गरीबी रेखा से नीचे जीवन यापन करने वाली, आदिम जनजाति की बच्चियाँ तथा वे छात्राएँ जो किसी कारणवश शिक्षा से वंचित रह गई हैं या पढ़ाई छोड़ चुकी हैं, उन्हें प्राथमिकता दी जाएगी। नामांकन हेतु इच्छुक छात्राओं के लिए यह आवश्यक होगा कि उनके आवेदन पत्र माता समिति पोषक क्षेत्र के विद्यालय द्वारा अनुशंसित हों। सभी संबंधित आवेदन पत्र विद्यालय में निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार जमा किए जाएंगे। विद्यालय प्रबंधन समिति ने अभिभावकों से अपील की है कि वे पात्र बच्चियों का समय पर नामांकन कराएं और अच्छी शिक्षा का लाभ उठाएं।

सिमडेगा नगर परिषद चुनाव में आठ दावेदारों को मिले चुनाव चिह्न

सिमडेगा : नगर परिषद क्षेत्र में आयोजित होने वाले नगरपालिका आम निर्वाचन–2026 को लेकर निर्वाचन प्रक्रिया के तहत अध्यक्ष पद के अभ्यर्थियों की सूची जारी कर दी गई है। निर्वाचन कार्यालय द्वारा जारी सूची के अनुसार अध्यक्ष पद के लिए कुल आठ प्रत्याशी चुनाव मैदान में हैं। सभी अभ्यर्थियों को नियमानुसार उनके–उनके चुनाव चिह्न आवंटित कर दिए गए हैं, जिसके बाद चुनावी गतिविधियों में तेजी आ गई है। निर्वाचन विभाग से प्राप्त जानकारी के अनुसार अनिल कुमार तिर्की को एयर कंडीशनर, एडवीन जॉन बिलुंग को छड़ी, ओलिवर लकड़ा को चूड़ियां, पुष्पा कुल्लु को बैटरी टॉर्च, फुलसुन्दरी देवी को बेंच, मंजु लकड़ा को बिस्कुट, रामविलास बड़ाईक को बक्सा तथा सेराफिनुस कुल्लू को ईंट चुनाव चिह्न आवंटित किया गया है। चुनाव चिह्न आवंटन के साथ ही प्रत्याशियों द्वारा जनसंपर्क एवं प्रचार–प्रसार की तैयारियां तेज कर दी गई हैं। नगर परिषद क्षेत्र में चुनाव को लेकर राजनीतिक सरगर्मी बढ़ती नजर आ रही है। वहीं, प्रशासन की ओर से शांतिपूर्ण, निष्पक्ष एवं पारदर्शी चुनाव संपन्न कराने के लिए सभी आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित की जा रही हैं। अधिकारियों ने बताया कि निर्वाचन की संपूर्ण प्रक्रिया राज्य निर्वाचन आयोग के दिशा–निर्देशों के अनुरूप संचालित की जा रही है।

दशम वर्ग के विद्यार्थियों को दी गई विदाई

जयनगर : समारोह आयोजन कर सीबीएसई से संचालित विद्यालय आदर्श शिशु प्लस टू उच्च विद्यालय बाघमारा के दशम वर्ग के विद्यार्थियों का विदाई दिया गया। विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए विद्यालय के प्राचार्य प्रोफेसर दशरथ प्रसाद राणा ने कहा कि निश्चित तौर पर विद्यार्थी देश के भविष्य होते हैं और उन्हें बेहतर करने के लिए विद्यालय से विदाई दी जा रही है ताकि वह मैट्रिक परीक्षा में बेहतर प्रदर्शन कर विद्यालय ही नहीं संपूर्ण जिले का नाम रोशन करें । उन्होंने कहा आज के बच्चे कल के भविष्य हैं। निदेशक रामदेव प्रसाद यादव ने कहा कि वास्तविक तौर पर यह विद्यालय पूरे क्षेत्र में बेहतर रिजल्ट के लिए जाना जाता है यहां के विद्यार्थी निश्चित तौर पर आने वाले परीक्षा में बेहतर करेंगे। विद्यालय खुलने से लेकर आज तक यहां के विद्यार्थियों के द्वारा बोर्ड परीक्षा में बेहतर प्रदर्शन की जाने की परंपरा रही है निश्चित तौर पर 2026 के परीक्षा में विद्यार्थी बेहतर प्रदर्शन का जिले में ही नहीं बल्कि राज्य में परचम लहराने का काम करेंगे।

एनएच-320जी निर्माण में भारी अनियमितता, निरीक्षण के दौरान बिफरे विधायक

केंद्र सरकार की परियोजना धरातल पर फेल सेटेलाइट निगरानी सिर्फ दिखावा : विधायक

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

कोलेबिरा : प्रखंड से मनोहरपुर तक निर्माणाधीन राष्ट्रीय राजमार्ग एनएच-320जी के कार्य में भारी अनियमितता और लापरवाही को लेकर कोलेबिरा विधायक नमन बिक्सल कोनगाड़ी ने तीखी नाराजगी जाहिर की है। सड़क एवं नाली निर्माण कार्य का निरीक्षण करने के बाद विधायक ने निर्माण एजेंसी, एनएच के इंजीनियरों और केंद्र सरकार पर गंभीर आरोप लगाए। विधायक ने कहा कि केंद्र सरकार की यह महत्वाकांक्षी परियोजना धरातल पर पूरी तरह विफल साबित हो रही है तीन वर्षों से लगभग 85 किलोमीटर सड़क निर्माण कार्य अटका हुआ है,जबकि अब तक 20 किलोमीटर सड़क भी पूरी नहीं हो सकी है। इस लापरवाही के कारण अब तक दर्जनों लोगों की सड़क दुर्घटनाओं में जान जा चुकी है, वहीं पिछले सप्ताह ही तीन लोगों की मौत हो चुकी है। निरीक्षण के दौरान विधायक कोनगाड़ी ने पाया कि सड़क को जगह-जगह उखाड़ दिया गया है,मिट्टी बिखरी हुई है और निर्माण एजेंसी द्वारा नियमित रूप से पानी का छिड़काव नहीं किया जा रहा है,जिससे दिनभर धूल उड़ती रहती है।धूल के कारण राहगीरों के स्वास्थ्य पर भारी असर पड़ रहा है। नाली निर्माण में भारी गड़बड़ी लचरागढ़ क्षेत्र में नाली निर्माण का निरीक्षण करते हुए विधायक ने कहा कि नाली का लेवल कहीं ऊपर तो कहीं नीचे है।सड़क से नाली में पानी निकासी के लिए, बनाए गए हॉल सड़क से एक-डेढ़ फीट ऊपर हैं,जिससे सड़क का पानी किसी भी स्थिति में नाली में नहीं जा सकेगा। आने वाले समय में इससे सड़क के बीचों-बीच जलजमाव की गंभीर समस्या उत्पन्न होगी। एनएच के इंजीनियर अंधे हैं, विधायक नमन बिक्सल कोनगाड़ी ने तीखे शब्दों में कहा, एनएच के इंजीनियर अंधे हैं। ये लोग सिर्फ सरकारी पैसे की बंदरबांट कर रहे हैं।कागजों में सड़क बन रही है, जमीन पर सिर्फ लूट दिखाई दे रही है। उन्होंने केंद्र सरकार के सेटेलाइट से निगरानी के दावों पर भी सवाल उठाते हुए कहा कि यह सिर्फ जनता को गुमराह करने का प्रयास है। पेड़ नहीं काटे जाने से बढ़ी दुर्घटनाएं, विधायक ने बताया कि सड़क किनारे आज भी पेड़ खड़े हैं, जिन्हें अब तक नहीं हटाया गया है।सड़क पर पेड़ मौजूद होने के कारण दुर्घटना की संभावना बनी हुई है,लेकिन संवेदक और विभाग द्वारा कोई पहल नहीं की जा रही है। सदन में उठेगा मुद्दा, मुआवजे की मांग, विधायक ने कहा कि वे इस मुद्दे को आगामी झारखंड विधानसभा सत्र में प्रमुखता से उठाएंगे। उन्होंने कहा कि सड़क निर्माण कार्य प्रारंभ होने के दरमियान ही उन्होंने सड़क राजमार्ग परिवहन मंत्री नितिन गडकरी और उनके सेक्रेटरी को पत्राचार कर बेहतर सड़क निर्माण कार्य करने की मांग की थी अब फिर से सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी और उनके सचिव को पुनः पत्राचार करेंगे। उन्होंने मांग की कि सड़क दुर्घटनाओं में मारे गए लोगों के परिजनों को राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण द्वारा उचित मुआवजा दिया जाए और लापरवाह एजेंसियों व अधिकारियों पर मुकदमा दर्ज किया जाए। विधायक ने कहा, विकास के नाम पर सिर्फ शोषण हो रहा है।

स्वयं सहायता समूह की कृषि दीदियों को मिला उन्नत कृषि तकनीक का प्रशिक्षण

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

कोडरमा : सतगावां प्रखंड के अंतर्गत खुट्टा क्लस्टर कार्यालय में स्वयं सहायता समूह की कृषि दीदियों के लिए उन्नत कृषि तकनीक पर विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम प्रखंड प्रभारी तकनीकी प्रबंधक एवं झारखंड स्टेट लाइवलीहुड प्रमोशन सोसाइटी के संयुक्त सहयोग से संपन्न हुआ। कार्यक्रम के दौरान जेएसएलपीएस के प्रखंड कार्यक्रम प्रबंधक सुधीर कुमार एवं आईएफसी एंकर उत्तम कुमार ने कृषि दीदियों को IFFCO नैनो यूरिया, महानीम तथा सागा पेस्टिसाइड के उपयोग, इसके लाभ और सही छिड़काव विधि की विस्तृत जानकारी दी। प्रशिक्षण का मुख्य उद्देश्य कृषि दीदियों को आधुनिक एवं टिकाऊ कृषि पद्धतियों से जोड़ना तथा कम लागत में अधिक उत्पादन के लिए जागरूक करना रहा। इस दौरान फसलों की बेहतर वृद्धि, रोग-कीट नियंत्रण एवं उत्पादन बढ़ाने से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारियाँ साझा की गईं। इस पहल से कृषि दीदियों को वैज्ञानिक कृषि तकनीकों को अपनाने में सहायता मिलेगी, जिससे भविष्य में उनकी कृषि उत्पादकता और आय में वृद्धि होने की संभावना है।

विभिन्न बालू घाटों में अवैध रूप से बालु का उत्खनन का कार्य बेखौप जारी है प्रशासन मौन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

मरकच्चो : मरकच्चो नवलशाही थाना क्षेत्र अंतर्गत विभिन्न बालू घाटों में अवैध रूप से बालु का उत्खनन का कार्य बेखौफ जारी है नीमाडीह के सकरी बालू घाट व नीमाडीह स्थित केशो बालू घाट मसमोहना, कुण्डीधनवार बालु घाट व मरकच्चो थाना क्षेत्र के बराकर नदी, दशारो, चोपनाडीह, बांसडीह बालु घाटों से इन दिनों दिन रात बालु का अवैध रूप से उठाव जारी है।और अवैध रूप से बालु ढुलाई को जानते हुए भी प्रशासन अनजान बनी हुई है। जानकारी के अनुसार इन घाटों से बालु का उठाव कर कोडरमा,डोमचांच, जैसे जगहों में आपूर्ति की जाती है, वही नवलशाही के मारुति चौक स्थित बिजली खंभे के फैक्ट्री में ऊंचे दामों पर बिना चालान के आपूर्ति की जाती है। बालु उत्खनन से लेकर परिवहन तक बालु माफियाओं के द्वारा बाइक से सघन रेकी की जाती है, जिससे वरीय पदाधिकारियों की आने की भनक लगते ही बालु लदे वाहन को बालु घाट से हटा लेते हैं या दूसरे रास्ते से भगा देते हैं। आश्चर्य की बात है की बालु लदे वाहन मरकच्चो थाना भवन व प्रखंड मुख्यालय से होकर गुजरती है जहां पुलिस प्रशासन व वरीय पदाधिकारियों की तैनाती होती है उसके बावजूद भी इस धंधे में बालु माफिया बेखौफ होकर दिन-रात बालु उत्खनन का कार्य कर रहे हैं। एक ओर जहां बालु उत्खनन से नदियों का अस्तित्व खतरे मे है वहीं जलस्तर नीचे की ओर जा रही है। बालु तस्कर दिन-रात बालु का उत्खनन कर सरकार को लाखों रूपए राजस्व का चूना लगा रहे हैं। अगर ऐसे धंधेबाजो पर नकेल नहीं कसा गया तो आने वाले समय में यहां के स्थानीय लोगों को बालु के लिए, काफी परेशानी झेलनी पड़ सकती है।

विधायक नीरा यादव ने बन्दना स्वीट्स की नई शाखा का किया उद्घाटन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

झुमरी तिलैया : शहर के रांची-पटना रोड स्थित बन्दना स्वीट्स (वातानुकूल) का नई साज सज्जा के साथ पुनः शुभारम्भ विधायक नीरा यादव ने किया। साथ ही स्वीट्स काउंटर में दिखने वाले सामग्रियों का बारकोड के जरिए कंप्यूटराइज भी की शुरूआत भी हुई। बन्दना स्वीट्स के संचालक कैलाश चौधरी, अंकित चौधरी एवं केशव चौधरी ने बताया कि शहर के लोगों को अब सुबह में साउथ इंडियन भोजन के साथ-साथ कोलकाता के क्लब कचौड़ी एवं जलेबी भी उपलब्ध कराई जाएगी. साथ ही दिन 11 बजे से रात्रि 10 बजे तक थाली सर्विस की भी व्यवस्था की गई है। इसमें 240 रुपए में 8 सामग्री एवं 180 रुपए में पांच सामग्री जिसमें दोनों में रोटी और चावल के अलावा अन्य खाद्य सामग्रियों का लुत्फ उठा सकेंगे। दिल्ली की तर्ज पर गोलगप्पा भी उपलब्ध होगा। साथ ही लजीज चाट का भी लोग लुफ्त उठा सकेंगे यहाँ पर करीब 20 लोगों के लिए एक वातानुकूल केबिन की भी व्यवस्था की गई है जहां लोग किटी पार्टी और जन्मदिन भी मना सकते हैं। जबकि होल में एक साथ 70 से 80 लोगों के बैठने की व्यवस्था है। सुभारम्भ के मौके पर शहर के कई गणमान्य एवं विभिन्न संगठनों के लोग उपस्थित थे। इसमें चेंबर ऑफ कॉमर्स के अध्यक्ष प्रदीप केड़िया के अलावा विनोद बजाज, मनोज केडिया, गोपाल बगड़िया, अमित अग्रवाल, प्रवीण सूखनी, अरुण पिलानिया, श्याम सुन्दर सिंघानिया, मनीष पेड़ीवाल, मनीष कपसीमें, महेश दारूका, संतोष सिन्हा, राजेंद्र मोदी, विकाश सेठ अविनाश सेठ, अरुण ओझा,रितु सेठ, रितेश दुग्गड,अंजना केडिया, गोपी अग्रवाल,मनोज केडिया, संजीव अग्रवाल, नवीन जैन पिंकी जैन,नवीन पांड्या अग्रवाल समाज के सचिव संजीव खेतान रोटरी क्लब के सदस्यों सहित कई सामाजिक, धार्मिक, स्वयंसेवक संगठनों से जुड़े हुए लोग मौजूद थे।

केतुंगा धाम में तीन दिवसीय भव्य महाशिवरात्रि महोत्सव की तैयारी तेज

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बानो : आगामी महाशिवरात्रि को लेकर केतुंगा धाम में तैयारियाँ तेज हो गई हैं। इस वर्ष महाशिवरात्रि महोत्सव को भव्य रूप देने के उद्देश्य से केतुंगा न्यास समिति की एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई, जिसमें 14 से 16 फरवरी 2026 तक तीन दिवसीय आयोजन करने का सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया। महोत्सव की शुरूआत 14 फरवरी को भव्य कलश यात्रा से होगी। सैकड़ों महिलाएं और कन्याएं पारंपरिक वेशभूषा में पवित्र जल लेकर मंदिर परिसर पहुंचेंगी। इसी दिन प्रदोष व्रत अधिवास के साथ क्षेत्रीय मेले का उद्घाटन किया जाएगा। 15 फरवरी को महाशिवरात्रि के मुख्य पर्व पर भोर से ही मंदिर के कपाट श्रद्धालुओं के लिए खोल दिए जाएंगे। इस दिन अखंड नाम यज्ञ, चतुर्दश लिंग पूजा, काशी विश्वनाथ दर्शन और वैद्यनाथ जयंती सहित चारों प्रहर की विशेष पूजा संपन्न होगी। रात्रि में सांस्कृतिक कार्यक्रम भी आयोजित किए जाएंगे।16 फरवरी को अखंड नाम यज्ञ की पूर्णाहुति के बाद विशाल भंडारे का आयोजन किया जाएगा।श्रद्धालुओं की सुविधा हेतु पेयजल, प्राथमिक चिकित्सा, प्रकाश, सफाई और सुरक्षा की विशेष व्यवस्था की जाएगी। समिति ने प्रशासनिक सहयोग से भीड़ और यातायात प्रबंधन सुनिश्चित करने का निर्णय लिया है। न्यास समिति ने क्षेत्रवासियों से महोत्सव को सफल बनाने की अपील की है।

केवल सत्ता पाने और अपने भ्रष्टाचार को छिपाने के सिद्धांत पर काम करती है भाजपा : भूषण बाड़ा

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

सिमडेगा : विधानसभा क्षेत्र के पालकोट प्रखंड अंतर्गत कुल्लुकेरा पंचायत स्थित पानीसानी डैम तट पर कांग्रेस कमेटी द्वारा आयोजित वन भोज सह मिलन समारोह एक जनसभा में तब्दील हो गया। इस दौरान उमड़े जनसैलाब ने न केवल कांग्रेस की एकजुटता का परिचय दिया बल्कि विपक्षी खेमे में खलबली मचा दी। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में सिमडेगा विधायक भूषण बाड़ा और विशिष्ट अतिथि के रूप में सिमडेगा महिला जिला अध्यक्ष सह जिप सदस्य जोसिमा खाखा ने कार्यकर्ताओं में नए जोश का संचार किया। मौके पर विधायक भूषण बाड़ा ने भाजपा की नीतियों पर अब तक का सबसे तीखा हमला बोला। उन्होंने कहा कि भाजपा के नाम का उपयोग केवल सत्ता पाने और अपने भ्रष्टाचार को छिपाने के लिए कर रही है। विधायक ने तंज कसते हुए कहा कि भाजपा ने मनरेगा योजनाओं का नाम बदलकर उसमें जी राम जी का नाम जोड़ दिया है। यह आस्था का सम्मान नहीं, एक सोची-समझी साजिश है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस शोर मचाने में नहीं, काम करने में विश्वास रखती है। रामरेखा धाम को राजकीय महोत्सव का दर्जा दिलाना, शंख छठ घाट तक पक्की सड़क बनवाना और गोबर सिल्ली पहाड़ का कायाकल्प करना इस बात का सबूत है कि हम भगवान के नाम का व्यापार नहीं करते। बल्कि उनके भक्तों की सेवा करते हैं। भाजपा वाले सिर्फ ट्विटर पर विकास की बातें करते हैं, जबकि हमने ने श्रद्धालुओं के लिए मंदिरों, मस्जिद, चर्च तक पक्की सड़कें पहुंचाई हैं। विधायक ने कहा कि आज जो सैकड़ों लोग दूसरी पार्टियों को छोड़कर हमारे परिवार में शामिल हुए हैं, यह इस बात का प्रमाण है कि हवा का रुख बदल चुका है। आने वाला समय कांग्रेस का है, विकास का है। समारोह में जिप सदस्य और महिला जिला अध्यक्ष जोसिमा खाखा ने अपने भाषण से समा बांध दिया। उन्होंने विरोधियों को ललकारते हुए कहा कि पालकोट और सिमडेगा की जनता अब जाग चुकी है। जोसिमा खाखा ने गरजते हुए कहा कि विरोधी कान खोलकर सुन लें अब भोली-भाली जनता को गुमराह करने का खेल खत्म हो चुका है। जो लोग चुनाव के समय बरसाती मेंढक की तरह निकलते हैं और धर्म के नाम पर भाई को भाई से लड़ाते हैं।

संक्षिप्त खबरें

तोरपा की जर्जर सड़कों के निर्माण को लेकर विधायक सुदीप गुड़िया की तेज पहल

सिमडेगा : शनिवार को झारखण्ड मंत्रालय में पथ निर्माण विभाग के अभियंता प्रमुख से विधायक सुदीप गुड़िया ने शिष्टाचार मुलाकात कर तोरपा विधानसभा क्षेत्र अंतर्गत विभिन्न जर्जर, लंबित एवं प्रस्तावित पथों के निर्माण, सुदृढ़ीकरण तथा शीघ्र स्वीकृति को लेकर विस्तृत चर्चा की। बैठक के दौरान माननीय विधायक ने क्षेत्र की प्रमुख सड़कों की वर्तमान स्थिति से अवगत कराते हुए उनके पुनर्निर्माण एवं उन्नयन की आवश्यकता पर बल दिया, ताकि ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों के आमजन को सुगम एवं सुरक्षित आवागमन की बेहतर सुविधा उपलब्ध हो सके। साथ ही जनहित से जुड़ी पथ योजनाओं को प्राथमिकता के आधार पर स्वीकृत कर शीघ्र धरातल पर उतारने का आग्रह किया। विधायक सुदीप गुड़िया ने कहा कि तोरपा विधानसभा क्षेत्र का सर्वांगीण विकास उनकी सर्वोच्च प्राथमिकता है तथा सड़क संपर्क को सुदृढ़ बनाने हेतु वे निरंतर प्रयासरत हैं। विभागीय स्तर पर सकारात्मक पहल का आश्वासन प्राप्त हुआ है, जिससे क्षेत्रवासियों को निकट भविष्य में बेहतर सड़क सुविधाओं का लाभ मिलने की उम्मीद है।

बसंत ऑनलाइन सेंटर में एयरटेल पेमेंट बैंक सेवा केंद्र का हुआ शुभारंभ

कोलेबिरा : स्थानीय क्षेत्र के ग्रामीणों को बैंकिंग सेवाओं के लिए अब कहीं नहीं भटकना होगा। कोलेबिरा स्थित 'बसंत ऑनलाइन सेंटर' में एयरटेल पेमेंट बैंक के नए सेवा केंद्र का विधिवत शुभारंभ किया गया है। इस केंद्र के खुलने से स्थानीय ग्राहकों में काफी उत्साह देखा जा रहा है। एक ही छत के नीचे मिलेंगी कई सुविधाएं बसंत ऑनलाइन सेंटर के संचालक ने बताया कि इस सेवा केंद्र का मुख्य उद्देश्य ग्रामीणों को डिजिटल बैंकिंग से जोड़ना और उनके समय की बचत करना है। अब ग्राहकों को हमारे यहां से कई महत्वपूर्ण सुविधाएं मिल सकेंगी। मुख्य सेवाएं जो अब उपलब्ध होंगी : पासबुक प्रिंटिंग: ग्राहक अब अपनी बैंक पासबुक को तुरंत प्रिंट करा सकेंगे। केवाईसी सुविधा: नया खाता खुलवाने या पुराने खाते की केवाईसी अपडेट कराने की सुविधा। मोबाइल अपडेट: बैंक खाते में मोबाइल नंबर लिंक या अपडेट करने का काम आसानी से होगा। नकद निकासी एवं जमा: आधार के माध्यम से पैसे निकालने और जमा करने की सुविधा। अन्य डिजिटल सेवाएं: बीमा, बिल भुगतान और रिचार्ज जैसी सेवाएं भी उपलब्ध रहेंगी। ग्रामीणों को मिलेगी राहत उद्घाटन के दौरान मौजूद लोगों ने कहा कि गांव में ही पासबुक प्रिंटिंग और केवाईसी जैसी सुविधाएं मिलने से बुजुर्गों और महिलाओं को सबसे ज्यादा फायदा होगा। अब बैंकिंग कार्यों के लिए लंबी लाइनों और यात्रा की थकान से मुक्ति मिलेगी।

राज इंटरनेशनल स्कूल में फायरलेस कुकिंग प्रतियोगिता का हुआ आयोजन

कोडरमा : राज इंटरनेशनल स्कूल कोडरमा में शनिवार को फायरलेस कुकिंग प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इसमें कक्षा पाँच से लेकर कक्षा अष्टम तक के 100 से ज्यादा छात्र–छात्राओं ने भाग लिया। बच्चों ने विभिन्न प्रकार के व्यंजन तैयार किये जो देखने में भी अत्यधिक आकर्षक व स्वाद में अत्यंत स्वादिष्ट थे। छात्रों ने कोल्ड कॉफी, भेलपुरी, आलू कट, आलूचाट, झाल मुरी, ओरियो शेक, डोसा चीज केक, मोजिटो, ब्रेड सैंडविच,ओरियो चीज शेक, फ्रूट सलाद, बर्गर, पापड़ी चाट, कॉकटेल , बुंडी रायता, ब्रेड रसमलाई विभिन्न प्रकार की शरबत आदि बनाकर अपनी प्रस्तुति दी। इस कार्यक्रम का निरीक्षण स्कूल के प्राचार्य राहुल घोष ईसीए प्रभारी उजाला रानी, आदित्य उपाध्याय के द्वारा किया गया। एक अनूठी फायरलेस कुकिंग (बिना आग के खाना पकाने) प्रतियोगिता ने युवा छात्रों के बीच जबरदस्त उत्साह पैदा कर दिया। यह प्रतियोगिता न केवल छात्र–छात्राओं को पोषण, स्वास्थ्य और रचनात्मकता के महत्व को सिखाने के लिये आयोजित की बल्कि उन्हें सुरक्षित तरीके से खाना तैयार करने की कला से भी परिचित कराया। रचनात्मकता का प्रदर्शन प्रतियोगिता में छात्रों को गैस या स्टोव का उपयोग किये बिना व्यंजन तैयार करने थे। विभिन्न छात्र–छात्राओं ने दही, फल,सब्जियां, अंकुर रित अनाज और ब्रेड जैसी सामग्रियों का उपयोग करके अपनी पाक कला का प्रदर्शन किया। व्यंजनों में फल और मेवे से बने सलाद,स्प्राउट्स चाट, सैंडविच और कस्टर्ड जैसी पौष्टिक और स्वादिष्ट चीजें शामिल थीं।

ग्रिजली कॉलेज ऑफ एजुकेशन का 17वां स्थापना दिवस मनाया गया

कोडरमा : ग्रिजली कॉलेज ऑफ एजुकेशन का 17वां स्थापना दिवस धूम धाम और हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। उक्त अवसर पर महाविद्यालय में हवन, पूजन, भजन कीर्तन एवं सुंदर कांड पाठ का सफल संचालन वरुण पंडित जी और अन्य पंडितों के द्वारा किया गया। जिसमें महाविद्यालय के सभी प्रशिक्षु एवं सभी सहायक प्राध्यापक और शिक्षणेतर कर्मचारी सहित सभी सहायक कर्मी उपस्थित हुए। पूजन कार्यक्रम के उपरांत प्रसाद वितरण एवं सामूहिक भोज का आयोजन किया गया। इस अवसर पर महाविद्यालय के चेयरमैन मनीष कुमार कपसिमें ने सभी को बधाई देते हुए महाविद्यालय की उज्जवल भविष्य की शुभकामनाएं दी। कार्यक्रम में महाविद्यालय के बी. एड . सत्र 2025–27 के सभी प्रशिक्षु समीना प्रवीण, पूनम कुमारी, हेमलता कुमारी, अंजली कुमारी, प्रिया सिंह, साक्षी कुमारी, प्रियंका कुमारी, निकिता कुमारी,किरण कुमारी, पूजा कुमारी, प्रियंका कुमारी, दीपक कुमार, बिनोद कुमार यादव, अंकित चंद्रा, लवजीत कुमार विश्वकर्मा, कुंदन कुमार, पवन कुमार पंडित, लोकेश कुमार, सागर कुमार दास, मनीष कुमार, निर्भय कुमार, एवं अन्य सहित सभी सहायक प्राध्यापक डॉ पूजा कुमारी, सौरभ शर्मा,डी एल एड विभागाध्यक्ष मनीष कुमार सिंह, समन्वयक खुशबू कुमारी सिन्हा, मनीष कुमार सिन्हा, संजीत कुमार, अनिल दास, सीताराम यादव एवं चुन्नु कुमार सहित सभी शिक्षकेतर कर्मचारी सुचित कुमार, दीपक कुमार पाण्डेय, आलम मुख्तार, सुधीर साव एवं विवेक कुमार आदि उपस्थित रहे।

केंद्रीय बजट 2026 'रिफॉर्म एक्सप्रेस', झारखंड के लिए विकास की नई रफ्तार : जुएल ओराम

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

जमशेदपुर : केंद्रीय जनजातीय मामलों के मंत्री जुएल ओराम ने शनिवार को केंद्रीय बजट 2026 को 'रिफॉर्म एक्सप्रेस' बताते हुए कहा कि वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण द्वारा प्रस्तुत किया गया केंद्रीय बजट बिना किसी भ्रम और लोकलुभावन वादों के, ठोस आर्थिक सुधारों और सतत विकास की दिशा तय करता है। जमशेदपुर के बिष्टुपुर स्थित एक होटल में आयोजित प्रेस वार्ता को संबोधित करते हुए केंद्रीय मंत्री जुएल ओराम ने कहा कि यह बजट ईज ऑफ लिविंग, ईज ऑफ डूइंग बिजनेस, रोजगार सृजन और उत्पादन वृद्धि पर केंद्रित है। इस दौरान जमशेदपुर के सांसद विद्युत वरण महतो, जमशेदपुर पूर्वी के विधायक पूर्णिमा साहू, भाजपा जमशेदपुर महानगर अध्यक्ष संजीव सिन्हा, जिला महामंत्री संजीव सिंह एवं जिला मीडिया प्रभारी प्रेम झा मौजूद रहे। प्रेस वार्ता को संबोधित करते हुए केंद्रीय मंत्री जुएल ओराम ने कहा कि देश के करीब 150 शहरों में केंद्रीय मंत्री और वरिष्ठ नेता बजट की जानकारी देने पहुंचे हैं और उन्हें जमशेदपुर आने का अवसर मिला, जिससे वे विशेष रूप से प्रसन्न हैं। उन्होंने जमशेदपुर-राउरकेला के ऐतिहासिक और औद्योगिक संबंधों का उल्लेख करते हुए कहा कि यह क्षेत्र देश के मैन्युफैक्चरिंग ग्रोथ में अहम भूमिका निभाता है। ओराम ने कहा कि यह बजट आर्थिक सुधार, स्थिरता और निरंतर विकास को सुनिश्चित करता है ताकि देश किसी भी प्रकार की आर्थिक मंदी से बचते हुए आगे बढ़े। बजट में युवा शक्ति, महिला शक्ति, गरीब, वंचित और जनजातीय समाज को सशक्त करने पर विशेष जोर दिया गया है। उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार ने सेमीकंडक्टर को गेम चेंजर मानते हुए इसके निर्माण पर अगले पांच वर्षों में 40,000 करोड़ रुपये और बायो-फार्मा एवं मेडिसिन सेक्टर में 10,000 करोड़ रुपये निवेश का प्रावधान किया है। इससे रक्षा, तकनीक और स्वास्थ्य क्षेत्र को नई मजबूती मिलेगी। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि जमशेदपुर जैसे औद्योगिक क्षेत्रों को इस बजट से बड़ा लाभ मिलेगा। मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर के लिए 10 हजार करोड़ रुपये, एमएसएमइ ग्रोथ फंड के लिए 10 हजार करोड़ रुपये, माइक्रो एंटरप्राइज के लिए 20 हजार करोड़ रुपये, टेक्सटाइल सेक्टर के लिए इंटीग्रेटेड प्रोसेसिंग एरिया, हाईटेक टूल रूम्स और मिनरल प्रोसेसिंग को बढ़ावा दिया जाएगा। इसके साथ ही, छोटे शहरों के विकास, ट्रैफिक, बिजली, इंटरनेट और शहरी सुविधाओं को मजबूत करने पर भी बजट में विशेष ध्यान दिया गया है। केंद्रीय मंत्री जुएल ओराम ने बताया कि पिछले 12 वर्षों में झारखंड को 4.18 लाख करोड़ रुपये से अधिक की वित्तीय सहायता दी गई है। 2026-27 में टैक्स डिवोल्यूशनः 51,236 करोड़ रुपये, 25-26 में ग्रांट 17,057 करोड़ रुपये, रेलवे बजटः 17,600 करोड़ रुपये से अधिक। 7 वंदे भारत ट्रेनें, 57 अमृत भारत स्टेशन, जिनमें टाटानगर, घाटशिला और चाईबासा शामिल, सड़क और परिवहन क्षेत्र में 3,633 किमी राष्ट्रीय राजमार्ग का निर्माण, रांची-कोलकाता ग्रीनफील्ड कॉरिडोर, 30,575 करोड़ रुपये की लागत से 1 हजार किमी हाईवे परियोजना प्रस्तावित है।

एक नजर

विद्या विहार पब्लिक स्कूल में वाद-विवाद प्रतियोगिता का हुआ आयोजन

खूंटी : विद्या विहार पब्लिक स्कूल तोरपा में शनिवार को विंग-वाइस इंटर हाउस वाद-विवाद और जस्ट ए मिनट प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में विद्यालय के विभिन्न हाउस के छात्र-छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए अपने विचारों का प्रभावी प्रदर्शन किया। जस्ट ए मिनट प्रतियोगिता में नर्सरी वर्ड विंग, फ्लावर विंग और फ्रेगरेंस विंग के प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया। इस स्पर्धा में विद्यार्थियों को एक विषय देकर उस पर एक मिनट तक निरंतर बोलना था। छात्रों ने सीमित समय में अपने विचारों को स्पष्ट, संक्षिप्त और प्रभावशाली ढंग से प्रस्तुत कर निर्णायकों को प्रभावित किया। वहीं वाद-विवाद प्रतियोगिता में फ्लावर विंग और फ्रेगरेंस विंग के प्रतिभागी शामिल हुए। फ्लावर विंग को सोशल मीडिया के फायदे और नुकसान विषय दिया गया, जबकि फ्रेगरेंस विंग को टेक्नोलॉजी लोगों को कम रचनात्मक बना रही है, विषय पर बच्चों ने पक्ष रखा। इस अवसर पर उप-प्रधानाध्यापक सेबेस्टियन धान ने सभी विजेताओं को बधाई देते हुए उनके उज्वल भविष्य की कामना की।

नर्मदेश्वर शिवलिंग प्राण प्रतिष्ठा समारोह संपन्न

खूंटी : तोरपा प्रखंड के बासकी गांव में तीन दिनों से चल रहा नर्मदेश्वर शिवलिंग प्राण प्रतिष्ठा समारोह शनिवार को पांच कुंडिया महायज्ञ की पूर्णाहुति के साथ विधिवत सम्पन्न हो गया। इस धार्मिक अनुष्ठान में गांव सहित आसपास के क्षेत्रों से पहुंचे सैकड़ों श्रद्धालुओं ने भाग लिया। श्रद्धालुओं ने यज्ञ में आहुति अर्पित कर तथा यज्ञशाला की परिक्रमा कर अपने परिवार, गांव और समाज की सुख-समृद्धि की कामना की। उल्लेखनीय है कि इस मंदिर का शिलान्यास 22 जनवरी 2023 को किया गया था। ठीक तीन वर्ष बाद 22 जनवरी को महाकाल की नगरी उज्जैन से नर्मदेश्वर शिवलिंग एवं शिव परिवार की प्रतिमाएं बासकी गांव पहुंचीं, जिसे लेकर पूरे क्षेत्र में उत्साह का माहौल देखा गया। प्रतिमाओं के आगमन पर श्रद्धालुओं ने भक्ति-भाव से स्वागत किया। शुक्रवार से अखंड हरि कीर्तन की शुरूआत की गई, जिसमें ग्राम के श्रद्धालुओं के साथ-साथ विभिन्न गांवों की कीर्तन मंडलियों ने भाग लेकर वातावरण को भक्तिमय बना दिया। भजन-कीर्तन और मंत्रोच्चार से पूरा क्षेत्र शिवमय हो उठा। तीनों दिनों तक आयोजित भंडारे में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण किया। समारोह के दौरान धार्मिक अनुष्ठानों, वैदिक मंत्रोच्चार और विधि-विधान के साथ प्राण प्रतिष्ठा की प्रक्रिया पूरी की गई।

बाल विवाह सामाजिक समस्या हम सभी को मिलकर रोकने की जरूरत : अरुण

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

कोडरमा : मोहन आधारशिला विद्यालय एडी बांग्ला झुमरी तिलैया में शनिवार को विधिक जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में डिफेंस काउंसिल सह अधिवक्ता मिस किरण कुमारी, अधिवक्ता अरुण कुमार ओझा एवं अधिवक्ता ललन चौधरी उपस्थित थे। इस अवसर पर अधिवक्ता मिस किरण कुमारी ने पोक्सो एक्ट, आईटी एक्ट एवं बाल तस्करी पर विस्तृत रूप से जानकारी दी। वही अधिवक्ता अरुण कुमार ओझा ने कहा कि बाल विवाह एक सामाजिक समस्या है जिसे हम सभी को मिलकर दूर करने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि बाल विवाह करना या कराना या उसमें शामिल होना कानूनन दंडनीय अपराध है, इसकी रोकथाम करना हम सब की नैतिक जिम्मेवारी है। इसके दोषियों को दो साल तक कि सजा एवं एक लाख रुपये तक का जुर्माना है। इसकी रोकथाम के लिए ग्राम पंचायत, शिक्षक, आंगनबाड़ी सेविकाएं, बाल संरक्षण समिती सहित बाल विवाह निषेध पदाधिकारी की जवाबदेही सुनिश्चित की गयी है। उन्होंने कहा कि बाल विवाह की सूचना ग्राम पंचायत, पुलिस प्रशासन, बाल विवाह निषेध पदाधिकारी को कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि कार्यक्रम प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश सह अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकार कोडरमा, रमाकांत मिश्रा सर के नेतृत्व में चलाया जा रहा है। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य लोगों को जागरूक करने के साथ-साथ अंतिम व्यक्ति तक न्याय पहुंचना है। उन्होंने डालसा द्वारा चलाए जा रहे कार्यक्रमों की भी जानकारी दी। वही इस अवसर पर बोलते हुए अधिवक्ता ने कहा की बाल मजदूरी, शिक्षा के अधिकार पर भी जानकारी दी।

दलमा को पर्यटन हब बनाने का संकल्प हो रहा साकार : सुदिव्य कुमार

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

दलमा : राज्य के प्रमुख पर्यटन स्थलों को विकसित करने की 'अबुआ सरकार' की प्रतिबद्धता आज धरातल पर उतरती दिखी। पूर्व में किए गए वादों को गति देते हुए शनिवार को मंत्री (पर्यटन, कला-संस्कृति, नगर विकास एवं आवास तथा उच्च एवं तकनीकी शिक्षा विभाग) सुदिव्य कुमार द्वारा दलमा वन्यजीव अभ्यारण्य में 30 ईको कॉटेज का विधि-विधान से भूमि पूजन एवं शिलान्यास किया गया। इसके साथ ही, वन्यजीव प्रेमियों के रोमांच को बढ़ाने हेतु उन्होंने सफारी वाहनों को हरी झंडी दिखाकर विधिवत 'जंगल सफारी' का शुभारंभ किया। इस गरिमामय समारोह में घाटशिला विधायक सोमेश सोरेन तथा ईचागढ़ विधायक सविता महतो विशेष रूप से उपस्थित रहे। विज्ञप्ति के मुख्य अंशः सुविधाजनक प्रवास और प्राकृतिक आनंदः मंत्री जी ने बताया कि इन 30 ईको कॉटेज के निर्माण से यहाँ आने वाले पर्यटकों को अभ्यारण्य के समीप ठहरने की उत्कृष्ट सुविधा मिलेगी। इससे पर्यटक प्रकृति के बीच रहकर दलमा की वादियों और इसके नैसर्गिक सौंदर्य का भरपूर लुत्फ उठा सकेंगे। सरकार का लक्ष्य पर्यटकों के प्रवास को अधिक सुलभ और आरामदायक बनाना है। रोमांचक जंगल सफारीः सफारी वाहनों को हरी झंडी दिखाने के पश्चात मंत्री जी एवं विभागीय अधिकारियों ने स्वयं भी जंगल सफारी के माध्यम से अभ्यारण्य का भ्रमण किया। इस नई सेवा से अब पर्यटकों के लिए दलमा की सैर अधिक सुरक्षित और रोमांचकारी हो जाएगी। विकास के प्रति संकल्पः इस अवसर पर सुदिव्य कुमार ने कहा, दलमा झारखंड की प्राकृतिक धरोहर का केंद्र है। हमने इसे पर्यटन हब बनाने का जो संकल्प लिया था, आज ईको कॉटेज का शिलान्यास और सफारी का शुभारंभ उसी दिशा में बढ़ते कदम हैं। इन सुविधाओं से क्षेत्र की एक नई पहचान बनेगी और स्थानीय स्तर पर रोजगार के नए अवसर सृजित होंगे।

कोरोंजो मेला का विधिवत उद्घाटन, जनप्रतिनिधि एवं प्रशासनिक अधिकारी रहे उपस्थित

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

ठेठईटांगर : प्रखंड क्षेत्र के कोरोंजो गांव में आयोजित पारंपरिक कोरोंजो मेला का विधिवत उद्घाटन प्रखंड प्रमुख विपीन पंकज मिंज एवं ग्राम प्रधान खिस्तो धाम ने संयुक्त रूप से फीता काटकर किया। उद्घाटन समारोह में क्षेत्र के गणमान्य नागरिकों के साथ-साथ प्रशासनिक अधिकारी बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। इस अवसर पर प्रखंड प्रमुख विपीन पंकज मिंज ने उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि इस प्रकार के पारंपरिक मेलों से स्थानीय संस्कृति, परंपरा और सामाजिक सौहार्द को बढ़ावा मिलता है। उन्होंने मेला आयोजन के लिए ग्रामवासियों को बधाई देते हुए कहा कि ऐसे आयोजन हमारी सांस्कृतिक पहचान को जीवित रखते हैं और आने वाली पीढ़ियों को अपनी जड़ों से जोड़ते हैं। वहीं ग्राम प्रधान खिस्तो धाम ने अपने संबोधन में कहा कि कोरोंजो मेला वर्षों से गांव की सांस्कृतिक विरासत का प्रतीक रहा है। उन्होंने कहा कि ग्रामवासी हर वर्ष एकजुट होकर इस मेले का आयोजन करते हैं, जिससे आपसी भाईचारा और सहयोग की भावना मजबूत होती है। मौके पर प्रखंड की ओर से मजिस्ट्रेट के रूप में सुनील कुमार एवं लॉरेंस टेटे उपस्थित थे। वहीं सुरक्षा व्यवस्था की जिम्मेदारी थाना से आए एसआई सोनू कुमार ने संभाली। इसके अलावा संवेदक नरेंद्र बड़ाइक, विधायक प्रतिनिधि सुशील बोदरा, प्रिंस कुमार, अरुण कुमार सहित कई अन्य गणमान्य लोग प्रमुख रूप से मौजूद रहे। मेला के उद्घाटन के साथ ही पूरे क्षेत्र में उत्सव का माहौल देखने को मिला। पारंपरिक आयोजनों और लोगों की भारी भीड़ से मेले में खासा उत्साह नजर आया।

नतुनडीह में अवैध शराब भट्टी ध्वस्त, 35 लीटर महुआ शराब जब्त

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

ईचागढ़ : ईचागढ़ थाना क्षेत्र के खोखरो नतुनडीह गांव में शनिवार को ईचागढ़ थाना प्रभारी बजरंग महतो के नेतृत्व में अवैध शराब भट्टी के खिलाफ अभियान चलाया गया। अभियान के दौरान नतुनडीह गांव के एक घर में अवैध शराब भट्टी की सुचना पर छापेमारी किया गया, जिसमें भट्टी, चीमनी को तोड़कर विनष्ट किया गया एवं ढाई सौ किलो जावा महुआ को विनष्ट किया गया। वहीं भट्टी में रखें 35 लीटर अवैध देशी महुआ शराब जप्त किया गया। थाना प्रभारी ने बताया कि अवैध शराब भट्टी संचालक का पता लगाया जा रहा है एवं उसके विरुद्ध मामला दर्ज किया जाएगा। उन्होंने कहा कि अवैध शराब के खिलाफ लगातार छापेमारी अभियान जारी रहेगा।

संक्षिप्त खबरें

बसंत पंचमी पर डुमरडीह गांव में भव्य मेले का आयोजन, जनप्रतिनिधियों ने किया उद्घाटन

कोलेबिरा : प्रखंड अंतर्गत डुमरडीह ग्राम में बसंत पंचमी के शुभ अवसर पर भव्य मेला का आयोजन किया गया। मेले का उद्घाटन मुख्य अतिथि भाजपा एसटी मोर्चा जिला महामंत्री सह समाजसेवी मुनेश्वर तिर्की व विशिष्ट अतिथि जिला परिषद अध्यक्ष रोस प्रतिमा सोरेंग एवं कोलेबिरा प्रखंड प्रमुख दुतामी हेम्ब्रोम ने संयुक्त रूप से फीता काटकर किया। इस अवसर पर उपस्थित जनसमूह को संबोधित करते हुए भाजपा नेता मुनेश्वर तिर्की ने कहा कि हमारी संस्कृति और सभ्यता को बचाकर रखना अत्यंत आवश्यक है। विशेष रूप से युवा पीढ़ी को अपनी परंपराओं से जुड़ते हुए आपसी एकता बनाए रखनी चाहिए। वहीं जिला परिषद सदस्य रोस प्रतिमा सोरेंग और प्रखंड प्रमुख दुतामी हेमरोम ने अपने संबोधन में कहा कि हिंदू, मुस्लिम, सिख, ईसाई सभी भाई-भाई हैं और हमें मिल-जुलकर आगे बढ़ना चाहिए। ऐसे मेला-जत्रा से आपसी मेल-मिलाप और भाईचारा मजबूत होता है। मेले में सांस्कृतिक कार्यक्रमों की भी धूम रही। गायक-गायिकाओं में सोनी कुमारी, सुहाना देवी, नंद लाल लोहरा एवं पवन गोप ने अपनी प्रस्तुतियों से दर्शकों का मनोरंजन किया। वहीं नृत्य कलाकार मनीषा नायक एवं तमन्ना सिंह ने मनमोहक नृत्य प्रस्तुत किया। इसके अलावा झूला, मिठाई एवं अन्य दुकानों से मेला परिसर गुलजार रहा। मौके पर कोलेबिरा प्रमुख दुतामि हेम्ब्रोम, समाजसेवी मार्टिन होरो, भाजपा नेता महेश सिंह, रोशन मुंडु, कृष्ण सिंह, सुरेंद्र लोहरा, नमेश्वर बड़ाइक, उदय सिंह, सत्येंद्र लोहरा सहित मेला कमिटी के सदस्य एवं बड़ी संख्या में दर्शकगण उपस्थित थे।

गौ माता को राष्ट्र माता बनाने का संकल्प, साइकिल यात्रा पर हरिद्वार से झुमरी तिलैया पहुंचे दो युवा

झुमरी तिलैया : गौ माता को राष्ट्र माता घोषित कराने के संकल्प के साथ हरिद्वार, उत्तराखंड से साइकिल यात्रा पर निकले नितिन कैथोल एवं संजय कुमार झुमरी तिलैया पहुंचे। यहां नगर के श्रद्धालु भक्तों और समाजसेवियों ने उनका आत्मीय स्वागत किया जिसमें अंकित राणा, आयुष कुमार, विमल शर्मा, गौरव कुमार, अरविंद चौधरी, संजू लाम्बा, सत्यप्रकाश लाल और अन्य लोग मौजूद थे। इन लोगों ने आगे की मंगलमय यात्रा के लिए शुभकामनाएं दीं। युवकों ने बताया कि वे 18 अगस्त 2025 को हरिद्वार से 12 ज्योतिर्लिंग एवं चारधाम दर्शन की भावना के साथ निकले हैं। देवघर में बाबा बैद्यनाथ धाम के दर्शन के बाद गिरिडीह, कोडरमा होते हुए झुमरी तिलैया पहुंचे। बरही और चौपारण होते हुए वे वाराणसी जाकर काशी विश्वनाथ का दर्शन करेंगे। नितिन और संजय ने कहा कि इस यात्रा का उद्देश्य सनातन धर्म के प्रति नवयुवकों को जागरूक करना, उन्हें अपनी संस्कृति से जोड़ना और गौ माता को राष्ट्र माता घोषित कराने के लिए जनचेतना फैलाना है। उन्होंने बताया कि साइकिल से यात्रा करने का एक प्रमुख उद्देश्य पर्यावरण संरक्षण और स्वस्थ जीवन का संदेश देना भी है। दोनों युवक प्रतिदिन 100 से 120 किलोमीटर की दूरी तय कर रहे हैं। 10 माह की इस यात्रा में कुल 25 हजार किलोमीटर भ्रमण का लक्ष्य है, जिसमें अब तक लगभग 13 हजार किलोमीटर की यात्रा पूरी हो चुकी है। हरिद्वार से निकलने के बाद वे मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश, गुजरात, मुंबई, कर्नाटक, तमिलनाडु, आंध्र प्रदेश और उड़ीसा का भ्रमण कर चुके हैं। झारखंड के बाद वे बिहार होते हुए पुनः उत्तर प्रदेश की ओर प्रस्थान करेंगे। विशेष बात यह है कि उनकी साइकिल पर बाबा भोलेनाथ का ध्वज और राष्ट्र ध्वज लहराता हुआ आगे बढ़ रहा है, जो आस्था, राष्ट्रभक्ति और संस्कृति का जीवंत प्रतीक बन गया है।

वरीय पुलिस अधीक्षक का कार्यालय, राँची

सर्वसाधारण के लिए सूचना।

अज्ञात पुरूष का शव उम्र करीब–32 वर्ष, रंग–सॉवला, उॅचाई–5 फीट 4 ईंच पहनावा–नीला रंग का लोवर एवं सफेद रंग का धारीदार टी शर्ट एवं दाहिने हाथ के कलाई में मटिया पहना हुआ।

उपरोक्त अज्ञात पुरूष का शव रातु थाना अन्तर्गत रातु तालाब से बरामद किया गया है। जिसके संबंध रातु थाना कांड सं0–232/24, दिनांक –08.07.2024 दर्ज किया गया है। इनकी पहचान हेतु जनता का सहयोग अपेक्षित है।

अतः सभी जनसाधारण से अनुरोध है कि यदि आपको इस पुरूष के शव के बारे में जानकारी हो तो वरीय पुलिस अधीक्षक के कार्यालय रॉची में या संबंधित थाना या निम्नांकित फोन नम्बर पर संपर्क कर इसकी सूचना दें।

पुलिस उपाधीक्षक द्वितीय, रॉची। – 9431706142
थाना प्रभारी रातु, रॉची। – 9431706175

वरीय पुलिस अधीक्षक,
राँची।

PR.NO.372563 Police(25-26):D

टाटा लीज नवीनीकरण से पहले 18 मौजा के विस्थापितों ने विधायक संजीव सरदार से लगाई न्याय की गुहार

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

जमशेदपुर : टाटा कंपनी से जुड़े विस्थापित परिवारों के वर्षों से लंबित अधिकारों और न्याय की मांग को लेकर शुक्रवार को एक महत्वपूर्ण पहल सामने आई। जमशेदपुर के 18 मौजा में निवासरत टाटा विस्थापितों के एक सशक्त प्रतिनिधिमंडल ने पोटका विधायक संजीव सरदार से औपचारिक मुलाकात कर अपनी समस्याओं, अपेक्षाओं और मांगों को विस्तार से उनके समक्ष रखा। प्रतिनिधिमंडल ने विधायक को अवगत कराया कि टाटा लीज के नवीनीकरण की प्रक्रिया शुरू होने से पूर्व विस्थापित परिवारों का समुचित, पारदर्शी एवं सर्वेक्षण आधारित आंकलन कराया जाना अत्यंत आवश्यक है, ताकि वास्तविक विस्थापितों की पहचान सुनिश्चित हो सके। इसके साथ ही प्रत्येक विस्थापित परिवार को आधिकारिक विस्थापन प्रमाण पत्र प्रदान करने की मांग रखी गई, जिससे उन्हें उनके वैधानिक अधिकारों से वंचित न किया जा सके। मुलाकात के दौरान यह भी जोर देकर कहा गया कि लीज नवीनीकरण से संबंधित गठित होने वाली किसी भी समिति में विस्थापितों के प्रतिनिधियों को अनिवार्य रूप से शामिल किया जाए, ताकि निर्णय प्रक्रिया में उनकी भागीदारी सुनिश्चित हो और उनकी आवाज को उचित मंच मिल सके। प्रतिनिधिमंडल ने यह गंभीर मुद्दा भी उठाया कि टाटा विस्थापित आज भी अपनी रैयती जमीन की सुरक्षा और वापसी के लिए संघर्ष कर रहे हैं। कई मामलों में बलपूर्वक अधिग्रहित की गई भूमि के बदले अब तक उचित मुआवजा, पुनर्वास और अन्य वैधानिक लाभ नहीं मिल पाए हैं, जिससे विस्थापित परिवार सामाजिक और आर्थिक रूप से प्रभावित हो रहे हैं। पोटका विधायक संजीव सरदार ने प्रतिनिधिमंडल की बातों को गंभीरता से सुनते हुए भरोसा दिलाया कि टाटा विस्थापितों के साथ किसी भी प्रकार का अन्याय नहीं होने दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि विस्थापितों के हक और अधिकारों की रक्षा के लिए वे हर संभव कदम उठाएंगी तथा संबंधित विभागों और उच्चस्तरीय मंचों पर इन मुद्दों को प्रमुखता से उठाया जाएगा। इस अवसर पर प्रतिनिधिमंडल में अबोध सिंह, प्रहलाद गोप, उत्तम प्रधान, राम सिंह सरदार सहित बड़ी संख्या में टाटा विस्थापित उपस्थित थे, जिन्होंने एक स्वर में न्याय और अधिकार की मांग दोहराई।

जिला निर्वाचन पदाधिकारी (नगरपालिका)–सह–उपायुक्त, सिमडेगा (निर्वाचन शाखा)

प्रेस विज्ञप्ति

राज्य निर्वाचन आयोग झारखण्ड राँची का प्रेस नोट सं0–187, दिनांक 27.01.2026 एवं अधिसूचना संख्या–03नि0–(कार्यक्रम)–24/2013 रा0नि0आ0–186, दिनांक 27.01.2026 के द्वारा नगरपालिका (आम) चुनाव, 2026 की घोषणा कर दी गई है। राज्य निर्वाचन आयोग, झारखण्ड राँची का अधिसूचना संख्या'03नि/न0–111/2022 रा0नि0आ0–143, दिनांक 20.01.2026 के द्वारा नगरपालिका (आम) निर्वाचन, 2026 के निमित सिमडेगा नगर परिषद (वर्ग–ख) के लिए सामान्य प्रेक्षक एवं राज्य निर्वाचन आयोग, झारखण्ड राँची का अधिसूचना संख्या'03नि/न0–111/2022 रा0नि0आ0–144, दिनांक 20.01.2026 के द्वारा नगरपालिका (आम) निर्वाचन, 2026 के निमित व्यय प्रेक्षक की नियुक्ति की गई है।

उक्त के आलोक में सिमडेगा नगरपालिका (वर्ग–ख) क्षेत्रान्तर्गत आम जनता को सूचित किया जाता है कि नगरपालिका आम निर्वाचन, 2026 के सफल क्रियान्वयन के निमित आप अपना सुझाव एवं शिकायत सामान्य प्रेक्षक/व्यय प्रेक्षक महोदय को दे सकते हैं। इनका नाम पदनाम एवं सम्पर्क नम्बर का मिलने का स्थान निम्नवत है:–

क्र0	प्रेक्षक का नाम एवं कोड	पदनाम	मोबाईल नम्बर	मिलने का स्थान	मिलने का समय
1	श्री संजय पी0एम0कुजूर G-22/2022/GE(M)	सामान्य प्रेक्षक	6206452142	परिसदन भवन, सिमडेगा।	पूर्वा0 11:00 बजे से मध्याह्न 12:00 बजे तक
2	श्री ब्रजेश कुमार E-21/2026/GE(M)	व्यय प्रेक्षक	9801557884	परिसदन भवन, सिमडेगा।	पूर्वा0 11:00 बजे से मध्याह्न 12:00 बजे तक

जिला निर्वाचन पदाधिकारी(नगरपालिका),
–सह–उपायुक्त, सिमडेगा

PR 372519 Simdega(25-26)#D

'घूसखोर पंडित' फिल्म विवाद से उपजे सवाल

अब यह भ्रम टूट जाना चाहिए कि भारतीय सिनेमा और ओटीटी मनोरंजन कर रहे हैं। सच यह है कि ये प्लेटफॉर्म आज यह तय कर रहे हैं कि समाज में अपराधी कौन है। हालांकि फिल्म "घूसखोर पंडित" पर देशभर में न सिर्फ ब्राह्मण समाज बल्कि बीएसपी प्रमुख मायावती से लेकर अन्य जाति-बिरादरियों के प्रमुखों की आई आपत्तियों और एफआईआर दर्ज होने के बाद फिल्म मेकर्स ने प्रमोशनल मटेरियल को हटाने का फैसला लिया है, किंतु इस दिशा में हो रहे नकारात्मक प्रयासों ने फिर ये बताया है कि हिन्दू समाज को तोड़ने के लिए उसमें जाति के आधार पर वैमनस्य पैदा करने तथा किसी की पहचान को आरोपित करने के लिए कैसे कला के नाम पर वैचारिक हमला किया जा सकता है। नीरज पांडे और मनोज बाजपेयी की फिल्म "घूसखोर पंडित" को आप महज एक फिल्म के शीर्षक तक सीमित मत रखिए, कहना होगा कि यह उस दीर्घकालिक और सुनियोजित नैरेटिव का विस्तार है, जिसके तहत भारतीय समाज के भीतर एक वर्ग और एक पहचान को अपराध, पतन और नैतिक गिरावट के प्रतीक के रूप में स्थापित किया जा रहा है। पिछले कई दशकों से भारतीय दर्शक एक अजीब दोहरे मानदंड का साक्षी है। जब आतंकवाद या हिंसा दिखाई जाती है, तब यह तर्क बार-बार दोहराया जाता है कि "आतंकवाद का कोई मजहब नहीं होता।" फिल्मों और वेब सीरीज में आतंकवादी की धार्मिक पहचान को जानबूझकर धुंधला किया जाता है, नाम बदले जाते हैं, पृष्ठभूमि छिपा दी जाती है, ताकि किसी विशेष समुदाय की भावनाएं आहत न हों किंतु जैसे ही विषय भ्रष्टाचार, शोषण या सत्ता का दुरुपयोग होता है, कैमरा अचानक जनेऊ, तिलक, पूजा-पाठ और उपनाम पर टिक जाता है। यह चयनात्मक संवेदनशीलता अपने आप में एक गंभीर सवाल खड़ा करती है। "घूसखोर पंडित" शीर्षक यह स्पष्ट करता है कि यहाँ घूसखोरी किसी व्यक्ति की व्यक्तिगत विकृति न मानकर एक पहचान की विशेषता के रूप में प्रस्तुत की जा रही है। यही वह बिंदु है जहाँ कला की स्वतंत्रता का तर्क कमजोर पड़ जाता है। क्या कोई फिल्मकार "घूसखोर मौलाना" या "घोटालेबाज पादरी" जैसे शीर्षक रखने का साहस कर सकता है? यदि उत्तर नहीं है तो इसका अर्थ यह है कि यह स्वतंत्रता नहीं, सुरक्षित लक्ष्य चुनने की रणनीति है। देखा जाए तो भारतीय सिनेमा में यह प्रवृत्ति अचानक नहीं आई। दशकों से पात्रों का निर्माण उनके उपनाम और जातीय पहचान के आधार पर किया जाता रहा है। ब्राह्मण या पंडित को अक्सर लालची, चालाक, षड्यंत्रकारी या सत्ता से चिपका हुआ दिखाया गया। राजपूत या ठाकुर को अत्याचारी जमींदार के रूप में सीमित कर दिया गया, जबकि उनके ऐतिहासिक योगदान, बलिदान और राष्ट्ररक्षा की भूमिका को हाशिये पर डाल दिया गया। बनिया पात्र को सूदखोर और अमानवीय दिखाने की परंपरा भी किसी से छिपी नहीं है। आज यह लगातार दोहराया गया पैटर्न बन चुका है, जिसे धीरे-धीरे समाज के अवचेतन में बैठाने का प्रयास हो रहा है। धार्मिक प्रतीकों का चित्रण भी इसी असंतुलन को दर्शाता है। मंदिरों को अक्सर अंधविश्वास, पाखंड और षड्यंत्र के केंद्र के रूप में दिखाया जाता है, जबकि मस्जिद या दरगाह को शांति, करुणा और आध्यात्मिकता का प्रतीक बनाकर प्रस्तुत किया जाता है। यह तुलना स्वतः ही दर्शक के मन में एक वैचारिक झुकाव पैदा करती है। यह कहना कठिन नहीं कि यह कला का स्वाभाविक विकास न होकर एक खास मानसिक दिशा में सोच को मोड़ने का प्रयास है। कई वेब सीरीज में सवर्ण पात्रों को मानसिक रूप से विकृत, जन्मजात अपराधी या नैतिक रूप से दिवालिया दिखाया जाना इसी दिशा की ओर संकेत करता है। यह सिविल कॉन्फ्लिक्ट नैरेटिव का निर्माण है। यह नैरेटिव केवल स्क्रीन तक सीमित नहीं है। विश्वविद्यालय परिसरों में, खासकर जेएनयू, जादवपुर जैसे संस्थानों में, "ब्राह्मण" या "पंडित" शब्द को गाली और अपराध के प्रतीक के रूप में इस्तेमाल किया जाना इसी मानसिकता का विस्तार है। यह एक ऐसा प्रयोग है, जिसमें हिंदू समाज को बाहरी शत्रु से नहीं, आंतरिक विभाजन के माध्यम से कमजोर करने की कोशिश की जा रही है। चिंताजनक पहलू यह है कि इस प्रक्रिया में बड़ी भूमिका उन्हीं लोगों की है, जो स्वयं इसी समाज से आते हैं।

सूडोकु नवताल- 7699

★★★✯☆ मध्यम

9		6		3		4		8
	2				9		7	
4			1	6				2
		8			2		3	
1		4				2		5
	3		5			8		
7				9	5			3
	8		6				4	
6		2		7		5		1

Jagrutidaur.com, Bangalore

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -7698 का हल

3	6	5	1	8	2	7	4	9
7	9	2	3	5	4	1	8	6
4	1	8	6	7	9	5	3	2
6	5	9	2	4	8	3	7	1
8	4	7	9	3	1	6	2	5
1	2	3	5	6	7	4	9	8
2	7	6	4	9	5	8	1	3
5	8	1	7	2	3	9	6	4
9	3	4	8	1	6	2	5	7

गड्ढों वाली व्यवस्था और खतरे में पड़ता जीवन

ललित गर्ग

गड्ढों में गिरी व्यवस्था में समाप्त होता जीवन आज के भारत की एक ऐसी विडंबना बन चुका है, जिसे देखकर मन भीतर तक सिहर उठता है। नोएडा में कार सवार युवा इंजीनियर की गड्ढे में गिरकर मौत का दर्द अभी समाज के मन से उतरा भी नहीं था कि दिल्ली में बाइक सवार युवक की जान एक खुले गड्ढे ने लील ली। दोनों घटनाओं में समानता यह है कि गड्ढे प्रशासन द्वारा विकास या मरम्मत के नाम पर खोदे गए थे और दोनों जगह न तो कोई बैरिकेडिंग थी, न चेतावनी बोर्ड, न रोशनी की व्यवस्था। मानो व्यवस्था ने पहले गड्ढा खोदा और फिर निश्चिंत होकर वहां से हट गई कि अब जो होगा, वह नागरिक की किस्मत है। यही वह सोच है जो किसी भी समाज को भीतर से खोखला कर देती है।

प्रश्न यह नहीं है कि गड्ढे क्यों खोदे गए, प्रश्न यह है कि गड्ढे खोदकर लोगों को मौत के मुंह में धकेलने का अधिकार प्रशासन को किसने दिया। क्या विकास का अर्थ यह हो गया है कि सड़कों पर चलते हुए हर नागरिक अपनी जान हथेली पर रखे। क्या शहरों की चमक-दमक और बड़े-बड़े दावों के बीच आम आदमी का जीवन इतना सस्ता हो गया है कि उसकी मौत पर सिर्फ एक खबर छप जाए, दो दिन बहस हो और फिर सब कुछ सामान्य हो जाए। यह सामान्य हो जाना ही सबसे बड़ा खतरा है, क्योंकि जब मौतें सामान्य लगने लगें, तब व्यवस्था की संवेदनशीलता मर चुकी होती है।

दिल्ली जल बोर्ड द्वारा खोदा गया गड्ढा हो या नोएडा की किसी एजेंसी का, जिम्मेदारी तय करने की प्रक्रिया हर बार एक जैसी रहती है। अफसर निलंबित कर दिए जाते हैं, जांच समितियां बना दी जाती हैं, 24 या 48 घंटे में रिपोर्ट देने की घोषणा होती है और कुछ समय बाद वही फाइलें धूल फांकने लगती हैं। निलंबन और जांच अब समाधान नहीं, बल्कि एक औपचारिक रस्म बन गई है। सवाल यह है कि क्या निलंबन से मरे हुए बेटे लौट आते हैं, क्या जांच समितियों से टूटे हुए परिवार फिर से जुड़ जाते हैं। जब तक जवाबदेही केवल कागजों पर सिमटी रहेगी, तब तक गड्ढों में गिरती जिंदगियां यूं ही व्यवस्था का शिकार बनती रहेंगी।

इस पूरी तस्वीर का सबसे चिंताजनक पहलू यह है कि बड़े शहरों में ऐसी घटनाएं कम से कम चर्चा में तो आती हैं, मीडिया सवाल तो उठाता है, लेकिन छोटे शहरों, कस्बों और गांवों में यही गड्ढे रोज जिंदगियां निगल रहे हैं और खबर तक नहीं बनते। वहां न कैमरा पहुंचता है, न कोई प्रतिनिधि, न कोई जांच समिति। वहां मौतें सिर्फ परिवारों की निजी त्रासदी बनकर रह जाती हैं। क्या नागरिक का मूल्य शहर के आकार से तय होगा। क्या महानगरों का नागरिक ज्यादा कीमती है और छोटे शहरों का नागरिक सस्ता। यह असमानता केवल संसाधनों की नहीं, बल्कि संवेदनाओं की भी है।

हम एक ओर विकसित भारत, सशक्त भारत, विश्व की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की बात करते हैं, दूसरी ओर हमारी सड़कों पर खुले गड्ढे हमें आईना दिखाते हैं। विकास की रफ्तार तेज हो सकती है, लेकिन यदि उस रफ्तार में सुरक्षा, जिम्मेदारी और मानवीय संवेदना नहीं जुड़ी, तो वह रफ्तार विनाश की ओर ही ले जाएगी। यह विडंबना ही है कि हम स्मार्ट सिटी की बातें करते हैं, लेकिन स्मार्ट बैरिकेडिंग, स्मार्ट चेतावनी और स्मार्ट जिम्मेदारी पर बात करना भूल जाते हैं। तकनीक के युग में भी एक साधारण चेतावनी बोर्ड लगाना हमारे तंत्र को याद नहीं रहता।

दरअसल समस्या केवल लापरवाही की नहीं, बल्कि उस मानसिकता की है जिसमें नागरिक को एक आंकड़ा समझ लिया गया है। फाइलों में वह एक केस नंबर है, सड़क पर वह एक बाधा और हादसे के बाद वह एक आंकड़ा। जब तक प्रशासन और शासन की दृष्टि में नागरिक का जीवन सर्वोपरि मूल्य नहीं बनेगा, तब तक हर नया गड्ढा एक नई मौत की संभावना बनकर खड़ा रहेगा। सवाल यह भी है कि क्या इन गड्ढों के लिए कभी उच्च स्तर पर नैतिक जिम्मेदारी तय होगी। क्या कभी ऐसा होगा कि किसी बड़े पद पर बैठे व्यक्ति से पूछा जाए कि आपके विभाग की लापरवाही से एक जान गई, इसलिए आप पद पर बने रहने के नैतिक अधिकारी नहीं हैं।

भ्रष्ट शासन के समाप्त होने की बड़ी-बड़ी घोषणाएं हर चुनाव में सुनाई देती हैं। पोस्टर बदलते हैं, नारे बदलते हैं, लेकिन जमीन पर गड्ढे वैसे ही रहते हैं। यदि भ्रष्टाचार केवल रिश्वत लेने तक सीमित होता तो शायद उसे पहचानना आसान होता, लेकिन यह जो संवेदनहीन भ्रष्टाचार है, जहां नियमों की अनदेखी, सुरक्षा मानकों की उपेक्षा और समय पर काम पूरा न करना शामिल है, यह ज्यादा खतरनाक है। इसमें पैसा दिखता नहीं, लेकिन इसकी कीमत किसी की जान से चुकानी पड़ती है।

आज जब हम अमृत काल और शताब्दी वर्ष में नए भारत की कल्पना कर रहे हैं, तब यह प्रश्न और भी तीखा हो जाता है कि क्या खुले गड्ढों वाला देश महान बन सकता है। क्या वह देश विकसित कहलाने योग्य है, जहां नागरिक रात को सड़क पर निकलते समय यह दुआ करे कि कहीं कोई गड्ढा उसकी जिंदगी न छीन ले। विकास केवल पुलों, सड़कों और इमारतों से नहीं मापा जाता, बल्कि इस बात से मापा जाता है कि आम आदमी खुद को कितना सुरक्षित महसूस करता है। यदि सुरक्षा का भरोसा नहीं, तो सारी उपलब्धियां खोखली हैं।

गड्ढों में गिरी व्यवस्था केवल सड़कों की समस्या नहीं है, यह हमारे शासन तंत्र की नैतिक गिरावट का प्रतीक है। यह उस दूरी को दिखाता है जो सत्ता और नागरिक के बीच बढ़ती जा रही है। जब तक हर गड्ढे को सिर्फ तकनीकी खामी समझा जाएगा और हर मौत को दुर्भाग्य कहकर टाल दिया जाएगा, तब तक यह सिलसिला रुकेगा नहीं। जरूरत इस बात की है कि हर गड्ढा एक सवाल बने, हर मौत एक चेतावनी और हर लापरवाही एक अपराध मानी जाए।

कब वे गड्ढे भरेंगे, कब व्यवस्था की दरारें बंद होंगी और कब विकास की दौड़ में भागता देश यह भरोसा पाएगा कि वह सुरक्षित हाथों में है, यह सवाल आज हर नागरिक के मन में है। शायद उस दिन हम सचमुच कह सकेंगे कि हमारा देश महान बनने की राह पर है। अभी तो लगता है कि हम महान नहीं, बल्कि परेशान हैं और यह परेशानी सिर्फ गड्ढों की नहीं, गड्ढों में गिरती संवेदनाओं की है।

बीस साल बाद फिर मायावती का दलित-ब्राह्मण-मुस्लिम गठजोड़ फार्मूला

अजय कुमार

उत्तर प्रदेश में बहुजन समाज पार्टी करीब 15 सालों से सत्ता से बाहर है। 2007 से 2012 तक सत्ता में रही बसपा को पिछले तीन विधानसभा चुनाव में हार का सामना करना पड़ा है। इस दौरान तीन लोकसभा चुनाव में भी बसपा का प्रदर्शन बेहद खराब रहा। इसके बाद से बसपा सुप्रीमो मायावती के बारे में यह धारणा आम तौर पर बनने लगी कि बसपा सुप्रीमो मायावती का कालखंड खत्म हो चुका है। ऐसा इस लिये भी कहा जा रहा था क्योंकि मायावती ने चुनाव प्रचार से भी काफी हद तक किनारा कर लिया था। बात अंतिम बार 2007 में विधानसभा चुनाव जीती बसपा की उस समय की चुनावी रणनीति की की जाये तो 2007 का चुनाव मायावती सोशल इंजीनियरिंग के फामूर्ले से जीती थी। 2007 के उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव में बहुजन समाज पार्टी की अप्रत्याशित जीत ने राजनीतिक इतिहास रच दिया। 2007 में मायावती ने सामाजिक समीकरण साधकर 403 सीटों में से 206 सीटों पर कब्जा जमाया और कुल 30.43 प्रतिशत वोट हासिल किए। बसपा सुप्रीमो की यह जीत दलितों के परंपरागत वोट बैंक के अलावा ब्राह्मणों और कुछ गैर-यादव पिछड़ी जातियों तथा मुस्लिम मतदाताओं के समर्थन से संभव हुई थी। यह और बात है कि इसके बाद मायावती का यह फामूर्ला दोबारा परवान नहीं चढ़ पाया।

बहरहाल, अबकी करीब 20 सालों के बाद एक बार फिर 2027 के विधानसभा चुनाव के लिये बसपा के पक्ष में दलितों के साथ ब्राह्मणों एवं मुसलमानों के वोटों की गोलबंदी देखी जा रही है। ब्राह्मणों और मुसलमानों के एक बार फिर बसपा की तरफ रुख करने की वजह में जाया जाए तो ऐसा लगता है कि योगी राज में ब्राह्मणों को लग रहा है कि उनके साथ यह सरकार नाइंसाफी कर रही है। नौकरशाही से लेकर सरकार तक में महत्वपूर्ण पदों से ब्राह्मणों को दूर रखा गया है। यही वजह है कि पिछले कुछ समय में बहुजन समाज पार्टी (बसपा) में ब्राह्मण नेताओं का प्रवेश अधिक देखा गया है। जनवरी 2026 में अंबेडकर नगर से भाजपा के दिग्गज नेता राधेश्याम पांडे 51-100 ब्राह्मण समर्थकों के साथ बसपा में शामिल हुए। उन्होंने मायावती से मुलाकात कर पार्टी जॉइन की। दिसंबर 2025 में ब्राह्मण समाज के बड़े नेता जैसे जितेंद्र मिश्रा, दीपक द्विवेदी, नीरज पांडे, विशाल मिश्रा, वैभव दुबे, अनुराग शुक्ला, मोहित शर्मा भाजपा से बसपा में शामिल हुए। यह 2027 चुनाव से पहले भाजपा को झटका था। जनवरी 2026 में एक अन्य बड़े ब्राह्मण नेता ने मायावती से मुलाकात कर बसपा जॉइन की।

वहीं मुसलमान इसलिये बसपा की तरफ फिर से मुड़ता दिख रहा है क्योंकि उसे लगने लगा है कि समाजवादी पार्टी मुसलमानों से वोट तो लेती है, लेकिन उनका (मुसलमानों का) हक उन्हें नहीं दिया जाता है। इसी तरह से मुसीबत के समय भी अखिलेश मुसलमानों से दूरी बना लेते हैं। पार्टी के दिग्गज नेता आजम खान को अकेला छोड़ देना इसकी सबसे बड़ी मिसाल बताते हैं। बाहुबली अतीक अहमद और मुख्तार अंसारी की भी मौत के लिये मुस्लिम समाज कहीं न कहीं अखिलेश यादव को जिम्मेदार मानते हैं। उन्हें लगता है कि विधानसभा सत्र के दौरान अखिलेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को अतीक और मुख्तार को लेकर उकसाया नहीं होता तो आज वह जिंदा होते।दलित वोटरों ने बसपा को पूर्ण समर्थन दिया। जाटव समुदाय के 86 प्रतिशत मतदाताओं ने मायावती को चुना, जबकि वाल्मीकि जाति के 71 प्रतिशत ने पार्टी को तरजीह दी। पासी समुदाय से 53 प्रतिशत और अन्य अनुसूचित जातियों से 58 प्रतिशत वोट बसपा के खाते में आए। इन दलित उपजातियों की मजबूत पकड़ ने पार्टी को आधार प्रदान किया, क्योंकि दलित उत्तर प्रदेश की आबादी में करीब 21 प्रतिशत हैं। ऊपरी जातियों में ब्राह्मणों का 16 प्रतिशत समर्थन मिला, जो निर्णायक साबित हुआ। बसपा ने 51 ब्राह्मण उम्मीदवार उतारे, जिनमें से 20 जीते, लेकिन यह जीत मुख्यतः निचली जातियों के वोटों से आई। ठाकुरों और अन्य ऊपरी जातियों ने भी सीमित लेकिन महत्वपूर्ण योगदान दिया।

पिछड़ी जातियों ने भी बसपा की ओर रुख किया। गैर-यादव और गैर-कुर्मी अन्य पिछड़ा वर्ग के 30 प्रतिशत मतदाताओं ने पार्टी चुनी। कुल पिछड़ा वर्ग के कई खंडों से वोट उमड़े, जिसने सामाजिक समीकरण को मजबूत बनाया। बसपा ने 110 पिछड़ा वर्ग के उम्मीदवार मैदान में उतारे। यह समर्थन समाजवादी पार्टी और अन्य दलों से छिटके वोटरों का परिणाम था, जो विकास और सुशासन के वादों से प्रभावित हुए।मुस्लिम मतदाताओं का योगदान सबसे चमत्कारिक रहा। 2007 में बसपा को कुल वोटों में मुस्लिम वोट 10 प्रतिशत से अधिक थे। एक सर्वे के अनुसार 17 प्रतिशत मुस्लिमों ने पार्टी को समर्थन दिया। पार्टी ने 61 मुस्लिम उम्मीदवार उतारे, जिनमें से 29 विधायक बने। उत्तर प्रदेश में मुस्लिम आबादी 19 प्रतिशत होने के बावजूद यह समर्थन बहुमत के लिए जरूरी साबित हुआ। समाजवादी पार्टी से नाराज मुस्लिमों ने बसपा को मौका दिया, क्योंकि मायावती ने अल्पसंख्यक कल्याण के वादे किए।

मायावती की रणनीति ने जातिगत बंधनों को तोड़ा। दलित-ब्राह्मण गठजोड़ की बात भले ही प्रचारित हुई, लेकिन वास्तव में जाटव, वाल्मीकि, पासी जैसे दलितों के साथ अन्य अनुसूचित जातियां, पिछड़े वर्ग के 30 प्रतिशत, ब्राह्मणों के 16 प्रतिशत और मुस्लिमों के 17 प्रतिशत वोटों ने चमत्कार रचा। बसपा का वोट प्रतिशत 2002 के 23 से बढ़कर 30 हो गया। पार्टी ने प्रबुद्ध वर्ग सम्मेलनों से ऊपरी जातियों को लुभाया, जबकि मुस्लिम बहुल सीटों पर मजबूत प्रदर्शन किया। यह जीत सामाजिक न्याय की मिसाल बनी।मायावती ने सत्ता में आकर अपराध पर अंकुश लगाया और विकास कार्य तेज किए। लेकिन जातिगत समीकरण की बारीकी ने राजनीति को नया आयाम दिया। दलितों का कोर वोट 80-86 प्रतिशत तक रहा, ऊपरी जातियों से 16-20 उम्मीदवार जीते, पिछड़ों से 30 प्रतिशत समर्थन और मुस्लिमों के 17 प्रतिशत ने पूर्ण बहुमत सुनिश्चित किया।

बसपा सुप्रीमो मायावती किस तरह से पंडित कार्ड खेल रही हैं, इसका ताजा उदाहरण यह बताता है कि उनका ब्राह्मणों के प्रति झुकाव बढ़ता जा रहा है। मायावती ने विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) के नये नियमों को लेकर सवर्णों, विशेषकर ब्राह्मणों की नाराजगी के बाद से चल रही राजनीति पर और इसके बाद बॉलीवुड फिल्म "घूसखोर पंडित" के खिलाफ ब्राह्मणों के पक्ष में बयान देने में देरी नहीं की। इससे पहले यूजीसी के नये नियम पर संयमित प्रतिक्रिया देते हुए मायावती ने कहा था कि इस नये कानून से किसी को बिना वजह प्रताड़ित नहीं किया जाये। देश भर में "घूसखोर पंडित" फिल्म के विरोध के बीच बसपा की राष्ट्रीय अध्यक्ष मायावती ने फिल्म पर प्रतिबंध लगाने की मांग कर ब्राह्मण कार्ड खेल दिया है। वहीं यूजीसी प्रकरण में असहज हुई भाजपा भी अब फिल्म के मुद्दे पर ब्राह्मणों को साधने की कोशिश में है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने फिल्म पर एफआईआर के निर्देश देकर इस वर्ग के साथ का संदेश दिया।

बसपा प्रमुख ने इस मामले में शुक्रवार 06 फरवरी को एक्स पर लिखा, "यह बड़े दुख व चिंता की बात है कि पिछले कुछ समय से अकेले यूपी में ही नहीं, बल्कि अब तो फिल्मों में भी "पंडित" को घुसपैठिया बताकर पूरे देश में जो इनका अपमान व अनादर किया जा रहा है, जिससे समूचे ब्राह्मण समाज में इस समय जबरदस्त रोष व्याप्त है। इसकी हमारी पार्टी भी कड़े शब्दों में निंदा करती है। इस जातिसूचक फिल्म पर केंद्र सरकार को तुरंत प्रतिबंध लगाना चाहिए, यह बसपा की मांग है।" वर्ष 2007 में बसपा ने ब्राह्मणों के साथ सोशल इंजीनियरिंग का दांव चला था और बहुमत की सरकार बनाई थी। इस बार भी बसपा उसी फामूर्ले पर चुनावी तैयारी में जुटी है और पार्टी प्रमुख के एक्स पोस्ट को उसी रणनीति को आगे बढ़ाने का संकेत माना जा रहा है।

गेमिंग की लत और तबाह होती नौनिहालों की जिंदगी

डॉ. रमेश ठाकुर

पिछले ही सप्ताह भोपाल की छत्रसाल कॉलोनी के एक व्यवसायी के 8वीं क्लास में पढ़ने वाले इकलौते बेटे ने गेमिंग में फंसकर आत्महत्या की थी। घटना चर्चाओं में थी कि वैसा ही एक और मामला गाजियाबाद में घट गया। सिलसिलेवार रूप से एक ही जैसे मामले लगातार प्रकाश में आ रहे हैं। बीते 24 महीनों में करीब 180 ऐसी ही घटनाएं देशभर में रिपोर्ट की गई हैं। एनसीआरबी के आंकड़ों में जिस हिसाब से 5 सालों में उछाल आया है, वह निश्चित रूप से रोंगटे खड़े करता है। कौन-सी तरकीब अपनाई जाए, जिससे बच्चे गेमिंग के चुंगल से निकल कर अपने पारंपरिक देशी किस्म के खेलकूदों की ओर मुड़ जाएं।

दरअसल, ऐसी जरूरत गाजियाबाद में तीन बहनों के सुसाइट के बाद और ज्यादा महसूस होने लगी है। क्यों मॉडर्न बच्चे मैदानी खेलों को छोड़ कर मोबाइल गेमिंग जैसी आफतों में घुसते जा रहे हैं। ऐसे सवालों का उत्तर समाज के प्रत्येक वर्ग को सामूहिक स्तर पर खोजना चाहिए। टीनएजर्स में गेमिंग की लत जानलेवा बीमारी जैसी हो गई है जिसका ताजा उदाहरण सामने है। कोरियन गेमिंग की आड़ में गाजियाबाद की तीन सगी नाबालिग बहनों ने "लवर गेम टास्क" में खुद को फंसा कर मौत को गले लगा लिया। उनके सुसाइड की खबर समाज में आग की तरह फैली हुई है। तीनों बहनों ने मौत को जिस भयावह अंदाज में अपनाया, उसने अभिभावकों को सबसे ज्यादा झकझोरा है। मृतकों ने अपने पिता के नाम चिट्ठी लिखकर मौत की वजह भी बताई। आठ पन्नों के सुसाइट नोट में उन्होंने अपनी अधूरी चाहत की पूरी दास्तां विस्तार से लिखी। ऐसी-ऐसी वजहें लिखीं, जिन्हें पढ़-सुनकर समाज सोचने पर विवश हुआ है।

घटना की शुरूआती पड़ताल बताती है कि गेम की गिरफ्त में तीनों बहनें ऐसी जकड़ी कि निकल ही नहीं पाई, निकलने की तमाम नाकाम कोशिशें जरूर की। लेकिन दलदल में इतनी फंस चुकी थी, वहां से निकलना उनके लिए नामुकिन हो गया। अंत में तीनों ने नौवीं मंजिल से छलांग लगाकर जीवनलीला समाप्त करना ही मुनासिब समझा। पुलिस घटना की तफ्तीश कर रही है। मामला जैसे-जैसे आगे बढ़ रहा है, नई-नई अचंभित करने वाली बातें सामने आ रही हैं। कुछ ऐसी भी बातें जिनपर एकाएक विश्वास करना मुश्किल है। पुलिस की थ्योरी और पड़ोसियों की मानें तो तीनों लड़कियां चौबीसों घंटे गेम में लगी रहती थीं। तीनों ही कोरियन लड़कों से शादी करने पर आमादा थी। गेमिंग के जरिए कोरियन कल्चर को उन्होंने अपने दिल-दिमाग में इस कदर बिठा लिया था कि कोरिया के बिना उनका जीवन बेकार है। उनकी हरकतों से परिवार भी बीते दो सालों से परेशान और चिंतित था। पिता ने तीनों से उनका मोबाइल भी छीन लिया, जिसके चलते उन्होंने लड़ना-झगड़ा शुरू कर दिया था। इसके अलावा लड़कियां रोजाना अपने परिवार पर कोरिया ले जाने का दबाव डालने लगी थीं। सुसाइड में तीनों बहनों ने दुखभरी इमोजी भी बनाई, जिसमें पिता चेतन कुमार को "सॉरी पापा" लिखकर, अंत में अलविदा शब्द लिखा।

ये बात अब साबित हो चुकी है कि ज्यादातर गेम साइको टाइप लत परोसने लगे हैं। बच्चों को ज्यादा से ज्यादा अपनेपन का एहसास कराने की जरूरत है। एक बार जो इसकी गिरफ्त में फंसा, आसानी से छुटकारा नहीं पा सकता। इस झकझोर देने वाली घटना को ध्यान में रखकर ये समझना होगा कि आखिर कोरियाई कल्चर टीनएजर्स को क्यों लुभाने रहा है? दरअसल, कोरियाई कल्चर की कुछ खासियतें हैं। उनका आधुनिक ड्रामा और के-पॉप प्यार और पारिवारिक भावनाएं लोगों को अपनी ओर आकर्षित करता है। उनके अपनेपन से लोग आसानी से उनसे जुड़ जाते हैं। कोरिया की आधुनिक और पारंपरिक जीवनशैली, के-फूड, फैशन और के-ब्यूटी भी युवाओं को खासा आकर्षित करती है। भारत में इस समय ओटीटी प्लेटफॉर्म पर कोरियन फिल्म, ड्रामा, सीरियल और मूवीज खूब पसंद किए जा रहे हैं। इन सबसे बढ़कर युवाओं पर उनका गेंमिंग सेक्टर ज्यादा प्रभाव डाल रहा है।

युवा हो रही पीढ़ी पर ऑनलाइन गेमिंग के गहरे मानसिक असर से बचाने की बड़ी चुनौती है। गाजियाबाद जैसी घटनाओं के चलते नाबालिगों का असमय चले जाना, अभिभावकों को भीतर तक आघात देता है। बदले हुए युग की आधुनिक तस्वीरें निश्चित रूप से डरावनी हैं। मैदान, पार्क, खेलकूद की तमाम जगहें बच्चों के बिना सूने पड़े हैं। उन्हें छोड़ कर बच्चे मोबाइलों में घुसे हैं। स्कूल से आने के बाद बच्चे मोबाइल पर झपट्टा मारते हैं। इस दुखद घटना से हम सभी को सीखने की जरूरत है।

घटना 4 फरवरी सुबह करीब सवा दो बजे गाजियाबाद के "भारत सिटी सोसाइटी" की है। पिता चेतन ने दो शादियां की थी, पहली बीवी से दो बेटियां हुई। लेकिन बेटे के चाहत में चेतन ने अपनी साली से ब्याह किया, उससे भी बेटी हुई। तीनों की उम्र महज 16, 14 और 12 वर्ष के आसपास थी। तीनों एक ही कमरे में ज्यादातर समय साथ बिताती थीं। कोविड के बाद किन्हीं वजह से उनका स्कूल जाना बंद हुआ। उसके बाद कथित तौर पर एक मोबाइल गेमिंग ऐप के प्रभाव में आ गईं।

दरअसल, यही बात अपने आप में सवाल खड़े करती है। बिना किसी हस्तक्षेप के बच्चे इतने साल अपनी पढ़ाई को कैसे गंवा सकते हैं? क्या उन्हें कोई दिक्कत थी। सीखने-पढ़ने में कोई कठिनाई थीं या फिर मानसिक स्वास्थ्य संबंधी कोई समस्याएं थीं। इसके अलावा कोई सामाजिक अलगाव या कुछ और समस्याएं थीं, जिस पर परिवार ने ध्यान नहीं दिया? इन सवालों को तय तक जांच-पड़ताल करने की जरूरत है क्योंकि एकाएक गेम की लत के चलते तीनों का दुनिया छोड़ देना, गले नहीं उतरता।

दैनिक पंचांग

8 फरवरी 2026 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

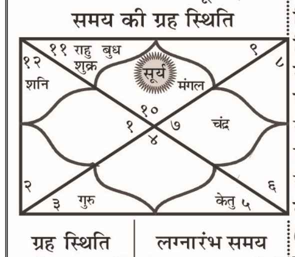

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य	मकर में	कुंभ	06.57 बजे से
चंद्र	तुला में	मीन	08.30 बजे से
मंगल	मकर में	मेष	10.00 बजे से
बुध	कुंभ में	वृष	11.40 बजे से
गुरु	मिथुन में	मिथुन	13.38 बजे से
शुक्र	कुंभ में	कर्क	15.52 बजे से
शनि	मीन में	सिंह	18.08 बजे से
राहु	कुंभ में	कन्या	20.20 बजे से
केतु	सिंह में	तुला	22.31 बजे से
राहुकाल		वृश्चिक	00.45 ब.से
4.30 से 6.00		धनु	03.01 बजे से
बजे तक		मकर	05.07 बजे से

रविवार 2026 वर्ष का 39 वा दिन **दिशाशूल** पश्चिम **ऋतु** शिशिर। **विक्रम संवत्** 2082 **शक संवत्** 1947 **मास** फाल्गुन (दक्षिण भारत में माघ) **पक्ष** कृष्ण **तिथि** सप्तमी 05.02 बजे प्रातः को समाप्त। **नक्षत्र** स्वाती 05.03 बजे प्रातः को समाप्त। **योग** गण्ड 00.08 बजे रात्र को समाप्त। **करण** विष्टि 15.55 बजे तदनन्तर बव 05.02 बजे प्रातः को समाप्त। **चन्द्रायु** 20.2 घण्टे **रवि क्रान्ति** दक्षिण 15° 04' **सूर्य** उत्तरायन **कलि अहर्गण** 1872614 **जूलियन दिन** 2461079.5 **कलियुग संवत्** 5126 **कल्पारंभ संवत्** 1972949123 **सृष्टि ग्रहारंभ संवत्** 1955885123 **वीरनिर्वाण संवत्** 2552 **हिजरी सन्** 1447 **महीना** सावान **तारीख** 19 **विशेष** भानु सप्तमी, शबरी जयंती।

दिन का चौघड़िया		रात का चौघड़िया	
उद्वेग	05.56 से 07.23 बजे तक	शुभ	05.36 से 07.09 बजे तक
चर	07.23 से 08.51 बजे तक	अमृत	07.09 से 08.41 बजे तक
लाभ	08.51 से 10.18 बजे तक	चर	08.41 से 10.14 बजे तक
अमृत	10.18 से 11.46 बजे तक	रोग	10.14 से 11.46 बजे तक
काल	11.46 से 01.14 बजे तक	काल	11.46 से 01.19 बजे तक
शुभ	01.14 से 02.41 बजे तक	लाभ	01.19 से 02.51 बजे तक
रोग	02.41 से 04.09 बजे तक	उद्वेग	02.51 से 04.24 बजे तक
उद्वेग	04.09 से 05.36 बजे तक	शुभ	04.24 से 05.53 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अतः आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। ■ Jagrutidaur.com, Bangalore

एक नजर

एमजीएम अस्पताल के कर्मियों पर लापरवाही और घूसखोरी का आरोप

पूर्वी सिंहभूम : कोल्हान के सबसे बड़े सरकारी स्वास्थ्य संस्थान एमजीएम अस्पताल एक बार फिर गंभीर लापरवाही, अमानवीय व्यवहार और कथित घूसखोरी के आरोपों को लेकर सुर्खियों में है। कदमा थाना क्षेत्र अंतर्गत कपाली निवासी राजा खान हाल ही में एक सड़क दुर्घटना में गंभीर रूप से घायल हो गए थे। दुर्घटना में उनका बायां पैर तीन जगहों से टूट गया, जिसके बाद उन्हें इलाज के लिए एमजीएम अस्पताल में भर्ती कराया गया। पीड़ित परिवार की आर्थिक स्थिति कमजोर होने के कारण इलाज की व्यवस्था कर पाना उनके लिए मुश्किल था। परिजनों की सूचना पर सामाजिक कार्यकर्ता विकास कुमार अस्पताल पहुंचे और ऑपरेशन में लगने वाली स्टील रॉड सहित अन्य आवश्यक सामग्री का भुगतान कर इलाज की प्रक्रिया आगे बढ़ाने का प्रयास किया। इसके बावजूद आरोप है कि अस्पताल प्रशासन और स्टाफ की लापरवाही के चलते मरीज को समय पर ऑपरेशन नहीं किया गया। शनिवार को परिजनों ने आरोप लगाया है कि ऑपरेशन के लिए तैयार मरीज को करीब पांच से छह घंटे तक व्हीलचेयर पर ऑपरेशन थिएटर के बाहर बैठाए रखा गया और बार-बार ऑपरेशन टाल दिया गया। इस दौरान मरीज की हालत लगातार बिगड़ती रही, लेकिन न तो उचित इलाज किया गया और न ही परिजनों को स्पष्ट जानकारी दी गई। सबसे गंभीर आरोप यह है कि ऑपरेशन के लिए 35 हजार रुपये की अवैध मांग की जा रही थी। परिजनों का कहना है कि रुपये नहीं देने पर ऑपरेशन की तारीख तय नहीं की गई। विरोध करने पर अस्पताल के कुछ कर्मचारियों, नर्सों और स्टाफ द्वारा मरीज, परिजनों और मौके पर पहुंचे पत्रकारों के साथ अभद्र व्यवहार और धमकी देने का भी आरोप है।

टेंट हाउस के गोदाम में भीषण आग लाखों का नुकसान

पूर्वी सिंहभूम : बिरसानगर थाना क्षेत्र के संडे मार्केट स्थित बेदी टेंट हाउस के गोदाम में शनिवार सुबह अचानक भीषण आग लग गई। आग लगने की यह घटना सुबह करीब सात बजे हुई, जिससे पूरे इलाके में अफरा-तफरी मच गई। आग की तेज लपटें और काले धुएं का गुबार दूर-दूर तक दिखाई देने लगा, जिससे आसपास के लोगों में दहशत फैल गई। स्थानीय लोगों द्वारा आग लगने की सूचना मिलते ही बिरसानगर थाना की पुलिस मौके पर पहुंची और तत्काल दमकल विभाग को इसकी जानकारी दी गई। आग की गंभीरता को देखते हुए टाटा मोटर्स की एक दमकल गाड़ी के साथ-साथ सरकारी दमकल वाहन को भी मौके पर लगाया गया। दमकल कर्मियों ने तुरंत मोर्चा संभालते हुए आग बुझाने का कार्य शुरू किया।

नगरपालिका चुनाव को लेकर सभी मतदान केंद्र तंबाकू मुक्त क्षेत्र घोषित

पश्चिमी सिंहभूम : नगरपालिका (आम) निर्वाचन 2026 के तहत पश्चिमी सिंहभूम जिला प्रशासन ने सभी मतदान केंद्रों को तंबाकू मुक्त क्षेत्र घोषित किया है। इस संबंध में जिला निर्वाचन पदाधिकारी (नगरपालिका) के कार्यालय से सूचना भवन (मीडिया कोषांग) की ओर से शुक्रवार को प्रेस विज्ञप्ति संख्या 22/2026 जारी की गई है। जारी विज्ञप्ति के अनुसार, मतदान दिवस 23 फरवरी 2026 को नगर परिषद क्षेत्र अंतर्गत सभी मतदान केंद्रों एवं उनके परिसरों में किसी भी प्रकार के तंबाकू उत्पाद का उपयोग पूरी तरह प्रतिबंधित रहेगा। प्रतिबंधित वस्तुओं में सिगरेट, बीड़ी, खैनी, गुटखा, पान मसाला, जर्दा सहित अन्य तंबाकू पदार्थ शामिल हैं।

युवा उद्यमी कैरव गांधी अपहरण कांड का खुलासा पंजाब का तेजिंदर पाल सिंह मास्टरमाइंड गिरफ्तार

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

पूर्वी सिंहभूम : बिष्टुपुर थाना क्षेत्र के सीएच एरिया निवासी युवा उद्यमी कैरव गांधी के अपहरण कांड में पुलिस जांच के दौरान चौंकाने वाले और सनसनीखेज तथ्य सामने आए हैं। इस हाई-प्रोफाइल अपहरण मामले का मास्टरमाइंड पंजाब के लुधियाना जिले का रहने वाला तेजिंदर पाल सिंह उर्फ सरदार जी निकला है, जिसे पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस अब यह पता लगाने में जुटी है कि अपहरण के बाद फिरौती की रकम ली गई थी या नहीं। इस दौरान मुठभेड़ में तीन अपहरणकर्ता घायल हुए। उन्हें इलाज के बाद जेल भेज दिया गया। गौरतलब है कि 13 जनवरी को कैरव गांधी का अपहरण सीएच एरिया से उस समय कर लिया गया था, जब अपराधियों ने खुद को पुलिसकर्मी बताकर उसे जबरन वाहन में बैठा लिया था। घटना के बाद जिले में हड़कंप मच गया था। पुलिस के बढ़ते दबाव के चलते 26 जनवरी की रात अपहृत उद्यमी को हजारीबाग जिले के चौपारण-बरही सीमा के पास छोड़ दिया गया। एसएसपी पीयूष पांडेय के अनुसार, इस पूरे मामले का खुलासा अपहरण कांड में गिरफ्तार और मुठभेड़ में घायल आरोपी मोहम्मद इमरान उर्फ आमिर से पूछताछ के बाद हुआ। नालंदा जिले के इस्लामपुर थाना क्षेत्र निवासी इमरान ने बताया कि अपहरण की प्लानिंग जमशेदपुर के मानगो इलाके में गई थी और इसमें कुल 12 लोग शामिल थे। पूरी योजना तेजिंदर पाल सिंह के निर्देश पर तैयार की गई थी। इमरान ने बताया कि अपहरण में इस्तेमाल वाहन खरीदने के लिए तेजिंदर ने चार लाख रुपये उपलब्ध कराए थे। वारदात के बाद तेजिंदर और उसका सहयोगी साद आलम इंडोनेशिया फरार हो गए थे, जहां से वे अपहृत के परिजनों से फिरौती को लेकर संपर्क में थे। साद आलम के माध्यम से ही इमरान की पहचान तेजिंदर से हुई थी। पूछताछ में यह भी सामने आया कि अपहरण से पहले अपराधियों ने कई महीनों तक जमशेदपुर में किराए के मकान तलाशे, पुलिस की गतिविधियों की रेकी की और पूरी प्लानिंग की। हथियार, कारतूस और एक पुरानी स्कॉर्पियो की व्यवस्था भी पहले से की गई थी। स्कॉर्पियो ओएलएक्स के जरिए पटना से खरीदी गई थी। इस मामले में पुलिस अब तक कई आरोपियों को गिरफ्तार कर चुकी है, जिनमें गुड्डू सिंह, उपेंद्र सिंह, मोहम्मद इमरान, मोहन कुमार और अर्जुन सिंह शामिल हैं। अधिकांश आरोपी न्यायिक हिरासत में हैं, जबकि अन्य की तलाश जारी है। पुलिस का कहना है कि जल्द ही इस बात से भी पर्दा उठेगा कि फिरौती की रकम का क्या हुआ। यह मामला अब अंतरराज्यीय अपराध नेटवर्क के रूप में सामने आया है।

पलामू के 718 उम्मीदवारों को चुनाव चिन्हों का आवंटन, प्रचार शुरू

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

पलामू : निकाय चुनाव को लेकर पलामू जिले के पांच निकाय क्षेत्र मेदिनीनगर नगर निगम, विश्रामपुर नगर पर्षद, छतरपुर, हुसैनाबाद एवं हरिहरगंज नगर पंचायत के 718 उम्मीदवारों को चुनाव चिन्हों का आवंटन शनिवार को हो गया। इसके साथ ही चुनाव प्रचार की शुरूआत भी हो गयी। इनमें मेयर और अध्यक्ष पद मिलाकर 73 उम्मीदवार हैं जबकि वार्ड पार्षद के 645 प्रत्याशी शामिल हैं। वार्ड पार्षद पद के चार उम्मीदवार निर्विरोध निर्वाचित घोषित किए गए हैं। जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह उपायुक्त समीरा एस ने शनिवार शाम पांच बजे समाहरणालय में पत्रकारों को बताया कि निगम के मेयर पद के लिए 11 प्रत्याशी चुनाव मैदान में है, जबकि विश्रामपुर नगर पर्षद के अध्यक्ष पद के लिए 21, हुसैनाबाद नगर पंचायत अध्यक्ष पद के लिए सात, हरिहरगंज नगर पंचायत अध्यक्ष पद के लिए 10 और छतरपुर नगर पंचायत अध्यक्ष पद के लिए 24 उम्मीदवार चुनाव मैदान में हैं। वार्ड पार्षद की बात करें तो नगर निगम मेदिनीनगर में 180, बिश्रामपुर नगर पर्षद में 135, हुसैनाबाद नगर पंचायत में 77, हरिहरगंज नगर पंचायत में 106 और छतरपुर नगर पंचायत में 147 उम्मीदवार चुनाव मैदान में किस्मत आजमाएंगे। सभी को चुनाव चिन्ह आवंटित कर दिया गया। निर्धारित संख्या में ही वाहनों का इस्तेमाल चुनाव प्रचार के लिए किया जा सकेगा। निर्वाचन पदाधिकारी ने बताया कि नगर निगम मेयर छह गाड़ी, पार्षद चार, विश्रामपुर अध्यक्ष चार, पार्षद तीन, नगर पंचायत अध्यक्ष तीन, पार्षद दो वाहनों का इस्तेमाल करेंगे। इसके अतिरिक्त अगर वाहनों का इस्तेमाल चुनाव प्रचार के लिए किया जाएगा तो मामले में प्राथमिकी दर्ज करके कार्रवाई की जाएगी।

रोटरी क्लब ने दिखाई मानवता, सड़क दुर्घटना में घायल युवक को दी व्हील चेयर

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

भुरकुंडा : समाज में जब संवेदनशीलता और सेवा भावना एक साथ दिखाई देती है, तब ऐसे प्रयास मानवता के लिए प्रेरणा बन जाते हैं। भुरकुंडा क्षेत्र में रोटरी क्लब ऑफ भुरकुंडा ने ऐसा ही एक सराहनीय कार्य करते हुए भदानीनगर नगर क्षेत्र के ग्लास फैक्ट्री सिंगल यूनिट में रहने वाले एक जरूरतमंद युवक को व्हील चेयर प्रदान की। इस सहयोग से घायल युवक को न केवल सहारा मिला, बल्कि उसके जीवन में फिर से उम्मीद की किरण जगी। रोटरी क्लब के मीडिया प्रभारी प्रवीण शर्मा ने जानकारी देते हुए बताया कि शंकरदीन अहीरवार कुछ दिन पूर्व एक सड़क दुर्घटना का शिकार हो गए थे। इस दुर्घटना में उनके दोनों पैरों में गंभीर चोटें आई थीं, जिसके बाद उन्हें ऑपरेशन कराना पड़ा। ऑपरेशन के बाद चिकित्सकों ने उन्हें लंबे समय तक आराम और सहारे के साथ चलने की सलाह दी थी। आर्थिक स्थिति कमजोर होने के कारण उनके लिए व्हील चेयर की व्यवस्था कर पाना मुश्किल हो रहा था, जिससे उन्हें दैनिक जीवन में काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा था। घटना की जानकारी जैसे ही रोटरी क्लब ऑफ भुरकुंडा तक पहुंची, क्लब के सदस्यों ने तुरंत सहायता का निर्णय लिया। क्लब ने मानवीय संवेदना दिखाते हुए जरूरतमंद युवक को व्हील चेयर उपलब्ध कराई। व्हील चेयर मिलने के बाद घायल युवक और उसके परिवार के चेहरे पर राहत और संतोष साफ दिखाई दिया। उन्होंने रोटरी क्लब के इस सहयोग के लिए आभार जताया। इस अवसर पर मीडिया प्रभारी प्रवीण शर्मा ने कहा कि रोटरी क्लब हमेशा समाज के कमजोर और जरूरतमंद वर्ग की सहायता के लिए तत्पर रहता है। क्लब का उद्देश्य केवल सामाजिक गतिविधियों तक सीमित नहीं है, बल्कि हर उस व्यक्ति तक मदद पहुंचाना है, जिसे वास्तव में इसकी जरूरत हो।

सड़कों के निर्माण को लेकर विधायक ने अभियंता प्रमुख से की मुलाकात

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

खूंटी : तोरपा विधानसभा क्षेत्र की जर्जर, लंबित और प्रस्तावित सड़कों के निर्माण और सुदृढ़ीकरण को लेकर विधायक सुदीप गुड़िया ने शनिवार को झारखंड मंत्रालय पहुंचकर पथ निर्माण विभाग के अभियंता प्रमुख से मुलाकात की और क्षेत्र की महत्वपूर्ण सड़कों की वर्तमान स्थिति पर चर्चा की। मुलाकात के दौरान विधायक ने अभियंता प्रमुख को बताया कि तोरपा क्षेत्र की कई सड़क लंबे समय से जर्जर अवस्था में हैं, जिससे ग्रामीण और शहरी दोनों इलाकों के लोगों को आवागमन में भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने इन सड़कों के पुनर्निर्माण, उन्नयन तथा लंबित योजनाओं को शीघ्र स्वीकृति देने का आग्रह किया, ताकि आमजन को सुरक्षित और सुगम यातायात सुविधा मिल सके। विधायक सुदीप गुड़िया ने जनहित से जुड़ी पथ योजनाओं को प्राथमिकता के आधार पर स्वीकृत कर जल्द धरातल पर उतारने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि तोरपा विधानसभा क्षेत्र का सर्वांगीण विकास उनकी सर्वोच्च प्राथमिकता है और सड़क संपर्क को मजबूत बनाने के लिए वे लगातार प्रयासरत हैं। बताया गया कि विभागीय स्तर पर सकारात्मक पहल का आश्वासन मिला है। इससे क्षेत्रवासियों में उम्मीद जगी है कि निकट भविष्य में तोरपा क्षेत्र की सड़कों की स्थिति में सुधार होगा और लोगों को बेहतर आवागमन सुविधा प्राप्त होगी।

बीजूलिया ओवरब्रिज पर भीषण हादसा, भाजपा नेता धनंजय पुटूस की तत्परता से बची जान

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

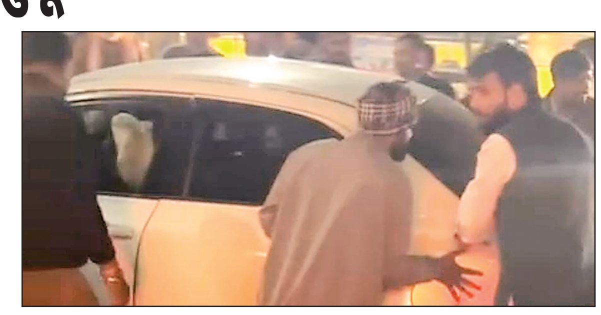

रामगढ़ : रामगढ़ जिले के बीजूलिया रेलवे ओवरब्रिज पर देर रात एक दर्दनाक सड़क दुर्घटना घटी, जिससे कुछ समय के लिए इलाके में अफरा-तफरी का माहौल बन गया। तेज रफ्तार से गुजर रही एक मारुति सुजुकी डिजायर कार अनियंत्रित होकर दुर्घटनाग्रस्त हो गई। हादसे की तीव्रता का अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है कि कार के शीशे पूरी तरह टूट गए और वाहन बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। दुर्घटना के दौरान कार में सवार एक व्यक्ति का सिर सीधे शीशे से जा टकराया, जिससे उसका सिर फट गया और वह गंभीर रूप से घायल हो गया। टक्कर के बाद कार में फंसे घायल व्यक्ति की हालत देख मौके पर मौजूद लोगों में दहशत फैल गई और चारों ओर चीख-पुकार मच गई। घायल खून से लथपथ अवस्था में कार के भीतर ही फंसा हुआ था। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, घटना की सूचना तुरंत समाजसेवी एवं भाजपा नेता धनंजय कुमार पुटूस को दी गई। सूचना मिलते ही उन्होंने बिना किसी देरी के घटनास्थल की ओर रुख किया और मौके पर पहुँचकर हालात का जायजा लिया। स्थिति की गंभीरता को समझते हुए उन्होंने एक पल भी गँवाए बिना घायल व्यक्ति को स्वयं उठाकर नजदीकी अस्पताल पहुँचाने की व्यवस्था की। बताया जा रहा है कि दुर्घटना के मात्र पंद्रह मिनट के भीतर घायल को अस्पताल में भर्ती करा दिया गया, जहाँ डॉक्टरों ने तत्काल उसका इलाज शुरू किया। चिकित्सकों के अनुसार, समय पर अस्पताल पहुँच जाने के कारण घायल की स्थिति अब खतरे से बाहर है। डॉक्टरों का कहना है कि यदि कुछ समय की भी देरी होती, तो स्थिति और गंभीर हो सकती थी। स्थानीय लोगों का कहना है कि सड़क दुर्घटनाओं में सबसे अहम भूमिका समय पर मिलने वाले इलाज की होती है। इस घटना में भाजपा नेता धनंजय कुमार पुटूस की त्वरित कार्रवाई और मानवीय संवेदना ने एक व्यक्ति की जान बचा ली और एक परिवार को गहरे संकट से उबार लिया।

भुरकुंडा में खेल का महाकुंभ, ब्लैक डायमंड टी10 क्रिकेट टूर्नामेंट से गूंजा मैदान

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

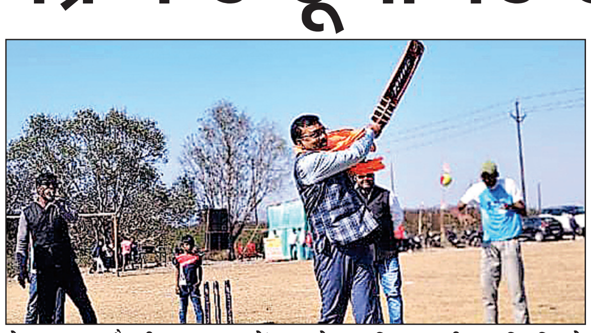

भुरकुंडा : भुरकुंडा क्षेत्र में क्रिकेट प्रेमियों के लिए रोमांच और उत्साह से भरे दिन शुरू हो गए हैं। न्यू बेरेक 2 नंबर चीफ हाउस मैदान में ब्लैक डायमंड टी10 क्रिकेट टूर्नामेंट का भव्य शुभारंभ किया गया। उद्घाटन के साथ ही पूरा मैदान खेल भावना, जोश और तालियों की गूंज से भर उठा। खिलाड़ियों से लेकर दर्शकों तक, हर कोई इस क्रिकेट महोत्सव का हिस्सा बनता नजर आया। इस प्रतिष्ठित टूर्नामेंट की शुरूआत बड़का गांव के भाजपा विधायक रोशन लाल चौधरी द्वारा पहला गेंद खेलकर की गई। जैसे ही उद्घाटन हुआ, मैदान में मौजूद खिलाड़ियों और दर्शकों का उत्साह देखते ही बन रहा था। उद्घाटन समारोह के दौरान मनोज राम और सलील मोहन सिन्हा की उपस्थिति ने आयोजन की गरिमा को और बढ़ा दिया। मंच पर आयोजकों ने अतिथियों का स्वागत किया और टूर्नामेंट के उद्देश्यों की जानकारी दी। आयोजन समिति के अनुसार ब्लैक डायमंड टी10 क्रिकेट टूर्नामेंट कुल 10 दिनों तक चलेगा। इस प्रतियोगिता में कुल 16 टीमें भाग ले रही हैं, जो आपस में टी10 प्रारूप में मुकाबला करेंगी। सभी मैच प्रतिदिन सुबह 9 बजे से शुरू होंगे। छोटे प्रारूप के कारण मुकाबले तेज, रोमांचक और दर्शकों के लिए बेहद आकर्षक रहने की उम्मीद है। आयोजकों ने यह भी बताया कि हर मैच में शानदार प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ी को मैन ऑफ द मैच का पुरस्कार देकर सम्मानित किया जाएगा, जिससे खिलाड़ियों का मनोबल और बढ़ेगा। उद्घाटन अवसर पर विधायक रोशन लाल चौधरी ने खिलाड़ियों और दर्शकों को संबोधित करते हुए कहा कि खेल युवाओं को अनुशासन, मेहनत और टीम भावना सिखाता है। उन्होंने कहा कि इस तरह के आयोजन न केवल प्रतिभाओं को मंच प्रदान करते हैं, बल्कि युवाओं को सकारात्मक दिशा में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित भी करते हैं। उन्होंने आयोजन समिति के प्रयासों की सराहना करते हुए टूर्नामेंट के सफल आयोजन की शुभकामनाएं दीं।

संक्षिप्त खबरें

संसार के सुख-दुख का रहस्य उजागर, स्वामी के प्रवचन से श्रोताओं को मिला आत्मिक आनंद

रामगढ़ : आध्यात्मिक ज्ञान की गंगा में डुबकी लगाते हुए दूसरे दिन भी स्वामी ने संसार के वास्तविक स्वरूप पर गहन और विचारोत्तेजक चर्चा की। प्रवचन के दौरान उन्होंने ऐसे प्रश्न उठाए, जो सामान्य जन के मन में बार-बार आते हैं, लेकिन जिनके उत्तर अक्सर स्पष्ट नहीं हो पाते। स्वामी ने वेद और शास्त्र सम्मत तर्कों के माध्यम से इन प्रश्नों के उत्तर देकर श्रोताओं को आत्मचिंतन की नई दिशा दी। प्राचीन परंपरा के अनुसार स्वामी ने पहले प्रश्न स्वयं रखे और फिर जगद्गुरु कृपालु महाराज द्वारा प्रदत्त अनुपम ज्ञान के आलोक में उनके उत्तर प्रस्तुत किए। उन्होंने पूछा— क्या संसार में वास्तव में सुख है? क्या संसार केवल दुखों से भरा है? या फिर संसार में सुख और दुख दोनों हैं? अथवा दोनों ही नहीं हैं? स्वामी ने समझाया कि जिसे हम सुख मानते हैं, वह शरीर की पांच इंद्रियों से मिलने वाला अनुभव मात्र है। शब्द, स्पर्श, रूप, रस और गंध— इन्हीं के माध्यम से मनुष्य सुख की अनुभूति करता है। लेकिन यह सुख स्थायी नहीं होता। इंद्रियों को जितना अधिक विषयों का भोग मिलता है, उतना ही भीतर का संसार फैलता चला जाता है और व्यक्ति उन्हीं अनुभवों में उलझकर रह जाता है। उन्होंने कहा कि भीतर का संसार बाहर के संसार से कहीं अधिक प्रभावशाली होता है। जब हम किसी व्यक्ति, वस्तु या परिस्थिति के बारे में बार-बार सोचते हैं, तो वह हमारे मन में बस जाती है। यदि हम उसे देख भी लेते हैं, तो भीतर का संसार और गहरा हो जाता है। इस स्थिति में बाहर का संसार समाप्त हो भी जाए, तब भी मन की अशांति खत्म नहीं होती। स्वामी ने उदाहरण देते हुए बताया कि यदि किसी व्यक्ति के बाहरी संबंध समाप्त हो जाएं, तो यह मान लेना गलत है कि उसे अब कोई दुख नहीं होगा। बाहर का संसार भले ही समाप्त हो जाए, लेकिन भीतर का संसार जीवित रहता है। स्मृतियां, अपेक्षाएं और भावनाएं मन में बनी रहती हैं। यही भीतर का संसार मनुष्य के दुख और अशांति का मूल कारण है। स्वामी ने स्पष्ट किया कि यह स्थिति तभी बदल सकती है, जब मनुष्य त्रिगुणात्मिका माया से ऊपर उठे और भगवान की प्राप्ति करे। उसी अवस्था में वास्तविक प्रेम, शांति और आनंद संभव है।

दामोदर नदी पुल से महिला ने लगाई छलांग पुलिस की तत्परता से बची जान

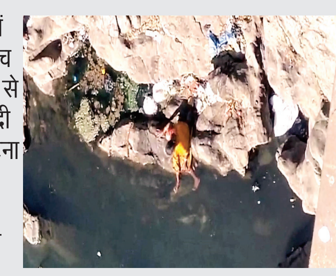

भुरकुंडा : रामगढ़ शहर में उस वक्त अफरा-तफरी मच गई, जब दामोदर नदी पुल से एक महिला ने अचानक नदी में छलांग लगा दी। यह घटना रामगढ़ स्थित दामोदरपुर क्षेत्र की बताई जा रही है। महिला के पुल से कूदते ही आसपास मौजूद लोगों में हड़कंप मच गया और देखते ही देखते पुल पर यातायात पूरी तरह बाधित हो गया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, महिला अचानक पुल के किनारे पहुंची और किसी को कुछ समझने का मौका मिले, उससे पहले उसने नदी में छलांग लगा दी। घटना के बाद पुल पर लोगों की भीड़ जुट गई। कई लोग इधर-उधर से पुल पर रुक गए, जिससे कुछ ही देर में दोनों ओर वाहनों की लंबी कतार लग गई और यातायात जाम की स्थिति उत्पन्न हो गई। घटना के तुरंत बाद इलाके में तरह-तरह की चर्चाएं शुरू हो गईं। लोग महिला के नदी में कूदने के कारणों को लेकर अलग-अलग कयास लगाने लगे। हालांकि, महिला ने यह कदम किन परिस्थितियों में उठाया, इसके पीछे क्या वजह रही, इसकी अभी तक आधिकारिक पुष्टि नहीं हो पाई है। सूचना मिलते ही रामगढ़ पुलिस मौके पर पहुंची और तुरंत राहत व बचाव कार्य शुरू किया। पुलिस और स्थानीय लोगों के सहयोग से पुल के नीचे जाकर महिला को नदी से बाहर निकाला गया। गनीमत रही कि महिला को समय रहते बाहर निकाल लिया गया, जिससे उसकी जान बच सकी। हालांकि, महिला को गंभीर चोटें आने की बात सामने आई है। महिला को नदी से बाहर निकालने के बाद प्राथमिक उपचार के लिए अस्पताल भेजा गया, जहां उसका इलाज जारी है। चिकित्सकों के अनुसार, महिला की हालत फिलहाल स्थिर बताई जा रही है, लेकिन चोटों को देखते हुए उसे चिकित्सकीय निगरानी में रखा गया है।

सरस्वती विद्या मंदिर में दीक्षा समारोह, कक्षा 12वीं के विद्यार्थियों को दी गई भावभीनी विदाई

चितरपुर : कोयलांचल क्षेत्र स्थित सरस्वती विद्या मंदिर रजरप्पा में दीक्षा समारोह का आयोजन गरिमामय वातावरण में किया गया। इस अवसर पर कक्षा 11वीं के विद्यार्थियों ने कक्षा 12वीं के विद्यार्थियों को भावभीनी विदाई दी। कार्यक्रम विद्यालय परिसर में अनुशासित और आत्मीय माहौल के बीच संपन्न हुआ। समारोह का शुभारंभ विद्यालय के प्राचार्य उमेश प्रसाद, प्रभारी मिथलेश कुमार खन्ना एवं राकेश कुमार सहाय द्वारा संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलन कर किया गया। इसके पश्चात कक्षा 11वीं के छात्र-छात्राओं ने अपने वरिष्ठ विद्यार्थियों का तिलक लगाकर स्वागत किया, जिससे कार्यक्रम का माहौल और भी भावनात्मक हो गया। इस अवसर पर प्राचार्य उमेश प्रसाद ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि जीवन में सफलता पाने के लिए लक्ष्य के प्रति निष्ठा, अनुशासन और निरंतर परिश्रम आवश्यक है। उन्होंने विद्यार्थियों को आने वाली चुनौतियों का डटकर सामना करने की सीख दी और कहा कि शिक्षा केवल परीक्षा तक सीमित नहीं है, बल्कि यह जीवन को सही दिशा देने का माध्यम है। साथ ही उन्होंने विद्यार्थियों से अपने शिक्षकों, माता-पिता और समाज के प्रति सम्मान और कृतज्ञता बनाए रखने का आग्रह किया। कार्यक्रम में कक्षा द्वादश के कक्षाचार्य राकेश कुमार सहाय ने विद्यार्थियों को शुभकामनाएं देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। उन्होंने कहा कि विद्यालय में प्राप्त संस्कार और शिक्षा विद्यार्थियों को आगे के जीवन में सही मार्ग दिखाएंगे। इसके बाद कक्षा 12वीं की छात्राओं ने अपने विद्यालय जीवन से जुड़े अनुभव साझा किए। उन्होंने विद्यालय में बिताए गए यादगार पलों, शिक्षकों के मार्गदर्शन और मित्रों के साथ बिताए समय को याद करते हुए भावुक क्षण प्रस्तुत किए, जिससे उपस्थित सभी लोग भावविभोर हो उठे। कार्यक्रम के अंत में मिथलेश कुमार खन्ना, अनिल कुमार त्रिपाठी, अमरदीप नाथ शाहदेव, बच्चूलाल तिवारी, शशिकांत, इंद्रजीत सिंह, देव कुमार, दुर्गा प्रसाद, नितेश सिन्हा, शम्मी राज, दिलीप सिंह, चितरंजन लाल खन्ना, रोहित राज, उषा कुमारी, रिंकी कुमारी, पूनम सिंह, ज्योति कुमारी और ललिता गिरी सहित सभी आचार्यों एवं दीदीयों ने विद्यार्थियों को बोर्ड परीक्षा के लिए शुभकामनाएं दीं। उन्होंने विद्यार्थियों को मेहनत, लगन और आत्मविश्वास के साथ परीक्षा की तैयारी करने का संदेश दिया। कार्यक्रम का संचालन आचार्या गायत्री कुमारी एवं कक्षा 11वीं की छात्रा सलोनी कुमारी ने संयुक्त रूप से किया। समारोह का समापन शुभकामनाओं और प्रेरणादायक संदेशों के साथ हुआ।

नगरपालिका आम निर्वाचन 2026 को लेकर अभ्यर्थियों के साथ संयुक्त बैठक आयोजित

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

पाकुड़ : नगरपालिका आम निर्वाचन 2026 को निष्पक्ष, शांतिपूर्ण एवं पारदर्शी तरीके से संपन्न कराने के उद्देश्य से व्यय प्रेक्षक सुनील कुमार, सामान्य प्रेक्षक रंजित लोहरा एवं जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह उपायुक्त मनीष कुमार की अध्यक्षता में अभ्यर्थियों के साथ संयुक्त बैठक रविन्द्र भवन टाउन हॉल में आयोजित की गई। बैठक में व्यय प्रेक्षक, सामान्य प्रेक्षक, उपायुक्त, परियोजना निदेशक आईटीडीए, सभी निवार्ची पदाधिकारी, सहायक निवार्ची पदाधिकारी सहित विभिन्न अभ्यर्थी उपस्थित थे। बैठक को संबोधित करते हुए निवार्ची पदाधिकारी अभिषेक कुमार सिंह ने कहा कि सभी अभ्यर्थियों को कैंडिडेट

हैंडबुक उपलब्ध करा दी गई है। उन्होंने अभ्यर्थियों से पुस्तिका में दिए गए दिशा- निदेर्शों एवं नियमों का गंभीरता से अध्ययन कर उनका पालन सुनिश्चित करने की अपील की। उन्होंने कहा कि जानकारी के अभाव में नियम उल्लंघन की स्थिति उत्पन्न हो सकती है। उन्होंने विशेष रूप से कहा कि वर्तमान में विद्यालयों की परीक्षाएं संचालित हो रही हैं, इसलिए चुनाव प्रचार से विद्यार्थियों की पढ़ाई प्रभावित नहीं होनी चाहिए। साथ ही उन्होंने निर्वाचन व्यय का समुचित संधारण अनिवार्य बताते हुए कहा कि इसकी नियमित जांच प्रशासन द्वारा की जाएगी। वरीय पदाधिकारी, नगरपालिका आम निर्वाचन सह परियोजना निदेशक आईटीडीए अरूण कुमार एक्का ने कहा कि सभी अभ्यर्थी निर्वाचन से संबंधित दिशा- निदेर्शों का पालन करते हुए निर्धारित समय पर आवश्यक औपचारिकताएं पूर्ण करें।उन्होंने कहा कि चुनाव परिणाम घोषणा से पूर्व अंतिम जांच की जाएगी, जिसे सभी अभ्यर्थी गंभीरता से लें। साथ ही उन्होंने चुनाव प्रचार के दौरान विद्यार्थियों की पढ़ाई या परीक्षा में किसी प्रकार की बाधा उत्पन्न नहीं होने देने पर विशेष बल दिया। व्यय प्रेक्षक सुनील कुमार ने निर्वाचन व्यय लेखा संधारण से संबंधित महत्वपूर्ण दिशा-निर्देश देते हुए कहा कि चुनावी खर्च का समुचित एवं नियमित लेखा-जोखा रखना अनिवार्य है। उन्होंने बताया कि अभ्यर्थियों को उपलब्ध कराए गए व्यय लेखा रजिस्टर में वाहन, प्रचार सामग्री,सभा आयोजन सहित सभी खर्च का विवरण दर्ज करना होगा तथा निर्वाचन व्यय हेतु पृथक बैंक खाता संचालित करना आवश्यक है। उन्होंने स्पष्ट किया कि चुनाव परिणाम घोषित होने के बाद निर्धारित समय-सीमा के भीतर व्यय विवरण जमा नहीं करने पर निर्वाचन नियमों के तहत कार्रवाई की जा सकती है। सामान्य प्रेक्षक रंजित लोहरा ने कहा कि चुनाव प्रक्रिया प्रशासन, अभ्यर्थियों एवं आम जनता के सामूहिक सहयोग से सफलतापूर्वक संपन्न होती है। उन्होंने उम्मीद जताई कि इस बार भी सभी के सहयोग से शांतिपूर्ण एवं निष्पक्ष चुनाव संपन्न होगा।उन्होंने अभ्यर्थियों को निर्वाचन आयोग द्वारा उपलब्ध दिशा-निदेर्शों का पालन करने, चुनाव प्रचार से पूर्व अनुमति लेने तथा आचार संहिता का कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित करने का निर्देश दिया।

एक नजर

गुम मोबाइल फोन को बरामद कर थाना प्रभारी ने परिजन को सौंपा

साहिबगंज : राजमहल थाना पुलिस ने एक बार फिर आम जनता के प्रति अपनी संवेदनशीलता और तत्परता का परिचय दिया है। थाना प्रभारी हसनैन अंसारी के नेतृत्व में राजमहल थाना क्षेत्र से गुम हुए एक मोबाइल फोन को सफलतापूर्वक बरामद कर उसके वास्तविक मालिक को सौंपा गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार, मो. नसीम राजा पिता अब्दुल सत्तार शेख, गांव हाजीपुर अली टोला, थाना राजमहल, जिला साहिबगंज का कुछ दिन पहले मोबाइल फोन कहीं गिरकर खो गया था। पीड़ित द्वारा थाना में सूचना दर्ज कराई गई थी। पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए मामले की जांच शुरू की। तकनीकी सहायता और स्थानीय स्तर पर खोजबीन के बाद मोबाइल बरामद कर लिया गया। थाना प्रभारी ने आवश्यक कागजी प्रक्रिया पूरी करने के बाद मोबाइल उसके मालिक को सौंप दिया। अपना खोया हुआ मोबाइल वापस पाकर मालिक ने पुलिस प्रशासन का आभार व्यक्त किया। स्थानीय लोगों ने भी पुलिस की इस कार्यशैली की सराहना की और कहा कि इससे आम जनता का पुलिस पर विश्वास और मजबूत होता है।

मागे पर्व की धूम, विधायक सोनाराम सिंकु परिवार संग हुए शामिल

पश्चिमी सिंहभूम : पश्चिमी सिंहभूम जिला स्थित जगन्नाथपुर विधानसभा क्षेत्र अंतर्गत ग्राम साननंदा में आदिवासी पर्व मागे पर्व शनिवार को श्रद्धा, उत्साह और हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इस अवसर पर जगन्नाथपुर विधायक सह उप मुख्य सचेतक सोनाराम सिंकु अपने परिवार के साथ शामिल हुए, जिससे गांव में उत्सव का माहौल और भी उल्लासपूर्ण हो गया। मागे पर्व के अवसर पर सोनाराम सिंकु अपनी पत्नी तुलसी सिंकु, पुत्र जगप्रीत सिंकु तथा पुत्री ईशा सिंकु और निशा सिंकु के साथ गांव स्थित जहेरा स्थल पहुंचे। मागे पर्व आदिवासी हो समाज का प्रमुख पर्व माना जाता है, जो गऊमाराह से प्रारंभ होकर ओतेएली, गोरीपर्व, मरांगपर्व, बासीपर्व एवं हारमागेया पर्व के रूप में मनाया जाता है। मरांगपर्व के दिन मुख्य देऊरी सारीम लागुरी एवं सहायक देऊरी मनोज बोबोंगा द्वारा गांव की सुख-समृद्धि, शांति और मंगलकामना के लिए विधिवत पूजा-अर्चना कराई गई। इस पूजा में हजारों की संख्या में ग्रामीण श्रद्धा के साथ शामिल हुए। पूजा के बाद गांव में पारंपरिक सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। मंदार की गूंजती धुन पर ग्रामीणों ने सामूहिक रूप से पारंपरिक नृत्य और गीत प्रस्तुत किए। कार्यक्रम में युवा, महिलाएं, बुजुर्ग और बच्चे सभी बढ़-चढ़कर शामिल हुए और पूरे गांव में पर्व जैसा माहौल बना रहा। विधायक के आगमन पर ग्रामीणों में विशेष उत्साह देखने को मिला। ग्रामीणों ने उनका पारंपरिक रीति-रिवाज से स्वागत किया। इस दौरान सोनाराम सिंकु ने ग्रामीणों को मागे पर्व की शुभकामनाएं दीं और क्षेत्र के विकास तथा जनकल्याण के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराई।

ग्राम साननंदा में इस वर्ष मागे पर्व भाईचारे, सांस्कृतिक परंपराओं और सामूहिक उल्लास के साथ मनाया गया। पूरे गांव में खुशी का माहौल रहा और लोगों ने इस पर्व को यादगार रूप में मनाया।

मौके पर मथुरा लागुरी, अजीत गागराई, रमेश हेंब्रम, रासिका लागुरी, सुशील लागुरी, रंजीत गागराई, रोशन पान, बुधन गागराई, मंजीत लागुरी (ग्रामीण मुंडा), रामकृष्ण लागुरी, जनसिंह देवगम, अमित लागुरी सहित गांव के सैकड़ों ग्रामीण उपस्थित थे।

सिदगोड़ा में शराब दुकानों में चोरी का खुलासा सरायकेला-खरसावां के दो आरोपी गिरफ्तार

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

पूर्वी सिंहभूम : सिदगोड़ा थाना क्षेत्र में विद्यापति नगर और सिदगोड़ा बाजार स्थित शराब दुकानों में हुई चोरी की घटनाओं का पुलिस ने उद्भेदन करते हुए शनिवार को दो आरोपितों को गिरफ्तार किया। गुप्त सूचना और तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर की गई कार्रवाई में सरायकेला-खरसावां जिले के इन युवकों को पकड़ा गया। पुलिस के अनुसार, सिदगोड़ा बाजार स्थित शराब दुकान में हुई चोरी की पूरी वारदात सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई थी। फुटेज की गहन जांच में संदिग्धों के चेहरे स्पष्ट रूप से दिखाई दिए। 6 फरवरी को सूचना मिली कि फुटेज में दिख रहे हुलिए से मिलते-जुलते दो युवक सिदगोड़ा और बिरसानगर की सीमा क्षेत्र में घूम रहे हैं। सूचना मिलते ही सिदगोड़ा थाना की गश्ती टीम, टाइगर मोबाइल और पीसीआर वाहन सक्रिय किए गए। पुलिस ने बारीडीह बाजार स्थित मणिपाल हॉस्टल के पीछे घोड़ा मंदिर रोड के पास घेराबंदी कर दोनों संदिग्धों को धर दबोचा। पूछताछ में दोनों ने सिदगोड़ा समेत अन्य क्षेत्रों की शराब दुकानों में चोरी की घटनाओं में अपनी संलिप्तता स्वीकार की। गिरफ्तार आरोपितों की पहचान कार्तिक लोहार उर्फ चेपा (23), निवासी आदित्यपुर अलकतरा बस्ती (काली मंदिर के पास) और रितिक पाल (25), हनुमान मंदिर के पास (किरायेदार) के रूप में हुई है। तलाशी के दौरान कार्तिक लोहार के पास से 2,700 रुपये और रितिक पाल के पास से 3,300 रुपये नकद बरामद किए गए।

नगर निकाय आम निर्वाचन-2026 को लेकर साहेबगंज में प्रेस कॉन्फ्रेंस आयोजित

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

साहिबगंज : नगर निकाय आम निर्वाचन-2026 के संबंध में आज साहेबगंज नगर परिषद के निवार्ची पदाधिकारी गौतम भगत द्वारा प्रेस कॉन्फ्रेंस आयोजित कर चुनाव से जुड़ी विस्तृत जानकारी दी गई। प्रेस कॉन्फ्रेंस में नगर परिषद साहेबगंज, नगर पंचायत बड़हरवा एवं नगर पंचायत राजमहल से संबंधित निर्वाचन आंकड़े साझा किए गए।

नगर परिषद, साहेबगंज

नगर परिषद साहेबगंज अंतर्गत कुल 28 वार्ड हैं। यहां कुल 66 मतदान केंद्र एवं 01 सहायक मतदान केंद्र बनाए गए हैं। नगर परिषद क्षेत्र में कुल 69,164 मतदाता हैं, जिनमें 35,565 पुरुष एवं 33,599 महिला मतदाता शामिल हैं। अध्यक्ष पद हेतु

कुल 18 नामांकन प्राप्त हुए, जिनमें कोई नामांकन अस्वीकृत नहीं हुआ। 00 अभ्यर्थी ने नाम वापस लिया, जबकि कोई भी अभ्यर्थी निर्विरोध नहीं रहा। इस प्रकार अध्यक्ष पद के लिए कुल 18 अभ्यर्थी चुनाव मैदान में हैं। वार्ड पार्षद पद हेतु कुल 134 नामांकन प्राप्त हुए, जिनमें 11 नामांकन अस्वीकृत, 10 नाम वापसी तथा 05 अभ्यर्थी निर्विरोध निर्वाचित हुए। शेष 108 अभ्यर्थी चुनाव में हैं। नगर पंचायत, बरहरवा नगर पंचायत बड़हरवा में कुल 14 वार्ड हैं तथा 20 मतदान केंद्र बनाए गए हैं। यहां कुल 19,353 मतदाता हैं, जिनमें 9,785 पुरुष एवं 9,568 महिला मतदाता शामिल हैं। अध्यक्ष पद हेतु कुल 06 नामांकन प्राप्त हुए। कोई नामांकन अस्वीकृत या नाम वापसी नहीं हुई तथा कोई भी अभ्यर्थी निर्विरोध नहीं रहा। वार्ड पार्षद पद हेतु कुल 64 नामांकन प्राप्त हुए, जिनमें 02 नामांकन अस्वीकृत, 05 नाम वापसी हुई तथा शेष 57 अभ्यर्थी चुनाव मैदान में हैं।

मालदा मंडल के विभिन्न सेक्शनों में विशेष टिकट जांच अभियान चलाया गया

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

साहिबगंज : मालदा मंडल के मंडल रेल प्रबंधक मनीष कुमार गुप्ता के मार्गदर्शन में, पूर्व रेलवे के मालदा मंडल द्वारा टिकटलेस एवं अनियमित यात्रा को रोकने और रेलवे राजस्व की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए लगातार प्रयास जारी हैं। भागलपुर-हंसडीहा सेक्शन में, जिसमें धौनी और मंदार हिल स्टेशन शामिल हैं, वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक, मालदा, कार्तिक सिंह की नेतृत्व में विशेष टिकट जांच अभियान संचालित किया गया, जो स्वयं इस अभियान में मौजूद रहे। इसके अतिरिक्त, भागलपुर- अभयपुर सेक्शन और भागलपुर-साहिबगंज सेक्शन में भी इसी प्रकार के टिकट जांच अभियान संचालित किए गए, जो मंडल के समन्वित प्रवर्तन उपायों का हिस्सा थे। ये अभियान

कमर्शियल इंस्पेक्टरों, टिकट जांच स्टाफ और रेलवे सुरक्षा बल कर्मियों की सक्रिय भागीदारी एवं समन्वय के साथ प्रभावी ढंग से संचालित किए गए। गहन टिकट जांच के दौरान कुल 280 अनियमित यात्रा मामलों का पता चला, जिसके परिणाम स्वरूप 1,60,715 जुमार्ना वसूल किया गया। मालदा मंडल सभी यात्रियों से अनुरोध करता है कि वे उचित और वैध टिकट के साथ यात्रा करें ताकि असुविधा और जुमार्ने से बचा जा सके।

राशन डीलर के घर से डेढ़ लाख की चोरी, सात ग्रामीणों पर आरोप

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

पूर्वी सिंहभूम : जिला के पोटका थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्वालकाटा पंचायत के गौडग्राम स्थित सासनघुटू टोला में अज्ञात चोरों ने कुंडी तोड़कर एक राशन डीलर के घर से नकद और जेवरात सहित डेढ़ लाख रुपये की संपत्ति चोरी कर ली इस मामले में पीड़ित ने गांव के ही सात लोगों को नामजद करते हुए पोटका थाना में लिखित शिकायत दर्ज कराई है। पीड़ित राशन डीलर मिकी हांसदा के अनुसार, चार फरवरी की देर रात को चोरी की वारदात हुई। घटना के समय घर में परिवार का कोई सदस्य मौजूद नहीं था। अगले दिन जब परिवार के लोग वापस लौटे तो घर की कुंडी टूटी हुई थी और अंदर का सारा सामान अस्त-व्यस्त पड़ा हुआ था। घर की तलाशी लेने पर पता चला कि नगद 25 हजार रुपये के अलावा सोने और चांदी के कई जेवर गायब हैं। चोरी गए सामानों में सोने की अंगूठी के दो जोड़े, सोने की चेन के दो जोड़े, कान के सोने के तीन जोड़े, नाक के चार जोड़े, चांदी की पायल के तीन जोड़े और चांदी की चूड़ियों के दो जोड़े शामिल हैं। कुल मिलाकर चोरी की गई संपत्ति की अनुमानित कीमत करीब डेढ़ लाख रुपये बताई जा रही है। मामले की सूचना मिलते ही पोटका थाना प्रभारी सन्नी टोपनो शनिवार को घटनास्थल पर पहुंचे और पीड़ित परिवार के सदस्यों से पूछताछ कर उनके बयान दर्ज किया। थाना प्रभारी ने शनिवार को बताया कि मामले के सभी पहलुओं को ध्यान में रखते हुए जांच की जा रही है। जांच पूरी होने के बाद पूरे घटनाक्रम का खुलासा किया जाएगा।

मिर्जाचौकी में जल जमाव की समस्या पर डीसी का स्थल निरीक्षण

जल जमाव से राहत के लिए मिर्जाचौकी में शीघ्र होगी ठोस पहल : डीसी हेमंत सती

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

साहिबगंज : मिजाचौकी क्षेत्र में बढ़ते नालों के कारण उत्पन्न जल निकासी एवं जल जमाव की गंभीर समस्या को लेकर जिला दंडाधिकारी-सह-डीसी हेमंत सती द्वारा स्थल निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के क्रम में डीसी ने विशेष रूप से रेलवे स्टेशन परिसर एवं आसपास के क्षेत्रों में हो रहे जल जमाव की स्थिति का जायजा लिया। स्थल निरीक्षण के दौरान डीसी ने स्थानीय ग्रामीणों एवं जनप्रतिनिधियों से प्रत्यक्ष संवाद कर उनकी समस्याओं को गंभीरता से सुना। ग्रामीणों ने बताया कि बरसात के मौसम में नालों की

समुचित व्यवस्था नहीं होने के कारण आवागमन बाधित होता है तथा आम जनजीवन प्रभावित होता है।इस पर डीसी ने आश्वस्त किया कि जल निकासी की स्थायी एवं प्रभावी व्यवस्था सुनिश्चित की जाएगी। डीसी ने संबंधित विभागों को निर्देश दिया कि मिजाचौकी क्षेत्र में नाले एवं सड़क निर्माण से संबंधित एक समग्र एवं तकनीकी डीपीआर (डिटेल्ड प्रोजेक्ट रिपोर्ट) शीघ्र तैयार कर प्रस्तुत करें, ताकि समस्या का दीर्घकालिक समाधान किया जा सके। उन्होंने स्पष्ट किया कि डीपीआर में जल निकासी की दिशा, नालों की चौड़ाई, गहराई तथा सड़क संरचना का समुचित आकलन किया जाए। डीसी ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि बरसात से पूर्व आवश्यक अस्थायी उपाय भी सुनिश्चित किए जाएँ, ताकि आम नागरिकों को किसी प्रकार की असुविधा न हो। जिला प्रशासन जनसमस्याओं के समाधान के प्रति प्रतिबद्ध है एवं विकास कार्यों में पारदर्शिता एवं गुणवत्ता को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जा रही है। स्थल निरीक्षण के दौरान संबंधित विभागों के पदाधिकारी एवं स्थानीय जनप्रतिनिधि उपस्थित थे।

संक्षिप्त खबरें

हिरणपुर थाना कांड संख्या 05/26 में तीन नाबालिग निरुद्ध

पाकुड़ : जिला अंतर्गत हिरणपुर थाना क्षेत्र में दर्ज कांड संख्या 05/26 के तहत पुलिस द्वारा कार्रवाई करते हुए तीन नाबालिगों को निरुद्ध किया गया है। मामले की गंभीरता को देखते हुए हिरणपुर पुलिस ने विधिसम्मत प्रक्रिया अपनाते हुए तीनों नाबालिगों को संरक्षण में लेकर माननीय न्यायालय में उपस्थापन हेतु भेज दिया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार हिरणपुर थाना में दर्ज कांड संख्या 05/26 में पुलिस को गुप्त सूचना एवं प्रारंभिक जांच के आधार पर संलिप्तता के साक्ष्य प्राप्त हुए थे। इसके बाद हिरणपुर थाना पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए तीनों नाबालिगों को निरुद्ध किया। चूंकि सभी आरोपी नाबालिग हैं, इसलिए उनके साथ किशोर न्याय अधिनियम के प्रावधानों के तहत कार्रवाई की गई। पुलिस सूत्रों ने बताया कि निरुद्ध किए गए नाबालिगों से पूछताछ की गई, जिसमें मामले से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारियाँ सामने आई हैं। इसके पश्चात नियमानुसार सभी आवश्यक दस्तावेज तैयार कर उन्हें माननीय किशोर न्याय बोर्ड/न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत करने की प्रक्रिया पूरी की गई। हिरणपुर थाना प्रभारी विनय कुमार का कहना है कि कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए इस प्रकार की कार्रवाई आगे भी जारी रहेगी। किसी भी प्रकार की अवैध गतिविधि में संलिप्त पाए जाने पर, चाहे वह नाबालिग ही क्यों न हो, कानून के दायरे में रहकर सख्त कार्रवाई की जाएगी। फिलहाल मामले की आगे की जांच जारी है और पुलिस अन्य संभावित पहलुओं की भी गहनता से छानबीन कर रही है। पुलिस ने आम लोगों से भी अपील की है कि वे कानून व्यवस्था बनाए रखने में सहयोग करें और किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तुरंत स्थानीय थाना को दें।

राधानगर में आग लगी से दो घर जलकर राख, लाखों रुपए का हुआ नुकसान

साहिबगंज : राधानगर थाना क्षेत्र के राधानगर गांव में शुक्रवार देर रात भीषण आगजनी की घटना में दो घर जलकर राख हो गया।घटना में घरेलू सामान, जरूरी कागजात और नगदी समेत हजारों रुपये का नुकसान होने का अनुमान है। हालांकि आग कैसे लगी इसकी स्पष्ट जानकारी नहीं मिल पाई है। मिली जानकारी के अनुसार थाना क्षेत्र के राधानगर गांव निवासी सुरेन मंडल और महाजनी बेवा अपने-अपने घरों में सोए हुए थे। इसी दौरान रात करीब 12.30 बजे अचानक एक घर में आग लग गई। आग ने देखते ही देखते विकराल रूप धारण कर लिया और बगल के घर को भी अपनी चपेट में ले लिया। कुछ ही पलों में दोनों घर जलकर पूरी तरह राख हो गए।आगलगी की घटना की सूचना मिलते ही गांव में अफरातफरी का माहौल उत्पन्न हो गया।ग्रामीण मौके पर पहुंचे और बाल्टी व अन्य साधनों की मदद से आग बुझाने का प्रयास शुरू किया। काफी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया, लेकिन तब तक काफी देर हो चुकी थी, और दोनों घर पूरी तरह जल चुके थे। इस घटना में घर में रखे अनाज, बर्तन, बिछावन,जेवारत, कागजात, नगदी समेत लाखों रूपए की कीमती सामान जल गया है। अग्नि पीड़ित ने प्रशासन से मदद की गुहार लगाई है।

नॉर्थ कॉलोनी क्रिकेट क्लब की टीम ने 6 विकेट से मैच जीता मैच

साहिबगंज : जिला क्रिकेट संघ के तत्वाधान में सिदो-कान्हू स्टेडियम में चल रहे सीनियर क्रिकेट लीग टूनार्मेंट के तहत शनिवार को द्रोणाचार्य क्रिकेट क्लब बनाम नार्थ कॉलोनी के बीच मैच खेला गया। नॉर्थ कॉलोनी क्रिकेट क्लब ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी का फैसला लिया। द्रोणाचार्य क्रिकेट क्लब ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 26.4 ओवर में 159 रन बनाकर ऑल आउट हो गई। मिस्टर एनर्जी ने 36, आदित्य ज्ञान व प्रीतम कुमार ने 26-26 रनों की पारी खेली। नॉर्थ कॉलोनी क्रिकेट क्लब के गेंदबाज विकास, मतिउर्रहमान रहमान व अमोल कुमार ने 2-2 विकेट लिए। जवाब में बल्लेबाजी करने उतरी नॉर्थ कॉलोनी क्रिकेट क्लब की टीम 22.4 ओवर में 04 विकेट के नुकसान पर 163 रन बना 6 विकेट से मैच जीत लिया। अमोल कुमार ने नबाद 46, आनंद मोहन ने 50 व अंकित कुमार ने नाबाद 31 रन की पारी खेली। द्रोणाचार्य क्रिकेट क्लब के खिलाड़ी अनिकेत आनंद ने दो विकेट लिया। नॉर्थ कॉलोनी क्रिकेट क्लब के खिलाड़ी अमोल कुमार को मैन ऑफ दी मैच घोषित किया गया। मुख्य अतिथि डॉ रणविजय ने अमोल कुमार को मैन ऑफ दी मैच की ट्रॉफी से पुरस्कृत किया।

श्रीराम कथा के सातवें दिन भी वनवास और राजा दशरथ के निधन का मार्मिक वर्णन किया

साहिबगंज : बरहेट बाजार के ठाकुरबाड़ी मंदिर में श्रीराम कथा के सातवें दिन कथावाचक सुभाष शास्त्री महाराज ने राम के वनवास और राजा दशरथ के निधन का मार्मिक वर्णन किया। श्रद्धालुओं ने कथा सुनकर भाव विभोर होकर भगवान श्रीराम के आदर्शों को जीवन में अपनाने का संकल्प लिया। कथा में श्रीराम-सीता-लक्ष्मण के वन गमन, केवट प्रेम और गंगा पार कराने की घटना का विवरण प्रस्तुत किया गया। महाराज ने बताया कि भगवान श्रीराम अपने पिता के मित्र जटायु का सम्मान अपने पिता के समान करते थे, जबकि दशरथ जी पुत्र को वनवास भेजने की विवशता में अत्यंत पीड़ा अनुभव कर रहे थे। कार्यक्रम में भक्ति आराधना के साथ भजन भी प्रस्तुत किए गए। इस अवसर पर विजय भगत, पवन पांडेय, दीपक डोकानिया, चंदन गुप्ता, अंशू शर्मा सहित कई श्रद्धालु उपस्थित रहे।

सीएम नीतीश कुमार ने गांवों तक रोजगार का रास्ता निकाला; सोशल मीडिया पर जारी की योजना

पटना। सीएम नीतीश कुमार ने अगले पांच साल में एक करोड़ नौकरी और रोजगार के लक्ष्य को पूरा करने की दिशा में एक और कदम बढ़ा दिया है। उन्होंने गांव तक रोजगार का रास्ता निकाल लिया है। सोशल मीडिया पर उन्होंने इसकी योजना भी बता दी है। उन्होंने शनिवार सुबह सोशल मीडिया पर लिखा कि सात निश्चय-3 के तीसरे निश्चय ह्यकृषि में प्रगति-प्रदेश में समृद्धिह्न के तहत डेयरी उद्योग को बढ़ावा देने के लिए राज्य के प्रत्येक गांव में दुग्ध उत्पादन समिति के गठन का निर्णय लिया गया है ताकि पशुपालकों को दूध का उचित मूल्य मिल सके। राज्य के कुल 39,073 गांवों में से 25,593 गांवों में दुग्ध उत्पादन समितियों का गठन किया जा चुका है। हमलोगों ने शेष सभी गांवों में अगले दो वर्षों के अंदर दुग्ध उत्पादन समितियों के गठन का निर्देश पशु एवं मत्स्य संसाधन विभाग को दिया है। सीएम नीतीश कुमार ने आगे कहा कि सात निश्चय-2 के तहत राज्य के सभी प्रखंडों में सुधा दुग्ध बिक्री केंद्रों की स्थापना की जा चुकी है। अब सात निश्चय-3 के अंतर्गत राज्य की सभी पंचायतों में भी सुधा दुग्ध बिक्री केंद्र स्थापित करने का निर्णय लिया गया है। वर्तमान में राज्य की कुल 8053 पंचायतों में से 100 पंचायतों में सुधा दुग्ध बिक्री केंद्र स्थापित हो चुके हैं। अब शेष सभी 7953 पंचायतों में वित्तीय वर्ष 2026-27 के अंत तक सुधा दुग्ध बिक्री केंद्र खोलने का निर्देश दिया गया है। राज्य की पंचायतों में खुलने वाले नए सुधा दुग्ध बिक्री केंद्रों को प्राथमिकता के आधार पर मुख्यमंत्री महिला रोजगार योजना से लाभान्वित जीविका दीदियों को आवंटित करने का निर्देश दिया गया है। इससे राज्य के ग्रामीण इलाकों में महिला उद्यमिता को बढ़ावा मिलेगा। रोजगार के नए अवसर पैदा होंगे सीएम नीतीश कुमार ने आगे कहा कि राज्य में डेयरी व्यवसाय बढ़ने से ग्रामीण इलाकों में अपने गांव में ही लोगों के लिए रोजगार के नए अवसर पैदा होंगे और उनकी आमदनी बढ़ेगी। साथ ही लोगों के लिए दूध एवं दुग्ध उत्पादों की उपलब्धता सुनिश्चित होगी। इससे ग्रामीण अर्थव्यवस्था मजबूत होगी और राज्यवासियों के जीवन में समृद्धि आएगी।

तेजस्वी यादव ने नीतीश सरकार को दी चेतावनी

पटना। नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने अपने कार्यकर्ताओं से कहा कि हमलोगों का भी समय आयेगा। एक दूसरे के साथ मिलकर संघर्ष और आन्दोलन कोजिए और लालू जी के विचारधारा को मजबूत करने के साथ पार्टी के माध्यम से गरीबों, शोषितों, वंचितों के बीच जाकर संगठन के माध्यम से ईमानदारीपूर्वक काम कीजिए। राष्ट्रीय जनता दल के कार्यकारी अध्यक्ष तेजस्वी यादव ने एक बार फिर से राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन की सरकार पर हमला बोला। राजद कार्यालय में आयोजित समारोह में तेजस्वी यादव ने कहा कि बिहार में लोक हारा है और तंत्र जीता है। यह लोकतंत्र के लिए कहीं न कहीं जो साजिश चल रही है उससे हमसभी को सचेत रहना है। बिहार के चुनाव में जनतंत्र को धनतंत्र में बदलकर फर्जी केस, मुकदमा बनाकर मशीनरी के माध्यम से चुनाव जीता गया है लेकिन हमारे कार्यकर्ताओं का हौसला काफी मजबूत है और हम उसी मजबूती के साथ फिर से वापसी करेंगे। इधर, हाल के दिनों में हमारे पार्टी के नेताओं और कार्यकर्ताओं को डराने की कार्रवाई की जा रही है। जिस तरह से खगड़िया और शेखपुरा में घटनाएं सामने आयी है इससे स्पष्ट होता है कि बिहार में प्रशासन के द्वारा विपक्ष के आवाज को दबाने की साजिश की जा रही है। ऐसे खौफ के खिलाफ हमलोग चुप नहीं बैठेंगे। समय आने पर पूरे बिहार में आंदोलन करेंगे। मुद्दों से ध्यान भटकाने के लिए कार्य कर रही है सरकार तेजस्वी यादव ने आरोप लगाया कि केन्द्र की सरकार जनता के मुद्दों से ध्यान भटकाने के लिए कार्य कर रही है। छोटे-छोटे व्यवसाय करने वालो को तंग किया जा रहा है और किसानों का उसका एमएसपी नहीं मिल पा रहा है। मोदी जी रील को ही रोजगार बता रहे हैं। नीतीश कुमार अधिकारियों के मुख्यमंत्री हैं, जनता के नहीं। इसलिए जनता का कोई काम डबल इंजन सरकार में नहीं हो रहे हैं। जो योजनाओं हमने चुनाव के पहले घोषणा की थी चाहे महिलाओं के संबंध में किसानों या युवाओं के संबंध में या नौकरी तथा रोजगार के लिए उन सभी योजनाओं को मजबूरी में ही बिहार में जो सरकार बनी है, उसे लागू करना होगा। इन्होंने कहा कि जो जनता के मुद्दे पर लड़ाई लड़ेंगे उस सभी में आपसभी का समर्थन और विश्वास मिलना चाहिए। सभी उपस्थित लोगों ने तेजस्वी जी के साथ संघर्ष और आन्दोलन के लिए हाथ उठाकर समर्थन और विश्वास का भरोसा दिया। इन्होंने कहा कि 17 फरवरी, 2026 को जननायक कर्पूरी ठाकुर जी की पुण्यतिथि के अवसर पर बापू सभागार में कर्पूरी ठाकुर पुण्यतिथि का आयोजन किया जायेगा। संगठन को बूथ और पंचायत स्तर तक पहुंचाने की जरूरत है राजद कार्यालय में आयोजित अभिनंदन समारोह को संबोधित करते हुए राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष तेजस्वी प्रसाद यादव ने कहा कि आप सभी के स्वागत और अभिनंदन के प्रति मैं आभार प्रकट करता हूं। आप सभी का हमें साथ और विश्वास मिले इसके लिए संगठन के माध्यम से लालू जी के विचारों को और पार्टी के संगठन को बूथ और पंचायत स्तर तक पहुंचाने की आवश्यकता है। इन्होंने कहा कि लालू जी के द्वारा और राष्ट्रीय कार्यकारिणी ने सर्वसम्मति से मुझे जो जिम्मेदारी दी है, मैं उसके लिए आपसभी के विश्वास और भरोसा को मजबूत बनाने का काम करूंगा और लालू जी के चरण को स्पर्श करके मैंने उनसे आशीर्वाद मांगा है, उस आशीर्वाद के प्रति मेरा संकल्प है कि पार्टी को आगे बढ़ाने में आपसभी के सहयोग से राज्य ही नहीं बल्कि राष्ट्रीय स्तर पर भी पहचान बनाने के लिए कार्य करूंगा और मुझे जो पहली बार संगठन की जिम्मेदारी मिली है, मैं बता देना चाहता हूं कि मैं लालू जी की तरह साम्प्रदायिक शक्तियों के खिलाफ पूरी मजबूती से संघर्ष और आन्दोलन करूंगा और मैं लालू जी का बेटा हूं चाहे कितना भी साम्प्रदायिक शक्तियां साजिश कर ले हम उनके तरह ही झुकेंगे नहीं बल्कि मजबूत संकल्पों के साथ आपसभी के सहयोग से उन जिम्मेदारियों को मजबूती के साथ आगे बढ़ाऊंगा।

राहुल बोले- गिरफ्तारी आवाज दबाने की कोशिश

पटना। पूर्णिया सांसद पप्पू यादव को कोर्ट ने ज्यूडिशियल कस्टडी में भेज दिया है। इसके बाद पप्पू यादव को पटना के बेऊर जेल में लाया गया। वहां एंट्री होने के बाद इलाज के लिए उन्हें ढटउल्ल लाया जाएगा। अस्पताल में पुलिस कस्टडी में उनका इलाज होगा। सोमवार को इस मामले की अगली सुनवाई होगी। सांसद को शनिवार सुबह एंबुलेंस से पटना सिविल कोर्ट लाया गया था। 31 साल पुराने धोखे से कमरा किराए पर लेने के केस में पुलिस ने शुक्रवार देर रात 12 बजे पप्पू यादव को गिरफ्तार किया था। पटना की विशेष अदालत ने पप्पू यादव समेत 3 आरोपियों के खिलाफ गिरफ्तारी के आदेश दिए थे। शुक्रवार रात पप्पू यादव गिरफ्तारी के दौरान बेहोश हो गए। कुछ देर बाद पुलिस पप्पू यादव को गिरफ्तार कर अपने साथ ले गई। इस दौरान पप्पू यादव ने कहा, ह्यमुझे नहीं पता मेरा क्या होगा।ह्न सांसद समर्थक सड़क पर उनकी गिरफ्तारी का विरोध किया। आरा में उनके समर्थकों ने उट नीतीश का पुतला फूंका। कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने इस गिरफ्तारी को राजनीतिक प्रतिशोध बताया है। उन्हें पर लिखा- ये आवाज दबाने की कोशिश है। प्रियंका गांधी ने भी गिरफ्तारी के विरोध में पोस्ट की है। सांसद पप्पू यादव की गिरफ्तारी के बाद ठएएळ छात्रा के परिवार ने सरकार पर गंभीर आरोप लगाए हैं। जहानाबाद में छात्रा के पिता ने कहा कि जो लोग घटना को उजागर कर रहे हैं, उन्हें निशाना बनाया जा रहा है।

पप्पू यादव क्यों हुए गिरफ्तार? जेल नहीं अस्पताल में ही रहेंगे; सांसद ने कहा- मेरी हत्या हो सकती है

पटना। लोकसभा चुनाव 2024 में जीते बिहार के एक मात्र निर्दलीय सांसद पप्पू यादव आज फिर से सुर्खियों में हैं। पटना पुलिस ने उन्हें गिरफ्तार किया है। जेल भेजने की तैयारी की जा रही है। फिलहाल पप्पू यादव अस्पताल में भर्ती हैं। पूर्णिया के सांसद राजेश रंजन उर्फ पप्पू यादव को अदालत ने न्यायिक हिरासत में भेज दिया। फिलहाल पप्पू यादव जेल नहीं जाएंगे। पुलिस अभिरक्षा में उनका इलाज पटना मेडिकल कॉलेज अस्पताल में चल रहा है। जब तक उनकी तबीयत में सुधार नहीं होता है, तब वह यहीं रहेंगे। सोमवार को इस केस की सुनवाई होगी। बताया जा रहा है कि गिरफ्तारी के वक्त लगी चोट के कारण उन्हें अस्पताल में भर्ती करवाना पड़ा। डॉक्टरों का कहना है कि सिर में चोट और धड़कन बढ़ने से तकलीफ हो रही है। इधर, सांसद पप्पू यादव ने नीतीश सरकार पर गंभीर आरोप लगाया है। उन्होंने कहा कि मेरी हत्या की साजिश रची जा रही है। मुझे नहीं पता यह लोग मेरे साथ क्या करेंगे। आधी रात को मुझे जबरन गिरफ्तार किया गया है। सिविल ड्रेस में इंस्पेक्टर आया। मुझे यह तक नहीं बताया गया कि मुझे किस मामले में गिरफ्तार किया गया। यह सब साजिश है। मेरी हत्या हो सकती है। इधर, पटना पुलिस पप्पू यादव को कोर्ट में पेश करने की तैयारी में जुटी है। कोर्ट के आदेश के बाद उन्हें जेल भेजा जाएगा। पप्पू यादव के समर्थकों ने क्या आरोप लगाया? इधर, इस घटना के बाद पप्पू यादव के समर्थकों में आक्रोश है। पटना, पूर्णिया, आरा समेत कई जगह पर उनके समर्थक हंगामा कर रहे हैं। आरा में तो पप्पू यादव के समर्थक सड़क पर उतर गए।समर्थकों का आरोप है कि पिछले कई दिनों से सांसद नीट छात्रा केस में सरकार के खिलाफ आवाज बुलंद कर रहे थे। एनडीए सरकार इससे डर गई। इसलिए उनकी आवाज को दबाने की कोशिश की जा रही है। यह अन्याय है। 'तय तारीख पर उपस्थित नहीं हुए थे पप्पू यादव' पटना के सिटी एसपी भानु प्रताप सिंह ने बताया कि 1995 का एक मामला है जो पूर्ववर्ती आईपीसी थी, बीएनएस के स्थान पर उसके तहत 419, 420, 468, 448, 506 और 120बी, इसके तहत गिरफ्तारी की गई है। यह गर्दनीबाग थाने का मामला है। इसमें न्यायालय द्वारा ट्रायल केस चल रहा था जिसमें सांसद को उपस्थित होना था लेकिन वह तय तारीख पर उपस्थित नहीं हुए थे। इस कारण उनकी गिरफ्तारी की जा रही है। पटना पुलिस का कहना है कि पप्पू यादव की ओर से लगाए गए आरोप बेबुनियाद है। पुलिस कानून के तहत ही सारा काम कर रही है। धोखे से मकान को हड़पने का आरोप जानकारी के अनुसार, 21 साल पहले पप्पू यादव और उनके सहयोगियों के खिलाफ विनोद बिहारी लाल नाम के शख्स ने शिकायत दर्ज करवाई थी। उनपर आरोप लगाया गया कि उन्होंने धोखे से मकान को हड़प लिया। पहले वह किराएदार के रूप में मकान में घुसे, इसके बाद मकान पर कब्जा कर लिया। काफी लंबे समय से कोर्ट में केस चल रहा था।

लोकसभा अध्यक्ष बोले- सशक्त विधायक की मजबूत लोकतंत्र का आधार होते हैं, इसकी गरिमा की रक्षा करें

पटना। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने कहा कि लोक नीतियों और विधायी पहलों में महिलाओं और युवाओं की आकांक्षाओं को शामिल किया जाना चाहिए। महिलाओं और युवाओं को राष्ट्र के विकास में प्रमुख हितधारक बताते हुए उन्होंने कहा कि उपयुक्त विधानों के माध्यम से उनकी समस्याओं का समाधान समावेशी विकास के लिए अनिवार्य है। बिहार विधानसभा के स्थापना दिवस पर लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने विधानमंडल के सदस्यों को संबोधित किया। ह्लसशक्त विधायक, सशक्त लोकतंत्रह्व कार्यक्रम में उन्होंने कहा कि बिहार देश का इतिहास धरती है। आप सब लोकतंत्र के मजबूत स्तंभ हैं। विधानसभा में सरकारी सेवा करने का अवसर मिला। बिहार राजनैतिक विरासत रही है। राजनीतिक नेतृत्व आज राजनितिक चिंतन है। उसमें देश में समय समय पर राजनीति परिवेश में परिवर्तन करने का रहा है। आप समाज का बदलाव कर सकते हैं। और कैसे मुख्यमंत्री रहकर सादगी जिंदगी जीता है। लोकतंत्र के मूल्यों को स्थापित कर सकते हैं। भगवान बुद्ध की धरती पर आज हम सब बैठे हैं। मुझे आशा है इस संवाद के कार्यक्रम को और भी सशक्त और मजबूत करेंगे। क्योंकि आज बिहार विधानसभा का स्थापना दिवस भी है। बिरला ने कहा कि सदन की गरिमा और मयार्दा बनाए रखना प्रत्येक जनप्रतिनिधि की मूलभूत जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि विधायिका लोकतंत्र की एक अत्यंत महत्वपूर्ण संस्था है और इसकी गरिमा का सम्मान और रक्षा की जानी चाहिए। स्पीकर ओम बिरला ने विधायी कार्यवाहियों में व्यवधान और अमर्यादित आचरण की घटनाओं पर चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि इस प्रकार की प्रवृत्तियां लोकतांत्रिक निकायों की छवि को नुकसान पहुंचाती हैं। उन्होंने सदस्यों से संवाद, तर्कसंगत वाद-विवाद और रचनात्मक चर्चा पर बल देने का आग्रह किया। उन्होंने आगे कहा कि आलोचना नीतियों और तथ्यों पर आधारित तथा जनकल्याण की भावना से प्रेरित होनी चाहिए। स्पीकर ने यह भी कहा कि संसदीय अनुशासन और रचनात्मक आलोचना पर आधारित सार्थक विधायी निगरानी से लोकतंत्र सुदृढ़ होता है। विधायक ही सशक्त लोकतंत्र का आधार होते हैं उन्होंने कहा कि सशक्त विधायक ही सशक्त लोकतंत्र का आधार होते हैं। लोकतंत्र की मजबूती निर्वाचित प्रतिनिधियों की क्षमता, दक्षता और सत्यनिष्ठा से जुड़ी होती है। उन्होंने कहा कि लोकतांत्रिक संस्थानों की प्रभावशीलता केवल संवैधानिक प्रावधानों से नहीं, बल्कि इस बात से निर्धारित होती है कि जनप्रतिनिधि अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन किस प्रकार करते हैं। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि विधायक को शक्ति जनता के विश्वास और भरोसे से प्राप्त होती है। सार्वजनिक मुद्दों को उठाकर, नागरिकों की चिंताओं को अभिव्यक्त कर तथा विधायी प्रक्रियाओं के माध्यम से उनकी समस्याओं के समाधान की दिशा में कार्य कर विधायक लोकतंत्र को सुदृढ़ बनाने में महत्वपूर्ण योगदान देते हैं। बिरला ने यह भी कहा कि विधायकों का सशक्तीकरण लोगों की आवश्यकताओं को समझने, विधायी प्रक्रियाओं में सार्थक सहभागिता करने तथा नीति निर्माण में रचनात्मक योगदान देने की उनकी क्षमता में निहित है। यह सशक्तीकरण नैतिक आचरण, उत्तरदायित्व और जवाबदेही पर आधारित होता है।

पटना में राज्य स्तरीय खेल व सांस्कृतिक प्रतियोगिता उमंग-2026 का शुभारंभ

पटना। पटना में राज्य स्तरीय खेल व साहित्यिक-सांस्कृतिक प्रतियोगिता ह्यउमंग-2026 का शुभारंभ हुआ। 7 से 12 फरवरी तक आयोजित इस आयोजन में राजकीय अभियंत्रण और पॉलिटेक्निक संस्थानों के हजारों छात्र-छात्राएं खेल व सांस्कृतिक प्रतियोगिताओं में भाग ले रहे हैं। विज्ञान, प्रावैधिकी एवं तकनीकी शिक्षा विभाग के तहत संचालित राजकीय अभियंत्रण महाविद्यालयों और राजकीय पॉलिटेक्निक संस्थानों के छात्र-छात्राओं के लिए आयोजित राज्य स्तरीय वार्षिक खेल-कूद एवं साहित्यिक-सांस्कृतिक प्रतियोगिता ह्यउमंग-2026 का शुभारंभ शनिवार को किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन विभाग के मंत्री सुनील कुमार ने किया। इस मौके पर विभागीय सचिव प्रतिमा और निदेशक अहमद महमूद समेत कई वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे। उद्घाटन समारोह को संबोधित करते हुए मंत्री सुनील कुमार ने कहा कि उमंग का नियमित आयोजन शैक्षणिक सत्र 2023-24 से इस उद्देश्य से किया जा रहा है कि तकनीकी संस्थानों के छात्रों को पढ़ाई के साथ-साथ खेल, साहित्य और सांस्कृतिक गतिविधियों का भी राज्य स्तरीय मंच मिल सके। ऐसे आयोजन छात्रों में अनुशासन, मंत्री ने कहा कि उमंग-2026 के माध्यम से राज्य के अलग-अलग प्रमंडलों से चयनित छात्र-छात्राओं को अपनी प्रतिभा दिखाने का अवसर मिल रहा है। विभाग यह सुनिश्चित कर रहा है कि तकनीकी शिक्षा के साथ-साथ सह-पाठ्यक्रम और गैर-शैक्षणिक गतिविधियों को भी समान महत्व मिले। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नेतृत्व में बिहार ने खेल के क्षेत्र में उल्लेखनीय प्रगति की है। राज्य में आधुनिक खेल सुविधाओं का विकास हुआ है, नए स्टेडियम बने हैं और मेडल पाओ, नौकरी पाओ जैसी योजनाओं से खिलाड़ियों को प्रोत्साहन दिया जा रहा है। उमंग-2026 इसी सोच का हिस्सा है। पढ़ें: बख्तियारपुर-मोकामा फोरलेन पर लूट की थी तैयारी, पुलिस ने मौके पर पहुंचकर बरामद किए कट्टा-कारतूस विभागीय सचिव प्रतिमा ने बताया कि ह्यउमंगह्न प्रतियोगिता तीन चरणों में आयोजित की जाती है। पहले चरण में संस्थान स्तर पर, दूसरे चरण में प्रमंडल स्तर पर और तीसरे चरण में राज्य स्तर पर प्रतियोगिताएं होती हैं। शैक्षणिक सत्र 2025-26 के तहत राज्य स्तरीय प्रतियोगिता राजकीय पॉलिटेक्निक संस्थानों के लिए 7 से 9 फरवरी 2026 तक और राजकीय अभियंत्रण महाविद्यालयों के लिए 10 से 12 फरवरी 2026 तक आयोजित की जा रही है। खेल-कूद प्रतियोगिताएं पाटलिपुत्रा स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स, पटना में होंगी, जबकि साहित्यिक और सांस्कृतिक कार्यक्रम राजकीय पॉलिटेक्निक, गुलजारबाग, पटना में आयोजित किए जाएंगे। पॉलिटेक्निक संस्थानों से खेल प्रतियोगिताओं में करीब 900 छात्र-छात्राएं और 400 शिक्षक भाग लेंगे, जबकि साहित्यिक-सांस्कृतिक गतिविधियों में लगभग 200 छात्र शामिल होंगे। अभियंत्रण महाविद्यालयों से भी इतने ही प्रतिभागियों के शामिल होने की संभावना है। निदेशक अहमद महमूद ने कहा कि ह्यउमंग-2026ह्न के जरिए तकनीकी संस्थानों में सह-पाठ्यक्रम गतिविधियों को एक संगठित और प्रतिस्पर्धात्मक पहचान मिली है। आयोजन के सफल संचालन के लिए सभी संस्थानों और आयोजन समितियों के बीच बेहतर समन्वय बनाया गया है, ताकि छात्रों को सकारात्मक और अनुशासित माहौल मिल सके।

शादी की खुशियां मातम में बदलीं, नाच के मंच पर चली गोलियां; युवक की मौत

पटना। रोहतास जिले के सूर्यपुरा थाना क्षेत्र के ढोढनडीह गांव में शादी समारोह के दौरान आयोजित नाच कार्यक्रम में हुए विवाद में 25 वर्षीय युवक वीर बहादुर सिंह की गोली मारकर हत्या कर दी गई। बिहार रोहतास जिले में बीती रात एक व्यक्ति की गोली मारकर हत्या कर दी गई। घटना जिले के सूर्यपुरा थाना क्षेत्र अंतर्गत ढोढनडीह गांव की है, जहां शादी समारोह में आयोजित नाच कार्यक्रम के दौरान हुए आपसी विवाद में एक युवक की जान चली गई। मृतक की पहचान ढोढनडीह गांव निवासी राजेश्वर सिंह के 25 वर्षीय पुत्र वीर बहादुर सिंह के रूप में हुई है। नाच देखने के दौरान उपजा विवाद प्राप्त जानकारी के अनुसार, बीती रात ढोढनडीह गांव में एक शादी समारोह के दौरान नाच कार्यक्रम चल रहा था। इसी दौरान स्टेज पर चढ़ने को लेकर वीर बहादुर सिंह और कुछ युवकों के बीच कहासुनी हो गई। विवाद इतना बढ़ गया कि कुछ लोगों ने उसे जबरन स्टेज से नीचे खींच लिया और उस पर ताबड़तोड़ तीन गोलियां चला दीं, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, वीर बहादुर सिंह को मुंह और गर्दन में गोली लगी, जिससे उसने घटनास्थल पर ही दम तोड़ दिया। गोली की आवाज सुनते ही कार्यक्रम स्थल पर अफरातफरी मच गई और लोग इधर-उधर भागने लगे। चंद मिनटों में ही उत्सव का माहौल मातम में बदल गया। सूचना पर पहुंची पुलिस, जांच जारी घटना की सूचना मिलते ही अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी के नेतृत्व में पुलिस टीम मौके पर पहुंची। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल भेज दिया है और घटनास्थल की घेराबंदी कर साक्ष्य जुटाए जा रहे हैं। पुलिस का कहना है कि मामले में शामिल आरोपियों की पहचान और गिरफ्तारी के लिए सभी पहलुओं से जांच की जा रही है।

पीएचडी की डिग्री, अखबार बेचकर पढ़ाई की, एक कॉल और मंत्री बन गए प्रमोद

पटना। शब्द बोलने के लिए संघर्ष कर रहे ये महोदय कोई आम आदमी नहीं हैं। ये बिहार सरकार के सहकारिता, पर्यावरण वन एवं जलवायु विभाग के मंत्री प्रमोद कुमार हैं। शुक्रवार को प्रभारी स्वास्थ्य मंत्री की जिम्मेदारी निभाते हुए विधानसभा में सवाल का जवाब दे रहे थे। इस दौरान अंग्रेजी के एक शब्द (एक्सपेंडिचर) ने उन्हें ऐसा उलझाया कि परेशान हो गए। उनकी हालत देखकर सत्ता पक्ष के सदस्य जहां हैरान हुए। वहीं, विपक्ष को मुस्कुराने का मौका मिल गया। ऐसा भी नहीं कि मंत्री जी पढ़ाई में कमजोर हैं। विधान परिषद की वेबसाइट के मुताबिक, एमए के बाद पीएचडी कर चुके हैं। मने प्रोफेसर बनने के काबिल हैं। कहते हैं, 'एक्स.. ओह.. 8470 करोड़ रुपए दशार्या गया है। जो बढ़कर वर्ष 2024-25 में 15428 करोड़ 1 लाख हो गया है। इस प्रकार खर्च में कुल 7 हजार 11 करोड़ रुपए की वृद्धि हुई है। 2019-20 में दवा मद में कुल 2015 करोड़ 24 लाख रुपए खर्च हुए। यह वर्ष 2024-25 में बढ़कर 7758 करोड़ रुपए हो गया है। इस प्रकार दवा में बिहार सरकार का खर्च 2019-20 की अपेक्षा तीन गुना से ज्यादा बढ़ा है।' मंत्री प्रमोद कुमार शुक्रवार को विधानसभा में जवाब पढ़ते समय अंग्रेजी के शब्द एक्सपेंडिचर बोलने में फंस गए। मंत्री प्रमोद कुमार शुक्रवार को विधानसभा में जवाब पढ़ते समय अंग्रेजी के शब्द एक्सपेंडिचर बोलने में फंस गए। मंत्री ने कहा, 'नेशनल हेल्थ प्रोफाइल 2023 के प्रकाशित आंकड़ों में यह उल्लेख है कि बिहार का गवर्नमेंट हेल्थ एक्स.. एक्स.. एक्सपेंडिचर (असल में) का 1.5 प्रकाशित है, जबकि झारखंड का 1.2 प्रकाशित है। बिहार सरकार के सात निश्चय पार्ट 3 में प्रखंड सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों को विशिष्ठ चिकित्सा केंद्र और जिला अस्पतालों को अति विशिष्ठ चिकित्सा केंद्र के रूप में विकसित करने का लक्ष्य है। उन्होंने कहा, 'प्रखंड सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों में हड्डी रोग, नेत्र रोग, कान एवं गला रोग के विशेषज्ञ के साथ फिजियोथेरेपी की सुविधा उपलब्ध कराने का लक्ष्य है। साथ ही जिला अस्पतालों में इंडो..इंडो..इंडोस्प्रो.. इंडोस्कोपी, कार्डियोलॉजी, यूरोलॉजी एंड न्यूरोलॉजी के दवा उपलब्ध कराने का लक्ष्य है।' डॉ. प्रमोद कुमार ने 1986 में अइश्ढ से अपना राजनीतिक करियर शुरू किया था। उनके दो भाई और तीन बहनें हैं। उनके भाई पटना में एक गैस एजेंसी में काम करते हैं। 2021 से पहले उनके गांव तक जाने के लिए सड़क नहीं थी। चार पहिया गाड़ी नहीं जा पाती थी। प्रमोद के टछड बनने के बाद उनके गांव तक सड़क बनी। उनके दो बेटे हैं। डॉ. प्रमोद कुमार ने 2023 में अपनी संपत्ति की घोषणा की थी। इसे बिहार विधान परिषद की वेबसाइट पर अपलोड किया गया है। इसके अनुसार मंत्री की चल संपत्ति 66.31 लाख रुपए और इनकी पत्नी सीमा कुमारी की चल संपत्ति 17.75 लाख रुपए थी। मंत्री के पास 65 ग्राम सोने के गहने थे। कीमत 3.28 लाख रुपए बताई थी। उनकी पत्नी के पास 200 ग्राम सोना और 1.5 चांदी के गहने थे, जिनकी कीमत 11.10 लाख रुपए बताई थी। मंत्री 16.11 लाख रुपए की स्कॉर्पियो कार के मालिक हैं। 15 हजार की बाइक भी रखते हैं। 2023 के शपथ पत्र में प्रमोद ने बताया था कि उनके और उनकी पत्नी के नाम पर कोई अचल संपत्ति नहीं है। कार पर 10 लाख 9 हजार 618 रुपए लोन है।

मई लास्ट में केंद्रीय संचार मंत्री करेंगे लोकार्पण, उपेंद्र कुशवाहा ने ज्योतिरादित्य सिंधिया का किया धन्यवाद

पटना। देश की आजादी के लिए अपने प्राणों का बलिदान देने वाले अमर शहीद रामफल मंडल की स्मृति में केंद्र सरकार विशेष डाक टिकट जारी करेगी। यह डाक टिकट मई माह के अंतिम सप्ताह में बिहार में आयोजित एक समारोह के दौरान केंद्रीय संचार मंत्री द्वारा लोकार्पित किया जाएगा। यह जानकारी राष्ट्रीय लोक मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष उपेंद्र कुशवाहा ने पटना में दी। लंबे समय से चल रहा था प्रयास उपेंद्र कुशवाहा ने बताया कि राष्ट्रीय लोक मोर्चा लंबे समय से यह मांग करता आ रहा था कि स्वतंत्रता संग्राम में सर्वोच्च बलिदान देने वाले शहीद रामफल मंडल के सम्मान में डाक टिकट जारी किया जाए। अब केंद्र सरकार द्वारा सभी आवश्यक औपचारिकताएं पूरी कर ली गई हैं और मई के अंतिम सप्ताह में डाक टिकट का लोकार्पण सुनिश्चित किया गया है। 19 साल की उम्र में दिया था देश के लिए बलिदान उन्होंने बताया कि शहीद रामफल मंडल का जन्म 06 अगस्त 1924 को सीतामढ़ी जिले के बाजपट्टी में हुआ था। वे कम उम्र में ही स्वतंत्रता आंदोलन से जुड़ गए थे और मात्र 19 वर्ष की आयु में 23 अगस्त 1943 को अंग्रेजी हुकूमत ने उन्हें फांसी दे दी थी। उनका बलिदान आज भी देशवासियों के लिए प्रेरणास्त्रोत है। डाकतार विभाग से मिली औपचारिक स्वीकृति राष्ट्रीय लोक मोर्चा के राष्ट्रीय महासचिव एवं प्रवक्ता फजल इमाम मल्लिक ने बताया कि 02 फरवरी 2026 को डाकतार विभाग के एडीजी (डाक टिकट) द्वारा उपेंद्र कुशवाहा को पत्र लिखकर यह जानकारी दी गई कि विभाग ने उनके प्रयासों की सराहना करते हुए डाक टिकट जारी करने की मंजूरी प्रदान कर दी है। सीतामढ़ी या पटना में हो सकता है लोकार्पण कार्यक्रम फजल इमाम मल्लिक ने बताया कि फिलहाल कार्यक्रम की अंतिम रूपरेखा तैयार नहीं की गई है, लेकिन डाक टिकट का लोकार्पण शहीद रामफल मंडल की जन्मस्थली सीतामढ़ी अथवा राजधानी पटना में किए जाने की संभावना है।

मच्छरों के काटने से क्या बच्चे इम्यून होते हैं? जानिए सच्चाई और सही इलाज

अक्सर माता-पिता के मन में सवाल होता है कि क्या छोटे बच्चे मच्छरों के काटने से सुरक्षित या इम्यून होते हैं? और अगर मच्छर काट ले तो उसे ठीक करने का सबसे सुरक्षित तरीका क्या है? डॉक्टरों के मुताबिक इसका जवाब जानना बेहद जरूरी है, क्योंकि बच्चों की त्वचा बहुत नाजुक होती है।

क्या बच्चे मच्छरों के काटने से इम्यून होते हैं?

इसका जवाब है नहीं, बच्चे मच्छरों के काटने से बिल्कुल भी इम्यून नहीं होते। दरअसल बच्चों की इम्यूनिटी पूरी तरह विकसित नहीं होती उनकी त्वचा पतली और संवेदनशील होती है, इसलिए मच्छर के काटने पर ज्यादा लालिमा, सूजन खुजली दिख सकती है। कुछ मामलों में बच्चों को एलर्जिक रिएक्शन भी हो सकता है।

मच्छर काटने से बच्चों को खतरा

मच्छर सिर्फ खुजली ही नहीं, बल्कि कई बीमारियां फैला सकते हैं जैसे डेंगू, मलेरिया, चिकनगुनिया, जीका वायरस। छोटे बच्चों में इन बीमारियों का असर ज्यादा गंभीर हो सकता है।

बच्चों में मच्छर काटने का सबसे सुरक्षित इलाज

ठंडी सिकाई : साफ कपड़े में बर्फ लपेटकर 5-10 मिनट काटे हुए हिस्से पर रखें। इससे सूजन और खुजली कम होती है

एलोवेरा जेल: 100% शुद्ध एलोवेरा जेल त्वचा को ठंडक देता है और जलन कम करता है

कैलामाइन लोशन : डॉक्टर की सलाह से खुजली और लालिमा में राहत देता है

नाखून छोटे रखें: खुजली में बच्चा खरोंच सकता है, जिससे इंफेक्शन का खतरा बढ़ जाता है

साफ-सफाई का ध्यान रखें: काटे हुए हिस्से को साफ पानी से धोएं, गंदे हाथ न लगने दें

इन बातों का रखें ध्यान

6 महीने से छोटे बच्चों पर केमिकल रिपेलेंट न लगाएं, घरेलू नुस्खों में सरसों का तेल, कपूर या तेज चीजें न लगाएं। बिना डॉक्टर की सलाह कोई क्रीम या दवा न लगाएं। बच्चों को बचाने के लिए मच्छरदानी का इस्तेमाल करें, फुल स्लीव कपड़े पहनाएं, घर में पानी जमा न होने दें

बेबी-सेफ मच्छर रिपेलेंट ही इस्तेमाल करें। अगर काटे हुए हिस्से पर बहुत ज्यादा सूजन हो बुखार आ जाए, बच्चा लगातार रो रहा हो, दाने फैलने लगें तो तो तुरंत डॉक्टर से संपर्क करें।

पेरेंट्स के लिए जरूरी बात

बच्चे मच्छरों के काटने से इम्यून नहीं होते, बल्कि उन्हें ज्यादा सावधानी की जरूरत होती है। सही इलाज और बचाव से बच्चों को खुजली, इंफेक्शन और गंभीर बीमारियों से सुरक्षित रखा जा सकता है। बच्चों की सुरक्षा में छोटी सावधानी, बड़ी बीमारी से बचा सकती है।

सोशल मीडिया के नए ट्रेंड से छोटे बच्चों में बढ़ा मेकअप क्रेज ,डॉक्टरों ने दी चेतावनी

सोशल मीडिया के बढ़ते प्रभाव के कारण अब छोटे बच्चे और टोडलर्स भी स्किनकेयर और मेकअप की ओर आकर्षित हो रहे हैं। विशेषज्ञों का कहना है कि यह सिर्फ बच्चों की त्वचा को प्रभावित नहीं करता, बल्कि उनकी मानसिकता और सोच पर भी असर डाल रहा है।

बच्चों में स्किनकेयर और मेकअप का चलन क्यों बढ़ा?

आजकल बच्चे सोशल मीडिया वीडियो और ट्रेंड्स को देखकर मेकअप और स्किनकेयर प्रोडक्ट्स इस्तेमाल करने की जिद करते हैं। उन्हें यह सब अपने पेरेंट्स या बड़े बच्चों के व्यवहार से प्रेरित होकर करना पसंद आता है। वैश्विक स्तर पर बच्चों के लिए ब्यूटी और स्किनकेयर मार्केट तेजी से बढ़ रहा है। सालाना 1.5 बिलियन डॉलर का कारोबार सिर्फ बच्चों के कॉस्मेटिक प्रोडक्ट्स से हो रहा है। भारत में भी कई कंपनियां बच्चों के लिए खास प्रोडक्ट्स लॉन्च कर रही हैं और ऑनलाइन प्लेटफॉर्म पर 60 से ज्यादा ऐसे प्रोडक्ट्स उपलब्ध हैं।

मनोवैज्ञानिकों की चेतावनी

मनोवैज्ञानिक बताते हैं कि सोशल मीडिया की वजह से अब बचपन और जवानी की सीमा धीरे-धीरे मिटती जा रही है। बच्चे अपनी अहमियत दूसरों की तारीफों से आंकने लगते हैं। लंबे समय तक यह आदत मानसिक स्वास्थ्य पर नकारात्मक असर डाल सकती है।

पेरेंट्स के लिए सलाह

डॉक्टरों और मनोवैज्ञानिकों ने माता-पिता को सलाह दी है कि बच्चों को बिना समझाए सख्ती से रोकने की बजाय प्यार से समझाएं। बच्चों को केवल फेसवॉश और मॉइस्चराइजर का इस्तेमाल करने दें और मेकअप के बजाय स्वच्छता और बुनियादी स्किनकेयर पर ध्यान देना सिखाएं। बच्चों के लिए बढ़ती ग्लास स्किन और मेकअप की चाह को देखते हुए यह जरूरी है कि पेरेंट्स बच्चों की स्किन और मानसिक स्वास्थ्य का ध्यान रखें और उन्हें सही दिशा में गाइड करें।

विंटर केयर: सर्दियों में बच्चों को कितनी बार नहलाना चाहिए? जानें सही तरीका

सर्दियों का मौसम छोटे बच्चों के लिए थोड़ा नाजुक होता है। ठंडी हवा और सूखा मौसम बच्चों की त्वचा और सेहत पर जल्दी असर डालता है। इस मौसम में बच्चों की इम्यूनिटी कमजोर हो सकती है और उनकी त्वचा रूखी होने लगती है। इसलिए माता-पिता को बच्चों की देखभाल में खास ध्यान देने की जरूरत होती है, खासतौर पर नहलाने को लेकर। अक्सर साफ-सफाई के चक्कर में की गई छोटी सी गलती भी बच्चों को सर्दी, खांसी या त्वचा की परेशानी में डाल सकती है। आयुर्वेद और आधुनिक विज्ञान दोनों ही सर्दियों में बच्चों को नहलाने के मामले में संयम बरतने की सलाह देते हैं।

क्या सर्दियों में बच्चों को रोज नहलाना जरूरी है?

नहीं, सर्दियों में बच्चों को रोज नहलाने की जरूरत नहीं होती। रोज नहलाने से त्वचा के नेचुरल ऑयल खत्म हो जाते हैं, जिससे त्वचा और बाल ज्यादा रूखे हो सकते हैं। डॉक्टरों के अनुसार, सर्दियों में बच्चों को हफ्ते में 2 से 3 बार नहलाना पर्याप्त होता है।

आयुर्वेद क्या कहता है?

आयुर्वेद के मुताबिक, सर्दियों में वात दोष बढ़ जाता है। बार-बार नहाने से वात और बढ़ सकता है, जिससे बच्चों को सूखी त्वचा, सर्दी और खांसी की समस्या हो सकती है।

बच्चों के बालों की सही देखभाल

छोटे बच्चों की स्कैल्प बहुत संवेदनशील होती है। सामान्य तौर पर हफ्ते में 1 से 2 बार बाल धोना काफी है। अगर बाल ज्यादा ऑयली हों तो 2 से 3 बार धोए जा सकते हैं। सूखे या घुंघराले बालों को 7 से 10 दिन में एक बार धोना बेहतर होता है। बाल धोने के बाद हल्का सा तेल लगाना फायदेमंद रहता है।

बच्चों को नहलाते समय रखें ये जरूरी सावधानियां

हमेशा गुनगुने पानी का इस्तेमाल करें। बच्चे को सुबह धूप निकलने के बाद या दोपहर में नहलाएं। नहाते समय कमरे के दरवाजे बंद रखें ताकि ठंडी हवा न लगे। नहलाने के तुरंत बाद तौलिए से अच्छे से सुखाएं। बच्चे को गर्म कपड़े और मोजे पहनाएं ताकि शरीर की गर्मी बनी रहे। सर्दियों में बच्चों को जरूरत से ज्यादा नहलाना नुकसानदायक हो सकता है। सही संख्या, सही समय और सही तरीके से नहलाकर ही बच्चों को ठंड से सुरक्षित रखा जा सकता है।

बच्चे के जन्म के बाद यह एक गलती बिल्कुल नहीं करनी चाहिए

गाइनेकोलॉजिस्ट का कहना है कि बच्चे के जन्म के तुरंत बाद नई मां को एक बड़ी गलती से बचना चाहिए। अगर यह गलती हो जाए, तो आगे चलकर शरीर में कई तरह की स्वास्थ्य समस्याएं सामने आ सकती हैं। इसलिए डिलीवरी के बाद खुद का सही ख्याल रखना बेहद जरूरी है। डिलीवरी के बाद महिला का शरीर काफी कमजोर हो जाता है। इस दौरान सही पोषण, आराम और हल्की-फुल्की गतिविधियां करना बहुत जरूरी होता है ताकि शरीर जल्दी ठीक हो सके। लेकिन कई नई मां अनजाने में एक गलती कर देती हैं, जो उनकी सेहत पर लंबे समय तक असर डाल सकती है।

डिलीवरी के बाद पूरी तरह बेडरेस्ट करना गलत है

डॉ. ने एक इंस्टाग्राम वीडियो में बताया कि पोस्टपार्टम के दौरान कई तरह के मिथक फैले हुए हैं। सी-सेक्शन या नॉर्मल डिलीवरी के बाद महिलाएं अक्सर सोचती हैं कि उन्हें पूरी तरह बिस्तर पर रहना चाहिए। लेकिन यह बिल्कुल सही नहीं है। बेहतर रिकवरी के लिए हल्की वॉक जरूरी डॉ. हैं कि बच्चे के जन्म के तुरंत बाद ज्यादा समय तक एक ही पोजिशन में लेटे रहने से मांसपेशियां अकड़ जाती हैं। इससे लंबे समय तक पीठ दर्द, हाथ-पैरों में दर्द और कमजोरी की समस्या बनी रहती है।

पैरों में खून का थक्का जमने का खतरा

एक्सपर्ट के अनुसार, प्रेग्नेंसी के दौरान खून में बदलाव होते हैं, जो डिलीवरी के बाद भी बने रहते हैं। अगर नई मां लंबे समय तक बिस्तर पर लेटी रहती हैं, तो उनके पैरों में खून का थक्का (ब्लड क्लॉट) बनने का खतरा बढ़ जाता है। यह एक गंभीर समस्या हो सकती है और समय पर ध्यान न दिया जाए तो स्वास्थ्य के लिए खतरनाक हो सकती है।

डिलीवरी के बाद हल्की वॉक शुरू करें। लंबे समय तक एक ही पोजिशन में न रहें। मांसपेशियों की अकड़न को रोकने के लिए स्ट्रेचिंग और हल्की एक्सरसाइज करें। अपने डॉक्टर से हमेशा सलाह लेकर ही गतिविधियां बढ़ाएं। इस तरह छोटी सी सावधानी से नई मां दर्द, कमजोरी और गंभीर स्वास्थ्य समस्याओं से बच सकती हैं और जल्दी ठीक हो सकती हैं।

बच्चे को स्कूल भेजने से पहले कभी नहीं करने चाहिए ये काम

बिगड़ जाएगा दिन, पढ़ाई में भी नहीं लगेगा मन

अक्सर ही जाने-अनजाने में पैरेंट्स सुबह के समय ऐसे काम कर देते हैं जिनसे बच्चे का पूरा दिन स्कूल में खराब हो सकता है. ऐसे में आप भी जान लीजिए कौनसी हैं ये गलतियां जिनसे परहेज किया जाना जरूरी है.

सुबह का समय घर में बेहद उथल-पुथल वाला होता है. किसी को खाना बनाने की टेंशन रहती है तो किसी को ऑफिस जाने की. वहीं, बच्चे स्कूल जाने की तैयारी में लगे रहते हैं. कहते हैं सुबह व्यक्ति अच्छे मूड से बाहर निकलता है तो उसका दिन भी अच्छा जाता है और अगर सुबह ही मूड ठीक ना रहे तो दिनभर चिड़चिड़ाहट होती है और किसी काम में मन नहीं लगता. यह बात बच्चों पर भी लागू होती है. अगर सुबह के समय घर का माहौल ठीक ना रहे या पैरेंट्स कुछ ऐसा कह दें जिससे बच्चे का मूड खराब हो जाए तो स्कूल का पूरा दिन भी अच्छा नहीं बीतता है. ऐसे में यहां ऐसी ही 5 गलतियों का जिक्र किया जा रहा है जिन्हें पैरेंट्स को सुबह बच्चे को स्कूल भेजने से पहले करने से बचना चाहिए.

बच्चों पर चिल्लाना

सुबह के समय बच्चे को चिल्लाकर उठाने या फिर बच्चे पर चिल्लाने से परहेज करना चाहिए. इससे बच्चे का पूरा दिन खराब हो सकता है. बच्चे को आराम से जगाना चाहिए और उसे अच्छे मूड के साथ ही स्कूल भेजने की कोशिश करनी चाहिए. इससे बच्चे के दिन की शुरुआत पॉजीटिव होती है.

बच्चे को रुलाकर स्कूल भेजना

अक्सर ही जब सुबह बच्चे को डांटा जाता है या उससे कठोर आवाज में बात की जाती है तो इससे बच्चा रोने लगता है.

पैरेंट्स को लगता है कि यह बच्चे का स्कूल ना जाने के लिए एक और नाटक है और इसीलिए वे उसे रोता हुआ ही स्कूल भेज देते हैं. लेकिन, ऐसा नहीं करना चाहिए. इससे बच्चे का दिन बिगड़ जाता है.

कठोर बातें कहकर स्कूल भेजना

बच्चे को कठोर बातें कहकर स्कूल नहीं भेजना चाहिए. माना पैरेंट्स चाहते हैं कि बच्चा स्कूल में जाकर पढ़ने पर ध्यान दे और आनाकानी ना करे, लेकिन इसके लिए उसे कठोर बातें कहना या ऐसी बातें कहना जो उसके मन को ठेस पहुंचाती हैं, सही नहीं हैं. कोशिश करनी चाहिए कि बच्चे को अच्छी बातें कहकर या प्यार से बातें समझाकर ही स्कूल भेजा जाए.

आपके लिए और..

ऐसा कौन सा शहर है जिसे हम खा सकते हैं? जबाव बताओ

द?ल?ली वालों की 100 रुपये में मौजां ही मौजां, जेब में हैं बस 100 रुपये तो भी द?ल?ली की सैर कर सकते हैं आप, जानें कैसे

50 की उम्र में भी दिखेंगी 25 की, बस रोज रात को सोने से पहले करें इस अंग की मालिश

घर में हबड़-तबड़ मचाना

कई बार पैरेंट्स लेट उठते हैं और फिर बच्चे को लेट उठाते हैं जिससे घर में हबड़-तबड़ का माहौल हो जाता है. इससे बच्चे को समझ ही नहीं आता कि हो क्या रहा है और कई बार यह हड़बड़ाहट किसी बर्तन के टूटने की वजह बन जाती है या इससे बच्चे को घबराहट होने लगती है. इसीलिए ऐसा नहीं करना चाहिए.

जल्दबाजी में नाश्ता करवाना

अगर नाश्ता सही तरह से, समय लेकर और अच्छे से चबा-चबाकर ना किया जाए तो इससे तो बड़ों का ही पेट बिगड़ने लगता है, तो बेचारे मासूम बच्चे कैसे पेट की दिक्कतों से बचेंगे. अगर बच्चों को जल्दी-जल्दी नाश्ता करवाया जाए तो इससे बच्चे के पेट में गैस बन सकती है, पेट में दर्द हो सकता है और एसिडिटी या जी मितलाने की दिक्कत से दोचार होना पड़ सकता है. इसीलिए बच्चे को समय से उठाएं और आराम से नाश्ता करने के लिए कहें.

अंडर-19 वर्ल्ड कप विजेता भारतीय टीम को बीसीसीआई का तोहफ़ा, 7.5 करोड़ रुपये का कैश पुरस्कार घोषित

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने आईसीसी अंडर-19 पुरुष क्रिकेट वर्ल्ड कप 2026 जीतने वाली भारतीय टीम के लिए 7.5 करोड़ रुपये की पुरस्कार राशि का ऐलान किया है। यह इनाम न सिर्फ विजेता खिलाड़ियों बल्कि कोचिंग स्टाफ, तकनीकी टीम और चयन समिति को भी दिया जाएगा। बीसीसीआई के सचिव देवजीत सैकिया ने शनिवार को इसकी आधिकारिक पुष्टि की और बताया कि पुरस्कार राशि के विभाजन पर जल्द ही अंतिम निर्णय लिया जाएगा। सैकिया के अनुसार जिम्बाब्वे और नामीबिया में आयोजित इस टूर्नामेंट में भारत ने बेहतरीन खेल दिखाते हुए रिकॉर्ड छठी बार खिताब पर कब्जा जमाया। उन्होंने बताया कि 7.5 करोड़ रुपये की राशि टीम के सभी सदस्यों के बीच बांटी जाएगी, हालांकि वितरण का सटीक फॉर्मेट अभी तय होना बाकी है।

हरारे स्पोर्ट्स क्लब में खेले गए फाइनल मुकाबले में भारत ने इंग्लैंड को 100 रन से मात देकर अपने दबदबे को और मजबूत किया। फाइनल मैच में 14 वर्षीय वैभव सूर्यवंशी ने 80 गेंदों पर 175 रन की विस्फोटक शतकीय पारी खेलकर भारत की जीत की नींव रखी। उनकी इस पारी ने इंग्लैंड के गेंदबाजों को शुरुआत से ही दबाव में ला दिया। कप्तान आयुष म्हात्रे के 53 रन और विकेटकीपर अभिग्यान कुंडू के 40 रन ने टीम के स्कोर को 411/9 तक पहुंचाया। जवाब में इंग्लैंड की टीम 311 रन पर सिमट गई। इंग्लैंड के कैलिब फाल्कनर के 115 रन भी उनकी टीम को बचा नहीं पाए। इस खिताबी जीत के साथ भारत ने एक अनोखा रिकॉर्ड भी अपने नाम किया है। फिलहाल भारत के पास अंडर-19 पुरुष और अंडर-19 महिला वर्ल्ड कप दोनों के खिताब मौजूद हैं, जो देश के मजबूत ग्रासरूट ढांचे और प्रतिभा विकास प्रणाली को दर्शाता है। बीसीसीआई सचिव ने टीम की जीत की सराहना करते हुए कहा कि भारतीय क्रिकेट की प्रगति मजबूत घरेलू संरचना, गुणवत्तापूर्ण कोचिंग और प्रतिभा पहचान के निरंतर प्रयासों का परिणाम है। उन्होंने यह भी बताया कि सीनियर पुरुष और महिला क्रिकेटरों के केंद्रीय अनुबंधों को लेकर बोर्ड जल्द ही अपडेट जारी करेगा।

डेविस कप क्वालिफायर: सुमित नागल को शुरुआती सिंगल्स में हार, भारत नीदरलैंड से 0-1 से पीछे

बेंगलुरु (एजेंसी)। डेविस कप क्वालिफायर मुकाबले में भारत को शुरुआती झटका लगा है। देश के शीर्ष एकल खिलाड़ी सुमित नागल को पहले सिंगल्स मैच में नीदरलैंड के गाइ डे ओउडेन के खिलाफ हार का सामना करना पड़ा। तीन सेट तक चले इस मुकाबले में नागल 0-6, 6-4, 3-6 से पराजित हुए, जिसके बाद भारत सीरीज में 0-1 से पीछे हो गया है।

मैच की शुरुआत नागल के लिए बेहद कठिन रही। पहले सेट में गाइ डे ओउडेन ने आक्रामक खेल दिखाते हुए नागल को कोई मौका नहीं दिया और सेट 6-0 से अपने नाम किया। हालांकि, दूसरे सेट में नागल ने शानदार वापसी की, अपनी लय हासिल की और निर्णायक ब्रेक के साथ 6-4 से सेट जीतकर मुकाबले को बराबरी पर ला दिया।

तीसरे और निर्णायक सेट में दोनों खिलाड़ियों के बीच कड़ा मुकाबला देखने को मिला, लेकिन अहम मौकों पर गाइ डे ओउडेन ने बेहतर खेल दिखाया और 6-3 से सेट जीतकर मैच अपने नाम कर लिया।

इस हार के साथ ही बेंगलुरु में खेले जा रहे डेविस कप क्वालिफायर टाई में भारत पर दबाव बढ़ गया है। अब भारतीय टीम को अगले मुकाबलों में वापसी कर सीरीज में बराबरी हासिल करने की जरूरत होगी, ताकि क्वालिफिकेशन की उम्मीदें बनी रहें।

आगामी मैचों में भारतीय खिलाड़ियों से बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद की जा रही है, जिससे घरेलू दर्शकों के सामने टीम वापसी कर सके।

रहाणे की बड़ी भविष्यवाणी : टीम इंडिया टी20 वर्ल्ड कप में रचेगी 300 रन का इतिहास

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट के अनुभवी बल्लेबाज़ अजिंक्य रहाणे ने आगामी टी20 वर्ल्ड कप को लेकर एक साहसिक दावा किया है। उनका मानना है कि मौजूदा भारतीय टीम वह ताकत और आक्रामकता रखती है, जो इस टूर्नामेंट में पहली बार 300 रन का आंकड़ा पार कर सकती है। कप्तान सूर्यकुमार यादव की अगुवाई में भारत अपने खिताब बचाव अभियान की शुरुआत यूएसए के खिलाफ करेगा, और रहाणे के अनुसार यही टीम इतिहास रचने की मजबूत दावेदार है।

एक सोशल मीडिया प्रश्नोत्तर सत्र में जब रहाणे से पूछा गया कि क्या कोई टीम टी20 वर्ल्ड कप में 300 रन बना सकती है, तो उन्होंने बिना झिझक भारत का नाम लिया। उनकी नजर में मौजूदा स्क्वाड में गहराई, क्षमता और आक्रामक मानसिकता है, जो इस उपलब्धि को संभव बना सकती है। उन्होंने कहा कि टीम इंडिया की आधुनिक टी20 अप्रोच और बेखौफ बल्लेबाज़ी उन्हें इस रिकॉर्ड के बेहद करीब ले जा चुकी है।

सूर्यकुमार यादव की कप्तानी शैली, जिसे 'स्काईबॉलद्य' के नाम से जाना जा रहा है, भारतीय बल्लेबाज़ी की आक्रामक पहचान बन गई है। टूर्नामेंट में भारत अब तक सैकड़ों छक्के लगा चुका है और टीम के शीर्ष सात बल्लेबाज़ों का स्ट्राइक रेट भी शानदार रहा है। रहाणे का मानना है कि अगर भारतीय बल्लेबाज़ अपनी लय में रहे, तो 300 रन का आंकड़ा भी पहुंच से बाहर नहीं है।

भारत की संभावित ओपनिंग जोड़ी अभिषेक शर्मा और ईशान किशन पर भी रहाणे ने भरोसा जताया। उन्होंने कहा कि ईशान किशन की फॉर्म और तेज़ शुरुआत देने की क्षमता, साथ ही अभिषेक शर्मा का पावरप्ले में आक्रामक खेल, भारत को बड़े स्कोर तक ले जाने में अहम भूमिका निभा सकता है। संजू सैमसन बनाम ईशान किशन की चर्चा पर रहाणे ने संतुलित राय रखते हुए कहा कि भले ही ईशान लय में हों, लेकिन संजू का अनुभव भी टीम के लिए उतना ही महत्वपूर्ण है। खिलाड़ियों को भरोसा देना बड़े टूर्नामेंट में निर्णायक साबित होता है।

अपनी बल्लेबाजी कौशल पर भरोसा था कि बड़े मैच में योगदान दे सकता हूं: सूर्यवंशी

नई दिल्ली(एजेंसी)। अंडर-19 विश्व कप में रिकॉर्ड छठी जीत, वैभव सूर्यवंशी की 175 रन की विस्फोटक पारी बनी भारत की सफलता की कुंजी. भारत को रिकॉर्ड छठा अंडर-19 विश्व कप खिताब दिलाने में अहम भूमिका निभाने वाले युवा बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी ने फाइनल में अपने स्वाभाविक अंदाज में खेलते हुए ऐसा धमाका किया, जिसने इंग्लैंड की पूरी रणनीति को ध्वस्त कर दिया। महज 14 वर्ष की उम्र में सूर्यवंशी ने 80 गेंदों पर 175 रन की अविश्वसनीय पारी खेली, जिसमें 15 छक्के और 15 चौके शामिल थे। उनकी इस पारी की बदौलत भारत ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 411 रन का विशाल स्कोर खड़ा किया और इंग्लैंड को 311 रन पर रोककर 100 रन से मुकाबला जीत लिया। फाइनल में 'प्लेयर ऑफ द मैच' और पूरे टूर्नामेंट में 'प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट' चुने गए सूर्यवंशी ने कहा कि उन्हें अपने कौशल पर पूरा भरोसा था और टीम ने शुरुआत से ही अनावश्यक दबाव नहीं लेने की रणनीति अपनाई। मैच के बाद उन्होंने कहा कि टीम ने पूरे टूर्नामेंट में दिखाए गए प्रदर्शन को दोहराने पर जोर दिया और इसी प्रक्रिया ने उन्हें बड़े मुकाबले में जीत दिलाई। सूर्यवंशी ने बताया कि टीम पिछले 8-9 महीनों से लगातार कड़ी मेहनत कर रही थी, जिसका नतीजा अब जाकर सामने आया है। उन्होंने कहा कि एशिया कप में पाकिस्तान से हार के बाद टीम ने और ज्यादा तैयारी की, जिसका सकारात्मक असर फाइनल में भी दिखाई दिया। भारतीय कप्तान आयुष म्हात्रे ने विश्व कप जीत को ऐतिहासिक बताते हुए कहा कि टीम रोहित शर्मा और हरमनप्रीत कौर द्वारा स्थापित विश्व कप जीत की विरासत को आगे बढ़ाना चाहती थी। उन्होंने अपने खिलाड़ियों के प्रदर्शन की जमकर तारीफ की और कहा

कि टीम ने फाइनल में बिना दबाव के अपना स्वाभाविक खेल दिखाया। म्हात्रे ने सूर्यवंशी की बल्लेबाजी को 'जादुई' बताते हुए कहा कि उनकी पारी को शब्दों में नहीं बांधा जा सकता।

मुख्य कोच ऋषिकेश कानिटकर ने इस जीत को 'अविश्वसनीय' करार दिया और कहा कि इंग्लैंड द्वारा दिखाए गए संघर्ष के बाद यह विजय और भी खास हो जाती है। उन्होंने कहा कि युवा खिलाड़ियों का इस तरह निखरकर सामने आना भारतीय क्रिकेट के भविष्य के लिए बेहद सकारात्मक संकेत है। वहीं इंग्लैंड के कप्तान थॉमस रियू ने स्वीकार किया कि सूर्यवंशी की विस्फोटक बल्लेबाजी ने उनकी सारी योजनाओं को ध्वस्त कर दिया और इतनी करीब आकर ट्रॉफी गंवाना बेहद दर्दनाक है।

टी20 विश्व कप में पाकिस्तान की जीत से शुरुआत, नीदरलैंड को रोमांचक मुकाबले में 3 विकेट से हराया

नई दिल्ली (ईएमएस)। पाकिस्तान ने टी20 विश्व कप 2026 के अपने पहले ही मुकाबले में जीत दर्ज करते हुए अभियान की दमदार शुरुआत की। कोलंबो में खेले गए इस रोमांचक मैच में पाकिस्तान ने नीदरलैंड को 19.3 ओवर में 7 विकेट पर 148 रन बनाकर 3 विकेट से मात दी। इससे पहले नीदरलैंड की टीम 19.5 ओवर में 147 रन बनाकर ऑल आउट हो गई। 147 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए पाकिस्तान की शुरुआत ठीक रही। सलामी बल्लेबाज सईम आयूब और साहिबजादा फरहान ने पहले विकेट के लिए 27 रन जोड़े। आयूब ने 13 गेंदों पर 24 रन बनाए, जबकि फरहान ने 31 गेंद में 47 रन की अहम पारी खेली। हालांकि बीच के ओवरों में पाकिस्तान की बल्लेबाजी लड़खड़ा गई और टीम बड़े नामों के बावजूद लगातार विकेट गंवाती रही। कप्तान सलमान अली आगा 12 रन पर आउट हुए, बाबर आजम ने 18 गेंदों में 15 रन बनाए। मोहम्मद नवाज और शादाब खान जैसी अनुभवी जोड़ियों से भी बड़ी पारी की उम्मीद थी, लेकिन दोनों नाकाम रहे। एक समय पाकिस्तान का स्कोर 17 ओवर में 115/7 था और टीम हार के काफी करीब नजर आ रही थी। आखिरी 18 गेंदों पर पाकिस्तान को 33 रन चाहिए थे। 18वें ओवर में नीदरलैंड ने सिर्फ 4 रन दिए, जिससे समीकरण और मुश्किल हो गया। इसके बाद 19वें ओवर में फहीम अशरफ ने मैच का पूरा रुख बदल दिया। लोगन के ओवर में फहीम ने पहली, तीसरी और पांचवीं गेंद पर छक्के जड़े और ओवर की अंतिम गेंद पर गेंद को बाउंड्री पार भेजकर कुल 24 रन बटोर लिए। इससे पाकिस्तान को आखिरी 6 गेंदों में सिर्फ 5 रन की जरूरत रह गई।

गावस्कर का पाकिस्तान पर निशाना : कहा – पहल हमेशा भारत ने की, जवाब कभी नहीं मिला

नई दिल्ली। टी20 वर्ल्ड कप 2026 में भारत-पाकिस्तान मैच के बहिष्कार को लेकर जारी विवाद के बीच भारतीय क्रिकेट के दिग्गज सुनील गावस्कर ने पाकिस्तान पर तीखा हमला बोला है। उन्होंने साफ कहा कि पाकिस्तान हमेशा भारत से दोस्ताना कदम बढ़ाने की उम्मीद करता है, लेकिन ऐसा कोई सकारात्मक रुख पाकिस्तान की ओर से कभी दिखाई नहीं दिया। गावस्कर ने 2008 के आईपीएल का उदाहरण देते हुए कहा कि लीग की शुरुआत में लगभग हर फ्रेंचाइजी में पाकिस्तानी खिलाड़ी मौजूद थे और कई पाकिस्तानी कमेंटेटर्स को भी भारत में काम करने का मौका मिला। उनके मुताबिक, भारत ने तब भी रिश्ता सुधारने की पहल की थी, जबकि पाकिस्तान की ओर से वैसी भावना कभी नजर नहीं आई, यहां तक कि तब भी जब दोनों देशों के रिश्तों में आज जैसी तल्खियां नहीं थीं। उन्होंने सिर्फ क्रिकेट ही नहीं, बल्कि सांस्कृतिक आदान-प्रदान का मुद्दा भी उठाया और पूछा कि कितने भारतीय कलाकारों या गायकों को पाकिस्तानी फिल्मों में काम करने का मौका मिला। गावस्कर ने कहा कि भारत हमेशा पहला कदम उठाता है और किसी तरह की फ्रबुलींगफ्र नहीं कर रहा, बल्कि अपनी राह पर चलता रहा है। उनकी यह प्रतिक्रिया उस समय सामने आई है जब पाकिस्तान ने 15 फरवरी को कोलंबो के आर.प्रेमदासा स्टेडियम में होने वाले भारत के खिलाफ मैच में उतरने से इनकार कर दिया है। हालांकि पाकिस्तान सरकार ने टीम को टूर्नामेंट में खेलने की मंजूरी दे दी है, लेकिन भारत के खिलाफ मुकाबले को लेकर रुख सख्त बना हुआ है। यह फैसला पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने बांग्लादेश के समर्थन में लिया है, जिसे वेन्यू बदलने की अनुमति नहीं मिली और वह टूर्नामेंट से हट गया। उसकी जगह स्कॉटलैंड को शामिल किया गया। इस मुद्दे पर आईसीसी ने नाराजगी जताते हुए पीसीबी को चेतावनी दी है कि बहिष्कार का यह फैसला पाकिस्तान क्रिकेट के भविष्य को नुकसान पहुंचा सकता है और वैश्विक क्रिकेट के हित में बिल्कुल नहीं है। टी20 वर्ल्ड कप में भारत-पाकिस्तान के आमने-सामने के रिकॉर्ड की बात करें, तो भारतीय टीम पूरी तरह हावी रही है। दोनों टीमों के बीच अब तक हुए 8 मुकाबलों में भारत ने 7 बार जीत दर्ज की है।

बॉक्सम एलीट 2026: सचिन और लवलीना की अगुवाई में 12 भारतीय फाइनल में पहुंचे

ला नुसिया (एजेंसी)। शानदार प्रदर्शन से भरे एक और सेशन के बाद आठ महिलाओं और चार पुरुषों सहित 12 भारतीय बॉक्सम एलीट इंटरनेशनल 2026 के आखिरी दिन गोल्ड के लिए मुकाबला करेंगे। पुरुषों की तरफ से सचिन (60किग्रा) ने मोर्चा संभाला, जिन्होंने इंग्लैंड के जैक ड्राइडन पर एक और शानदार जीत के साथ अपनी बेहतरीन लय जारी रखी। महिलाओं के सेक्शन में, ओलंपिक मेडलिस्ट लवलीना बोरगोहेन (75किग्रा) ने वेल्स की रोजी एक्लेस पर सर्वसम्मत जीत के साथ फाइनल में जगह बनाई।

ला नुसिया, एलिकांटे, स्पेन में आयोजित बॉक्सम एलीट 2026 में 20 देशों के 200 से ज़्यादा मुक्केबाजों ने हिस्सा लिया। शनिवार के फाइनल में भारत (12) सबसे ज़्यादा प्रतिनिधित्व वाला देश है - जो दिग्गज कजाकिस्तान (11), यूक्रेन (5), और मेजबान स्पेन (4) से आगे है - और कम से कम एक गोल्ड पक्का है, क्योंकि एलीट महिला 54किग्रा का फाइनल पूरी तरह से भारतीयों के बीच होगा।

भारत की महिलाओं ने अलग-अलग कैटेगरी में सेमीफाइनल में शानदार जीत के साथ अपना मजबूत प्रदर्शन जारी रखा, जिसमें 54किग्रा कैटेगरी में गोल्ड पक्का होना सबसे खास रहा, जहां प्रीति और पूनम खिताब के लिए आमने-सामने होंगी। इसके अलावा, मंजू रानी (48), नीतू (51), प्रिया (60), अरुंधति चौधरी (70) और नैना (80) सभी ने शानदार जीत के साथ फाइनल में जगह बनाई, जो अलग-अलग वेट क्लास में भारत की गहराई और निरंतरता को दिखाता है।

पुरुषों की प्रतियोगिता में दीपक (70), आकाश (75) और अंकुश (80) के शानदार प्रदर्शन से भारत के और फाइनलिस्ट बने। दीपक ने कजाकिस्तान के वर्ल्ड बॉक्सिंग कप फाइनल के सिल्वर मेडलिस्ट नुरबेक मुरसल के खिलाफ पहले राउंड में ही आरएससी से जीत हासिल करके सेशन के सबसे खास पलों में से एक दिया, जबकि आकाश और अंकुश ने कजाख विरोधियों के खिलाफ मुश्किल मुकाबलों में जीत हासिल करके शनिवार को गोल्ड मेडल के मुकाबलों में अपनी जगह पक्की की।

भारत के कैंपेन में कई बॉक्सर्स सेमीफाइनल में हारने के बाद ब्रॉन्ज मेडल जीतकर पोडियम पर पहुंचे, जिनमें महिलाओं के मुकाबले में प्रांजल यादव (65), काजल (65), सनामचा चानू (75) और मनकीरत कौर (80) शामिल हैं। पुरुषों के ड्रॉ में जदुमणि सिंह (55), मोहम्मद हुसाम उद्दीन (60), और हितेश गुलिया (70) ने ब्रॉन्ज मेडल हासिल किया।

भारत के खिलाफ मैच से इनकार पर आईसीसी ने पाकिस्तान से मांगा जवाब

नई दिल्ली। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) से यह स्पष्ट करने को कहा है कि भारत के खिलाफ टी20 वर्ल्ड कप 2026 के मैच से इनकार को वह 'फोर्स मेज्योर' प्रावधान के तहत कैसे सही ठहरा सकता है। पीसीबी ने हाल ही में आईसीसी को पत्र लिखकर दावा किया था कि पाकिस्तान सरकार के निर्देश के कारण टीम 15 फरवरी को कोलंबो में होने वाले इस अहम मुकाबले में हिस्सा नहीं ले सकती। अब आईसीसी ने इस दावे पर गंभीर सवाल उठाते हुए विस्तृत स्पष्टीकरण मांगा है। आईसीसी ने अपने जवाब में पूछा है कि जब पाकिस्तान टीम सरकार के निर्देशों के तहत पूरे टूर्नामेंट में बाकी सभी मैच खेलने को तैयार है, तो सिर्फ भारत के खिलाफ मुकाबले से हटने को 'फोर्स मेज्योर' कैसे माना जा सकता है। संस्था का कहना है कि किसी एक मैच को चुनकर उससे इनकार करना टूर्नामेंट के मूल सिद्धांतों के खिलाफ है और इससे खेल की निष्पक्षता पर भी असर पड़ता है। पीसीबी ने सरकार के सोशल मीडिया पोस्ट का हवाला देते हुए दावा किया था कि यह स्थिति 'फोर्स मेज्योर' के तहत आती है, क्योंकि यह उनके नियंत्रण से बाहर है। हालांकि आईसीसी का मानना है कि इस प्रावधान का इस्तेमाल तभी मान्य माना जाता है जब घटना अप्रत्याशित, अनिवार्य और अपरिहार्य हो, और प्रभावित पक्ष इस बात के प्रमाण दे कि उसने नुकसान को कम करने के लिए सभी संभव प्रयास किए। सिर्फ राजनीतिक असहमति या असुविधा इस प्रावधान के तहत नहीं आती। सूत्रों के अनुसार, पीसीबी ने आईसीसी की औपचारिक चिट्ठी प्राप्त होने के बाद बातचीत का सिलसिला शुरू कर दिया है। आईसीसी इस मुद्दे को सुलझाने के लिए पीसीबी के साथ लगातार संपर्क में है और चाहता है कि क्रिकेट के हित में कोई संतुलित समाधान निकले। पाकिस्तान सरकार पहले ही घोषणा कर चुकी है कि टीम केवल भारत के खिलाफ मैच में हिस्सा नहीं लेगी, जबकि बाकी सभी मुकाबले खेलेगी।

एलेक्जेंड्रोवा ने मैच पॉइंट बचाकर अबू धाबी फाइनल में जगह बनाई

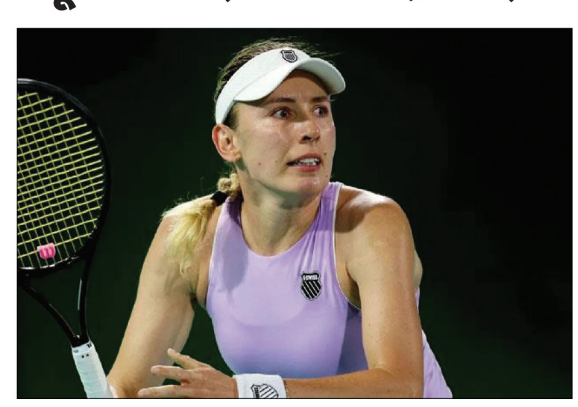

अबू धाबी (एजेंसी)। एकातेरिना एलेक्जेंड्रोवा ने मुबाडाला अबू धाबी ओपन फाइनल में पहुंचने के लिए काफी अच्छा प्रदर्शन किया, शुक्रवार शाम को तीन सेट में हैली बैपटिस्ट को हराने से पहले एक मैच पॉइंट बचाया। बैपटिस्ट ने पहला सेट जीता और दूसरे सेट में 5-4 पर एलेक्जेंड्रोवा की सर्विस पर मैच पॉइंट हासिल किया। एलेक्जेंड्रोवा ने इसे बचाया, सर्विस बरकरार रखी, और सेट को टाईब्रेक तक पहुंचाया, जहां उन्होंने 5-4 से पीछे होने के बाद अंतिम तीन पॉइंट जीतकर निर्णायक सेट के लिए मजबूर किया। उन्होंने तीसरे सेट की शुरुआत में सर्विस बरकरार रखी, 2-0 से बढ़त बनाई और 4-2 से आगे रहते हुए थोड़े समय के लिए लड़खड़ाने के अलावा, ढाई घंटे में 3-6, 7-6 (5), 6-3 की जीत के साथ मैच को नियंत्रित किया। इस जीत के साथ वह अपने करियर के 13वें फाइनल में पहुंच गई हैं। एलेक्जेंड्रोवा ने कोर्ट पर इंटरव्यू में हंसते हुए कहा, 'बहुत अच्छा लग रहा है। मैंने मैच के दौरान इसके बारे में नहीं सोचा था। (लेकिन) आप जानते हैं, इस मुश्किल मैच के बाद, मुझे लगता है कि यह काफी अच्छी खबर है जो आपने मुझे अभी बताई।' अन्य सकारात्मक बातों में उनके द्वारा लगाए गए 33 विनर्स और यह तथ्य शामिल है कि उन्होंने सर्विसिंग की लड़ाई में बैपटिस्ट को पछाड़ दिया, लेकिन शनिवार के फाइनल से पहले अभी भी बहुत कुछ सुधार करने की ज़रूरत है। उन्होंने 59 अनफोर्स्ड एरर किए और नेट पर काफी संघर्ष किया, पास से 13 में से सिर्फ 4 पॉइंट जीते। उन्होंने शुक्रवार को साबित कर दिया कि वह इन आंकड़ों से उबर सकती हैं, लेकिन उन्हें सारा बेजलेक के खिलाफ और भी बेहतर प्रदर्शन करना होगा, जो क्वालीफाइंग से आई हैं और सेमीफाइनल में क्लारा टौसन को दो घंटे 49 मिनट में 7-5, 3-6, 7-5 से हराकर अपने करियर के पहले डब्ल्यूटीए फाइनल में पहुंची हैं।

हार्दिक पांड्या का बड़ा लक्ष्य: 'मैं भारत के लिए ज्यादा से ज्यादा आईसीसी ट्रॉफी जीतना चाहता हूं'

मुंबई (एजेंसी)। आईसीसी टी20 वर्ल्ड कप 2026 में भारत के पहले मुकाबले से पहले हार्दिक पांड्या पूरे आत्मविश्वास और जुनून के साथ नज़र आ रहे हैं। ऑलराउंडर हार्दिक का मानना है कि इंटरनेशनल क्रिकेट में उनका असली सफर अब शुरू हुआ है। 10 साल के अनुभव के साथ वह खुद को पहले से ज्यादा परिपक्व, खतरनाक और प्रभावशाली खिलाड़ी मानते हैं। उनका लक्ष्य साफ है–भारत के लिए ज्यादा से ज्यादा आईसीसी ट्रॉफी जीतना और बड़े मंच पर खुद को निर्णायक खिलाड़ी के रूप में स्थापित करना।

वानखेड़े में सबकी नजरें हार्दिक पर

जब टीम इंडिया USA के खिलाफ वानखेड़े स्टेडियम में अपने खिताब बचाने के अभियान की शुरुआत करेगी, तो हार्दिक पांड्या आकर्षण का केंद्र होंगे। उनके आत्मविश्वास, आक्रामक शॉट्स, मैदान पर ऊर्जा और बड़े मौकों पर प्रदर्शन ने उन्हें भारत के सबसे भरोसेमंद मैच-विनर खिलाड़ियों में शामिल कर दिया है। फैंस को उम्मीद है कि पूरे टूर्नामेंट में हार्दिक अपने खेल से कई यादगार पल देंगे।

'मेरा सफर अभी शुरू हुआ है'

स्टार स्पोर्ट्स से बातचीत में हार्दिक ने कहा कि वह भारत के लिए कम से कम चार से पांच और आईसीसी ट्रॉफी जीतना चाहते हैं। उनके अनुसार, 10 साल का अंतरराष्ट्रीय अनुभव उन्हें और ज्यादा मजबूत बनाता है। उन्होंने कहा कि एक बल्लेबाज के तौर पर उनकी क्षमता अब और निखर कर सामने आएगी और वह विरोधी टीमों के लिए 'डरावने' साबित हो सकते हैं।

जीत और प्रदर्शन पर पूरा फोकस

हार्दिक ने साफ किया कि उनके लिए खेल की कीमत किसी भी ब्रांड या चीज़ से ज्यादा है। उन्होंने कहा कि मैदान पर लिया गया हर कैच और खेली गई हर गेंद सबसे कीमती होती है। यह बयान उनके प्रोफेशनल रवैये और खेल के प्रति समर्पण को दर्शाता है।

टी20 वर्ल्ड कप 2024 में अहम भूमिका

भारत की 2024 टी20 वर्ल्ड कप जीत में हार्दिक पांड्या का योगदान बेहद अहम रहा। उन्होंने छह पारियों में 144 रन बनाए, उनका औसत 48.00 और स्ट्राइक रेट 151 से ज्यादा रहा। गेंदबाजी में भी उन्होंने 11 विकेट झटके। फाइनल में साउथ अफ्रीका के खिलाफ 3/20 का प्रदर्शन कर उन्होंने मैच का रुख भारत के पक्ष में मोड़ दिया।

चैंपियंस ट्रॉफी 2025 के अनसंग हीरो

आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी 2025 में हार्दिक भले ही सुर्खियों में कम रहे हों, लेकिन उनका योगदान निर्णायक था। उन्होंने चार पारियों में उपयोगी रन बनाए और जरूरत के समय विकेट भी लिए। उनकी छोटी लेकिन प्रभावी पारियों ने भारत को खिताब जीतने में मदद की।

ओलंपियन सुशील कुमार की जमानत अर्जी अदालत ने खारिज की

नई दिल्ली। दिल्ली की एक अदालत ने छत्रसाल स्टेडियम में पूर्व जूनियर राष्ट्रीय कुश्ती चैंपियन सागर धनकड़ की हत्या से जुड़े मामले में आरोपी ओलंपियन सुशील कुमार की जमानत अर्जी को खारिज कर दिया है। अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश मामले की सुनवाई कर रहे थे, जिसमें सुशील कुमार ने नियमित जमानत की मांग की थी। सुशील कुमार और अन्य आरोपियों पर आरोप है कि मई 2021 में कथित संपत्ति विवाद के चलते उन्होंने सागर धनकड़ और उनके साथियों पर जानलेवा हमला किया था। पोस्टमार्टम रिपोर्ट में सामने आया था कि धनकड़ को किसी भारी वस्तु से सिर में गंभीर चोट पहुंचाई गई, जिसके कारण उनकी मौत हुई। इस घटना में धनकड़ के दो दोस्त भी घायल हुए थे। घटना के तुरंत बाद सुशील कुमार को मई 2021 में गिरफ्तार कर लिया गया था। इससे पहले अदालत ने 19 जुलाई 2023 को उनकी घुटने की सर्जरी के लिए एक सप्ताह की अंतरिम जमानत मंजूर की थी। लेकिन नियमित जमानत को लेकर उनकी पिछली अर्जी और अब दायर ताजा अर्जी दोनों को अदालत ने निरस्त कर दिया। अक्टूबर 2022 में अदालत ने भारतीय दंड संहिता की हत्या, आपराधिक साजिश, धमकी और घातक हथियारों से दंगा करने जैसी गंभीर धाराओं में सुशील कुमार के खिलाफ आरोप तय किए थे। इसके अतिरिक्त, उनके विरुद्ध हथियार अधिनियम के तहत भी कार्रवाई तय की गई है। अदालत ने माना था कि धनकड़ को कथित रूप से अगवा कर स्टेडियम लाया गया और वहां कई आरोपियों ने बेसबॉल व हॉकी स्टिक से उन पर हमला किया।

विधान परिषद में टोपी उतरवाने का सीएम नीतीश का वीडियो वायरल, सियासत गरमाई

चर्चा है– यह बीजेपी की संगत का असर, तिलक लगवाने से भी कर चुके हैं इनकार

पटना (एजेंसी)। बिहार के सीएम नीतीश कुमार का एक वीडियो काफी वायरल हो रहा है। सीएम नीतीश ने विधान परिषद में पूर्व मंत्री, राजद नेता और वर्तमान एमएलसी को टोपी उतारने के लिए कह दिया। इसका वीडियो सामने आया तो अब राजनीति गरमा गई। कहा जा रहा है कि नीतीश अब एनडीए के साथ हैं और उनपर बीजेपी की राजनीति का असर हो गया है। यही कारण है कि नीतीश कुमार टोपी पहनने, टोपी ट्रांसफर करने से लेकर उतरवाने तक पर उतर आए हैं। क्या यह सच है?

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक बजट सत्र में चर्चा के दौरान बीते 5 फरवरी को बिहार सरकार के पूर्व मंत्री और राजद के नेता अब्दुल बारी सिद्दीकी अपना वक्तव्य विधान परिषद में दे रहे थे। इस दौरान सीएम नीतीश कुमार भी वहां मौजूद थे। विधान परिषद में टोपी पहनकर आए अब्दुल बारी सिद्दीकी से सीएम नीतीश ने कहा कि यह टोपी क्यों पहने हैं? हटाइये ना। इस पर अब्दुल बारी ने अपनी टोपी उतार दी और कहा कि लीजिए आपका हुकुम सर आंखों पर, मैं अपनी टोपी उतार देता हूं। वैसे टोपी उतरवाना एक मुहावरा है। बस यहीं से यह छोटा सा वाकया बड़ा राजनीतिक मुद्दा बन गया और बिहार की सियासत गर्म गई।

एक बार फिर से टोपी उतरवाने की चर्चा करते हुए सीएम नीतीश को विपक्षी दल अपने निशाने पर ले रहे हैं। उनकी राजनीति में बदलाव से जोड़कर इसे देखा जा रहा है और बीजेपी की संगत का असर कहा जा रहा है। अब जब बात खुली है और टोपी की सियासत को हवा दे दी गई है तो टीका लगाने से नीतीश कुमार के इनकार करने का वाकया भी है। ऐसा बीते साल हुआ था और वह भी सीतामढ़ी में माता जानकी से जुड़े एक कार्यक्रम में।

नीतीश कुमार ने सीतामढ़ी में 8 अगस्त 2025 को मंदिर में पूजा के दौरान 'टीका' लगाने से इनकार कर दिया था। वैदिक मंत्रोच्चार के बीच जब पुजारी सीएम नीतीश कुमार को तिलक लगाने आए तो उन्होंने अपना सिर पीछे कर लिया और तिलक लगवाने से इनकार कर दिया। खास बात यह कि इस कार्यक्रम में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह भी मौजूद थे। दरअसल, सीतामढ़ी में टीका लगाने से इनकार करने की घटना के कुछ ही दिनों बाद 21 अगस्त 2025 को पटना के एक मदरसा कार्यक्रम में नीतीश कुमार ने टोपी पहनने से भी इनकार किया था। चर्चा उनके उस बयान की होने लगी जो उन्होंने 2013 में दिया था। विपक्षी दलों और सोशल मीडिया पर इन दोनों घटनाओं को नीतीश कुमार के पुराने स्टैंड से जोड़कर देखा गया।

इंडिगो फ्लाइट में आई तकनीकी खराबी, पायलट ने कराई सुरक्षित लैंडिंग

मुंबई (एजेंसी)। मुंबई एयरपोर्ट पर इंडिगो एयरलाइंस के एक विमान में लैंडिंग के दौरान तकनीकी खराबी आ गई। विमान के लैंडिंग गियर के लीवर में समस्या थी। यह विमान ए321 नियो था, जो फ्लाइट नंबर 6ई2157 के रूप में उड़ान भर रहा था। इसमें 210 से ज्यादा यात्री सवार थे। हालांकि, पायलट ने समझदारी से विमान को सुरक्षित रूप से एयरपोर्ट पर लैंड करा लिया। यह मामला शुक्रवार को पेश आया। मीडिया रिपोर्ट में सूत्रों के हवाले से बताया गया है कि लैंडिंग गियर का ऑटोमैटिक सिस्टम काम नहीं कर रहा था, इसलिए पायलट ने मैनुअल सिस्टम का इस्तेमाल किया। बाद में तकनीकी खराबी को ठीक कर लिया गया। दिक्कत दूर होने के बाद विमान ने दूसरी उड़ानें भी सामान्य रूप से पूरी कीं। इस मामले पर इंडिगो एयरलाइंस की ओर से कोई आधिकारिक बयान नहीं आया है।

मधेपुरा में मिड–डे–मील लेने से 70 से अधिक बच्चे बीमार, स्कूल में मचा हड़कंप

मधेपुरा (एजेंसी)। बिहार के मधेपुरा जिले में शनिवार को मिड–डे–मील खाने के बाद बड़ा हादसा सामने आया है। सदर प्रखंड के उत्क्रमित मध्य विद्यालय कारू टोला, साहुगढ़ में भोजन करने के बाद 70 से अधिक बच्चों की तबीयत अचानक बिगड़ गई। खाना खाने के कुछ ही देर बाद बच्चों को उल्टी, पेट दर्द, चक्कर और घबराहट की शिकायत होने लगी, जिससे स्कूल परिसर में अफरा–तफरी मच गई। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, बच्चों की हालत तेजी से बिगड़ती देख शिक्षकों ने तुरंत स्थानीय प्रशासन और स्वास्थ्य विभाग को सूचना दी। इसके बाद एंबुलेंस और निजी वाहनों की मदद से सभी बीमार बच्चों को मधेपुरा सदर अस्पताल पहुंचाया गया। अस्पताल में डॉक्टरों की टीम ने तत्काल इलाज शुरू किया। डॉक्टरों का कहना है कि अधिकांश बच्चों की हालत अब स्थिर है और वे खतरे से बाहर हैं। हालांकि, इलाज के दौरान एक बच्ची की स्थिति गंभीर बताई जा रही है, जिसे विशेष निगरानी में रखा गया है। घटना की सूचना मिलते ही बच्चों के परिजन बड़ी संख्या में अस्पताल पहुंच गए, जिससे वहां भी तनावपूर्ण माहौल बन गया। प्रारंभिक जानकारी के मुताबिक, मिड–डे–मील में छिपकली गिरने की आशंका जताई जा रही है, जिसके कारण भोजन जहरीला हो सकता है। हालांकि, इस बात की आधिकारिक पुष्टि जांच रिपोर्ट आने के बाद ही हो सकेगी। स्कूल प्रशासन ने एहतियातन भोजन वितरण तुरंत रोक दिया और बचे हुए खाने को सुरक्षित रख लिया गया है, ताकि उसकी जांच की जा सके।

अजित पवार की मौत पर बोले रोहित पवार– मौत को लेकर है संदेह, 10 फरवरी को प्रेजेंटेशन देंगे

मुंबई (एजेंसी)। एनसीपी (एसपी) नेता रोहित पवार ने शनिवार को अजित पवार की मौत को लेकर कहा कि महाराष्ट्र के पूर्व उपमुख्यमंत्री अजित पवार की विमान दुर्घटना में हुई मौत की परिस्थितियों को लेकर सभी के मन में अनेक सवाल और संदेह हैं। ऐसे में वो 10 फरवरी को मुंबई में एक डिटेल प्रेजेंटेशन प्रस्तुत करेंगे और बताएंगे कि हादसा कैसे और क्यों हुआ। उन्होंने यह बात बारामती में जिला परिषद चुनाव में मतदान करने के बाद पत्रकारों के समक्ष कही। दरअसल महाराष्ट्र में शनिवार को 12 जिला परिषद और 125 पंचायत समितियों के लिए वोटिंग हुई। यहां बताते चलें कि पहले ये चुनाव 5 फरवरी को होने वाले थे, लेकिन 28 जनवरी को बारामती में हुए विमान हादसे में अजित पवार की मौत के बाद चुनाव टल गए थे। यहां रोहित पवार ने कहा कि अजित पवार चाह रहे थे कि राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के अलग–अलग गुट एक हों। इसलिए विलय की कोशिशें आगे भी जारी रहेंगी। उन्होंने कहा कि अजित दादा दिल से चाहते थे कि सभी एक परिवार की तरह साथ आएं और आज सभी साथ आए हैं। परिवार अब भी एकजुट है और आगे भी उसी तरह प्रयास जारी रहेंगे।

बच्चों को चढ़ाया गया एचआईवी संक्रमित रक्त, हाईकोर्ट के आदेश पर एफआईआर दर्ज

रांची (एजेंसी)। झारखंड के पश्चिम सिंहभूम जिले में थैलेसीमिया से पीड़ित पांच मासूम बच्चों को एचआईवी संक्रमित रक्त चढ़ाए जाने के गंभीर मामले में झारखंड हाईकोर्ट के सख्त रुख के बाद आखिरकार प्राथमिकी दर्ज कर ली गई है। हाईकोर्ट के निर्देश पर चाईबासा सदर थाना में सदर अस्पताल के ब्लड बैंक के तत्कालीन लैब टेक्नीशियन मनोज कुमार समेत अन्य संबंधित कर्मियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई है। यह घटना अक्टूबर 2025 की बताई जा रही है। चाईबासा सदर अस्पताल में 5 से 7 वर्ष की आयु के पांच बच्चों को नियमित ब्लड ट्रांसफ्यूजन के दौरान एचआईवी संक्रमित रक्त चढ़ा दिया गया। बाद में जब जांच कराई गई तो सभी बच्चों के एचआईवी पॉजिटिव होने की पुष्टि हुई, जिससे पूरे जिले में हड़कंप मच गया। बच्चों के परिजनों ने आरोप लगाया कि ब्लड बैंक में रक्त की जांच और स्क्रीनिंग प्रक्रिया में गंभीर लापरवाही बरती गई। मामले की सुनवाई के दौरान झारखंड हाईकोर्ट के जस्टिस गौतम कुमार की अदालत ने इसे अत्यंत गंभीर और मानव जीवन से जुड़ा मामला बताया। अदालत ने स्पष्ट निर्देश दिया कि पीड़ित परिवार संबंधित थाना में शिकायत दर्ज कराएं और थाना प्रभारी तत्काल एफआईआर दर्ज करें। कोर्ट ने यह भी कहा कि इस तरह के मामलों में देरी अस्वीकार्य है और इससे पीड़ितों को न्याय मिलने में बाधा आती है। अदालत के आदेश के बाद पीड़ित बच्चों में से एक की मां की ओर से दिए गए आवेदन पर चाईबासा सदर थाना में मामला दर्ज किया गया। सदर थाना प्रभारी तरुण कुमार ने बताया कि आवेदन में आरोप लगाया गया है कि ब्लड बैंक में निर्धारित मानकों के अनुसार रक्त की जांच नहीं की गई, जिसके कारण संक्रमित रक्त बच्चों को चढ़ा दिया गया और वे एचआईवी से संक्रमित हो गए। पुलिस ने प्राथमिकी दर्ज कर जांच शुरू कर दी है और संबंधित दस्तावेजों व कर्मचारियों की भूमिका की पड़ताल की जा रही है। हाईकोर्ट ने इस बात पर भी नाराजगी जताई थी कि घटना उजागर होने के बावजूद एफआईआर दर्ज करने में करीब चार महीने की देरी हुई। अदालत ने इसे सिस्टम की गंभीर विफलता करार दिया था। मामले के सामने आने के बाद राज्य सरकार ने प्रत्येक पीड़ित परिवार को 2–2 लाख रुपये मुआवजा देने की घोषणा की थी।

राजस्थान के टाइगर रिजर्व में रील बनाने, शूट व सेल्फी लेने पर लगा बैन

आदेश का पालन नहीं करने पर पर्यटकों के खिलाफ होगी कानूनी कार्रवाई

सवाई माधोपुर (एजेंसी)। राजस्थान के सबसे बड़े रणथंभौर टाइगर रिजर्व समेत कुल चार टाइगर रिजर्व में रील बनाने, वीडियो शूट करने और सेल्फी लेने जैसी गतिविधियों पर रोक लगा दी है। यह कदम सुप्रीम कोर्ट की गाइडलाइन के तहत उठाया है, जिससे वन्यजीवों के प्राकृतिक व्यवहार में कोई बाधा न आए। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिअक सफारी के पर्यटक और गाइड मोबाइल नहीं ले जा सकेंगे। वन विभाग ने सुप्रीम कोर्ट के निर्देशों का हवाला देते हुए आदेश जारी किया है। इसके तहत टाइगर रिजर्व में पोस्टर और फ्लैक्स भी लगा दिए गए हैं। साथ ही गाइड को भी निर्देश दिए हैं कि वे मोबाइल फोन के रोक संबंधी आदेश के बारे में टूरिस्ट् ?स को भी अवगत करा दें। राजस्थान में फिलहाल चार टाइगर रिजर्व है। इनमें रणथंभौर टाइगर रिजर्व, सरिस्का टाइगर रिजर्व (अलवर), मुकुंदरा हिल्स टाइगर रिजर्व (कोटा) और रामगढ़ विषधारी टाइगर रिजर्व (बूंदी) शामिल हैं। धौलपुर–करौली और कुंभलगढ़ को भी टाइगर रिजर्व बनाने की प्रक्रिया चल रही है। रिपोर्ट के मुताबिक टाइगर रिजर्व के अधिकारियों का कहना है कि मोबाइल के कारण कई पर्यटक जानवरों के बेहद करीब जाने की कोशिश करते हैं, जिससे जानवर परेशान होते हैं। सफारी गाड़ियां एक जगह इकट्ठी हो जाती हैं। इससे जंगल का शांत माहौल प्रभावित होता है और वन्यजीवों पर दबाव बढ़ता है। यह फैसला वन्यजीवों की सुरक्षा और प्राकृतिक वातावरण को सुरक्षित रखने के उद्देश्य से लिया गया है। डीएफओ ने बताया कि आदेश का पालन नहीं करने पर वन विभाग की ओर से पर्यटकों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाएगी। ऐसे पर्यटकों पर पेनल्टी लगाई जाएगी। यह 100 रुपए से लेकर हजारों में हो सकती है। इसके साथ ऐसे लोगों के खिलाफ वन विभाग एफआईआर भी दर्ज करा सकता है। हालांकि आदेश के तहत सफारी के दौरान सिर्फ मोबाइल फोन पर रोक रहेगी। डिजिटल कैमरे और डीएसएलआर कैमरे बिना किसी चार्ज के ले जा सकेंगे। साथ ही सैलानियों को निर्देश दिए गए हैं कि वे वन्यजीवों के पास नहीं जाएं, अन्यथा कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

जोधपुर आ रहीं थाईलैंड की राजकुमारी, शाही अंदाज में किया जाएगा स्वागत, प्रशासन अलर्ट

–सिरिवन्नवारी सेना में मेजर हैं, घुड़सवारी, खेल, कला व संस्कृति में है गहरी रुचि

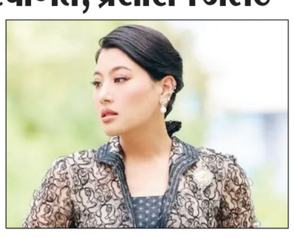

नई दिल्ली (एजेंसी)। थाईलैंड की राजकुमारी सिरिवन्नवारी नारीरत्ना 8 फरवरी को जोधपुर के दो दिवसीय दौरे पर आ रही हैं। वे विशेष विमान से जोधपुर पहुंचेंगी। राजकुमारी के आगमन को लेकर जिला प्रशासन और संबंधित विभागों ने तैयारियां की हैं। उनके दौरे को लेकर पुलिस आयुक्त ने मारवाड़ इंटरनेशनल सेंटर में रॉयल थाई एंबेसी के प्रतिनिधिमंडल के साथ बैठक कर तैयारियों की समीक्षा की सुरक्षा, आवागमन, ठहराव और भ्रमण को लेकर अलग-अलग अधिकारियों को जिम्मेदारी सौंपी गई है। राजकुमारी के शाही स्वागत को लेकर प्रशासन अलर्ट है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक एयरपोर्ट से लेकर राजकुमारी के ठहरने और भ्रमण करने वाले स्थानों तक विशेष इंतजाम किए जा रहे हैं। सुरक्षा व्यवस्था के साथ-साथ यातायात व्यवस्था को भी सुचारु रखने के निर्देश दिए हैं। राजकुमारी का स्वागत पारंपरिक और शाही अंदाज में किया जाएगा। राजकुमारी मेहरानगढ़ किला, उम्मेद भवन पैलेस और जसवंत थड़ा सहित प्रमुख पर्यटन स्थलों का भ्रमण करेंगी। पुलिस आयुक्त ने विशेष सुरक्षा, विभागीय समन्वय और आमजन को न्यूनतम असुविधा सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए हैं।

बता दें राजकुमारी सिरिवन्नवारी केवल फैशन तक सीमित नहीं हैं। वे थाईलैंड की शाही सेना में मेजर के पद पर कार्यरत हैं। इसके अलावा वे एक कुशल घुड़सवार हैं और खेल, कला व संस्कृति के क्षेत्र में उनकी गहरी रुचि है। राजकुमारी सिरिवन्नवारी नारीरत्ना आधुनिक फैशन को पारंपरिक शिल्प से जोड़ने के लिए भी जानी जाती हैं। उनका खुद का लग्जरी फैशन ब्रांड है, जो दुनिया के कई देशों में लोकप्रिय है।

हिंदू राष्ट्र का सपना देखने वालों को नेपाल से सबक लेना चाहिए: अरशद मदनी

वह दिन दूर नहीं जब हमारा देश मोहब्बत, सद्भाव और इंसाफ के रास्ते पर आगे बढ़ेगा

नई दिल्ली (एजेंसी)। जमीयत उलेमा-ए-हिंद के अध्यक्ष मौलाना अरशद मदनी ने हिंदू राष्ट्र की मांग को लेकर उन्होंने कहा कि हिंदू राष्ट्र का सपना देखने वालों को पड़ोसी देश नेपाल के इतिहास से सबक लेना चाहिए। मदनी ने कहा कि नेपाल में भी एक समय हिंदू राष्ट्र की व्यवस्था लागू की गई थी, लेकिन वह ज्यादा समय तक नहीं टिक सकी और आखिरकार वहां लोकतांत्रिक संविधान के तहत नई व्यवस्था अस्तित्व में आई। उनका कहना है कि यही उदाहरण बताता है कि किसी भी देश की तरक्की, स्थिरता और शांति लोकतंत्र और संविधान से ही संभव है, न कि किसी एक धर्म को राष्ट्र पर थोपकर।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक मौलाना अरशद मदनी ने एक्स पर पोस्ट में लिखा कि नफरत के सौदागर और हिंदू राष्ट्र का सपना देखने वालों को नेपाल से सबक लेना चाहिए। उन्होंने कहा कि इतिहास गवाह है कि जब-जब किसी देश में एक खास विचारधारा या धर्म को थोपने की कोशिश की गई, वहां अंततः वह व्यवस्था ढह गई और जनता ने लोकतांत्रिक मूल्यों को चुना। मदनी ने कहा कि नेपाल में हाल के समय में हिंदू राष्ट्र की स्थापना की गई थी, लेकिन अंततः वहां यह व्यवस्था समाप्त हो गई और एक लोकतांत्रिक संविधान के तहत नई राजनीतिक व्यवस्था बनी। उन्होंने कहा कि यह साफ संकेत है कि आज की वैश्विक परिस्थितियों में किसी भी देश की वास्तविक प्रगति तभी संभव है, जब वहां संविधान, लोकतंत्र और सभी नागरिकों के समान अधिकारों की रक्षा की जाए।

मौलाना मदनी ने कहा कि भारत में भी कुछ सांप्रदायिक शक्तियां और संगठन देश को हिंदू राष्ट्र बनाने का सपना देख रहे हैं, लेकिन उनकी यह साजिश कभी सफल नहीं होगी। उन्होंने दो टूक कहा कि जमीयत उलेमा-ए-हिंद सेक्युलरिज्म और भारतीय संविधान की रक्षा के लिए अंतिम सांस तक संघर्ष करती रहेगी। उन्होंने कहा कि भारत की पहचान विविधता, सहअस्तित्व और संवैधानिक मूल्यों से है और इसे किसी भी सूरत में बदला नहीं जा सकता है। मदनी ने इस्लाम और मुसलमानों को लेकर कहा कि कुछ ताकतें इस्लाम और मुसलमानों दोनों को मिटाने की कोशिश कर रही हैं, लेकिन उन्हें यह समझ लेना चाहिए कि इस्लाम का चिराग कभी बुझ नहीं सकता। उन्होंने इतिहास का हवाला देते हुए कहा कि जिन्होंने भी इस्लाम को मिटाने की कोशिश की वे खुद मिट गए। इस्लाम हमेशा कायम रहा है और रहेगा।

मदनी ने मुसलमानों से निराश न होने की अपील भी की। उन्होंने कहा कि मौजूदा हालात से घबराने या मायूस होने की जरूरत नहीं है। इतिहास बताता है कि जो कौमें अपनी पहचान, संस्कृति और धर्म के साथ जीना चाहती हैं, उन्हें कुर्बानियां देनी पड़ती हैं। उन्होंने कहा कि मुसलमान एक जीवित कौम हैं और जीवित

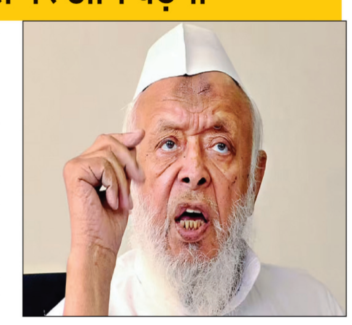

कौमें हालात से हार मानने के बजाय समझदारी, दूरदर्शिता और सही रणनीति से आगे बढ़ती हैं। अपने पोस्ट के आखिर में मदनी ने भरोसा जताया कि एक दिन ऐसा जरूर आएगा जब जुल्म का अंत होगा और अत्याचार करने वालों के गले में जंजीरें होंगी। उन्होंने कहा कि वह दिन दूर नहीं जब हमारा देश हिंदुस्तान फिर से प्यार, मोहब्बत, सद्भाव और इंसाफ के रास्ते पर आगे बढ़ेगा।

भारत-अमेरिका ट्रेड डील पर बोले जयराम- हाउडी मोदी पर आखिरकार भारी पड़ा नमस्ते ट्रंप

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत और अमेरिका के बीच प्रस्तावित व्यापार समझौते को लेकर कांग्रेस ने केंद्र सरकार पर तीखा हमला बोला है। पार्टी का कहना है कि दोनों देशों के बीच जारी हालिया संयुक्त बयान से यह साफ हो गया है कि सरकार की गले मिलने वाली कूटनीति का देश को कोई ठोस लाभ नहीं मिला। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने तंज कसते हुए कहा कि 'हाउडी मोदी' पर आखिरकार 'नमस्ते ट्रंप' भारी पड़ गया है।

गौरतलब है कि 'नमस्ते ट्रंप' और 'हाउडी मोदी' अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के पिछले कार्यकाल के दौरान भारत-अमेरिका संबंधों के प्रतीक माने गए थे। 'नमस्ते ट्रंप' कार्यक्रम का आयोजन फरवरी 2020 में अहमदाबाद में हुआ था, जबकि 'हाउडी मोदी' सितंबर 2019 में ह्यूस्टन में आयोजित किया गया था। इन आयोजनों को दोनों देशों के मजबूत रिश्तों का सार्वजनिक प्रदर्शन माना गया।

जयराम रमेश ने सोशल मीडिया प्लेटफार्म 'एक्स' पर जारी एक पोस्ट में कहा, कि

अमेरिका-भारत के हालिया संयुक्त वक्तव्य में कई अहम पहलुओं पर स्पष्टता नहीं है, लेकिन जो तथ्य सामने आए हैं, वे भारत के हित में नहीं दिखते। उन्होंने दावा किया कि इस समझौते के तहत भारत अब रूस से तेल आयात बंद करने की दिशा में बढ़ेगा। साथ ही अमेरिका ने यह भी संकेत दिया है कि यदि भारत प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप से रूस से तेल खरीदता है, तो उस पर 25 प्रतिशत तक का दंडात्मक शुल्क दोबारा लगाया जा सकता है।

कांग्रेस नेता ने यह भी आरोप लगाया कि भारत, अमेरिकी किसानों को लाभ पहुंचाने के लिए आयात शुल्क में कटौती करेगा, जिसका सीधा नुकसान भारतीय किसानों को होगा। रमेश के अनुसार, अमेरिका से भारत का वार्षिक आयात लगभग तीन गुना तक बढ़ सकता है, जिससे भारत का लंबे समय से बना आ रहा वस्तुओं का व्यापार अधिशेष समाप्त हो जाएगा। उन्होंने यह भी कहा कि अमेरिका को भारत की आईटी और अन्य सेवाओं के निर्यात को लेकर अब भी अनिश्चितता बनी रहेगी। संयुक्त बयान का हवाला देते हुए रमेश ने दावा किया कि भारत के अमेरिका को वस्तुओं के निर्यात पर पहले की तुलना में अधिक शुल्क लगाए जाने की आशंका है। कांग्रेस का आरोप है कि सरकार ने कूटनीतिक दिखावे और बड़े आयोजनों पर तो जोर दिया, लेकिन ठोस आर्थिक और व्यापारिक लाभ सुनिश्चित करने में विफल रही। जयराम रमेश ने तंज कसते हुए कहा कि गले मिलने, हाथ मिलाने और तस्वीरें खिंचवाने से देश का हित सुरक्षित नहीं होता। उन्होंने कहा कि 'हाउडी मोदी' पर 'नमस्ते ट्रंप' भारी पड़ गया और अब हालात ऐसे हैं कि 'दोस्त-दोस्त न रहा' जैसी स्थिति बनती दिख रही है।

इस्लामाबाद की मस्जिद पर हमले के बाद कश्मीर में लगे मुनीर और पाकिस्तान मुर्दाबाद के नारे

श्रीनगर (एजेंसी)। पाकिस्तान की राजधानी इस्लामाबाद में एक शिया मस्जिद पर हुए भीषण आत्मघाती हमले की गूँज शुक्रवार को कश्मीर घाटी की सड़कों पर सुनाई दी। इस्लामाबाद के तरलाई इलाके में स्थित खादिजा तुल कुबरा मस्जिद में जुमे की नमाज के दौरान हुए इस धमाके में 31 लोगों की मौत और 169 से अधिक लोगों के घायल होने की खबर ने सरहद के इस पार भी लोगों को झकझोर कर रख दिया है। इस पवित्र स्थल पर हुए रक्तपात के विरोध में जम्मू-कश्मीर के शिया समुदाय और आम नागरिकों ने स्वतःस्फूर्त विरोध प्रदर्शन कर पाकिस्तान सरकार के खिलाफ कड़ा आक्रोश व्यक्त किया है।

कश्मीर के विभिन्न हिस्सों में हुए ये प्रदर्शन किसी राजनीतिक दल या संगठन के आह्वान पर नहीं थे, बल्कि यह लोगों के भीतर उपजे डर और असुरक्षा की भावना का परिणाम थे। हमले की खबर फैलते ही बारामूला के चैनाबल पट्टन और डाइवर परिहासपोरा में बड़ी संख्या में लोग सड़कों पर उतर आए। प्रदर्शनकारियों ने कुछ समय के लिए रास्तों को अवरुद्ध किया और पाकिस्तान के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। श्रीनगर के शिया बहुल इलाकों जैसे इमामबाड़ा जदीबल और हरवान में भी ऐसा ही नजारा देखने को मिला, जहां लोगों ने पाकिस्तान सरकार की विफलता पर कड़ा विरोध दर्ज कराया। बांदीपोरा के इंदरकोट-सुंबल इलाके में शाम को कैंडल मार्च निकालकर मृतकों को श्रद्धांजलि दी गई और पाकिस्तान मुर्दाबाद के नारे लगाए गए। सुरक्षा विशेषज्ञों और राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि घाटी में पाकिस्तान के खिलाफ यह स्वर एक बड़े बदलाव का संकेत है। दशकों से पाकिस्तान खुद को कश्मीर के मुसलमानों के मसीहा और रक्षक के रूप में पेश करने का प्रोपेगेंडा चलाता रहा है, लेकिन उसके अपने ही देश में शिया समुदाय पर बार-बार होने वाले लक्षित हमलों ने इस दावे की पोल खोल दी है। जानकारों का कहना है कि ये प्रदर्शन पाकिस्तान के सैन्य नेतृत्व और विशेषकर आर्मी चीफ आसिम मुनीर के लिए एक बड़ा झटका हैं, क्योंकि अब कश्मीर के लोग सीमा पार की सांप्रदायिक अस्थिरता को पहचान रहे हैं।

विशेषज्ञों के अनुसार, पाकिस्तान में मस्जिदों और धार्मिक जुलूसों पर हो रहे आतंकी हमले अब कश्मीर में उल्टा असर डाल रहे हैं। पहले जहाँ सीमा पार की घटनाओं का इस्तेमाल कुछ वर्गों में सहानुभूति पैदा करने के लिए किया जाता था, वहीं अब वही घटनाएँ नाराजगी में बदल रही हैं। प्रदर्शनों में शामिल लोगों का सीधा सवाल था कि जो देश अपनी राजधानी में इबादत कर रहे लोगों और अल्पसंख्यकों को सुरक्षा नहीं दे पा रहा, वह दूसरों के अधिकारों की बात करने का नैतिक आधार कैसे रख सकता है। इन प्रदर्शनों को सीमा पार बैठे उन तत्वों के लिए भी एक गंभीर चेतावनी माना जा रहा है जो कश्मीर में धार्मिक भावनाओं को भड़काने का काम करते हैं।

इस बार विधानसभा चुनाव जीतकर ममता सीएम बनी तो तोड़ देंगी शीला दीक्षित का रिकॉर्ड

–बीजेपी और पीएम मोदी की लहर के बावजूद ममता ने टीएमसी को मजबूत बनाए रखा

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल में इस साल अप्रैल में विधानसभा चुनाव होना है। सीएम ममता बनर्जी अगर अगले कार्यकाल में भी सीएम बनती हैं तो वे दिल्ली की भूतपूर्व सीएम शीला दीक्षित का रिकार्ड तोड़ देंगी। शीला दीक्षित 15 साल 25 दिन तक सीएम रही थीं। बंगाल में फिलहाल ममता बनर्जी के नेतृत्व वाली तृणमूल कांग्रेस एकमात्र पार्टी है, जो बीजेपी से लोहा लेती रही हैं। ममता ने अपने दम पर साढ़े 3 दशक से ज्यादा समय तक बंगाल में शासन करने वाले वामपंथी दलों के ग्रुप- लेफ्ट फ्रंट को सत्ताच्यूत करने में पहली बार 2011 में सफलता पाई थी। तब से वे बंगाल पर एकछत्र राज कर रही हैं। देश में बीजेपी के उभार और पीएम मोदी की लहर के बावजूद ममता ने टीएमसी को अभी तक मजबूत बनाए रखा है। बंगाल के पिछले विधानसभा चुनाव में बीजेपी ने इस बार की तरह ही पूरी ताकत झोंक दी थी। पीएम मोदी से लेकर बीजेपी के तमाम छोटे-बड़े नेताओं ने बंगाल के तूफानी दौरे किए थे। नतीजे आए बीजेपी की सीटें विधानसभा में 2 से बढ़ कर 77 हो गईं। टीएमसी की सीटें भी घटीं, लेकिन ममता तीसरी बार सरकार बनाने में सफल रही।

विश्लेषकों ने इसे उनका करिश्मा नहीं, बल्कि मुस्लिम वोटों का ममता के पक्ष में इकतरफा ध्रुवीकरण माना। बंगाल में तकरीबन 30 फीसदी मुस्लिम आबादी है। टीएमसी को 2021 में 49 फीसदी वोट मिले थे। बीजेपी टीएमसी से 10 फीसदी वोट लाकर दूसरे नंबर पर रही। बीजेपी के प्रबल विरोध के बावजूद अपनी जीत से उत्साहित ममता ने पीएम बनने के सपने भी देखने शुरू कर दिए थे।

रिपोर्ट के मुताबिक शीला दीक्षित सबसे लंबे समय तक दिल्ली की मुख्यमंत्री रहीं। वे 3 दिसंबर 1998 से 28 दिसंबर 2013 तक दिल्ली की सीएम रहीं। उनका कुल कार्यकाल 15 साल 25 दिन का रहा। उनके नाम एक और रिकार्ड है। दिल्ली में पुरुष और महिला मुख्यमंत्रियों में उनका नाम सर्वाधिक समय तक सीएम रहने वालों में सबसे ऊपर है। सीएम के रूप में उन्होंने दिल्ली को विश्वस्तरीय शहर बनाने में अहम योगदान दिया। शीला दीक्षित के बाद महिला मुख्यमंत्रियों में सर्वाधिक समय का रिकार्ड ममता बनर्जी ने बना लिया है। ममता ने करीब 14 साल से अधिक का रिकार्ड बना लिया है, जो शीला दीक्षित से कुछ ही महीने कम है। लंबे समय तक सीएम रहने वाली तीसरी सीएम रहीं जे जयललिता वे 14 साल और 124 दिन तक तमिलनाडु की सीएम रही थीं।

बता दें देश में अब तक कुल 18 महिला मुख्यमंत्री बनी हैं। पहली महिला मुख्यमंत्री के रूप में सुचेता कृपलानी का नाम आता है। वे 1963 में यूपी की सीएम बनीं। दूसरी सीएम रहीं शीला दीक्षित। वे दिल्ली 15 साल से अधिक समय तक मुख्यमंत्री रहीं। पश्चिम बंगाल की ममता बनर्जी 2011 से अब तक सीएम पद पर हैं। अन्य महिला मुख्यमंत्रियों में सुचेता कृपलानी, नंदिनी सत्पथी (ओडिशा), शशिकला काकोडकर (गोवा), सैयदा अनवरा तैमूर (असम), वीए जानकी रामचंद्रन (तमिलनाडु), जे जयललिता (तमिलनाडु), मायावती (उत्तर प्रदेश), राजिंदर कौर भट्टल (पंजाब), राबड़ी देवी (बिहार), सुषमा स्वराज (दिल्ली), उमा भारती (मध्य प्रदेश), वसुंधरा राजे (राजस्थान), आनंदीबेन पटेल (गुजरात), मेहबूबा मुफ्ती (जम्मू-कश्मीर), आतिशी (दिल्ली) और रेखा गुप्ता (दिल्ली)।

ममता बनर्जी की मूल पार्टी कांग्रेस रही है। बाद में उन्होंने अपनी पार्टी- टीएमसी बनाई। वामपंथी शासन से लगातार लडती रहीं। आखिरकार उन्हें 2011 में वामपंथी शासन को खत्म करने में सफलता मिली। तब से उन्होंने दो अहम काम किए हैं। आधी आबादी के रूप में ख्यात महिला शक्ति को अपने साथ जोड़े रखने के लिए उन्होंने उनके लिए गर्भावस्था से लेकर बुढ़ापे तक के लिए कई कल्याणकारी योजनाएं चलाईं। उनकी लक्खी भंडार योजना बमाल की महिलाओं में सबसे पापुलर है। इसके अलावा भी उन्होंने कई योजनाएं युवाओं के लिए भी

चलाई हैं। नतीजा यह कि मौजूदा विधानसभा में बीजेपी को छोड़ कांग्रेस और वामपंथी पार्टियों के साथ दूसरी विरोधी भी शून्य पर हैं।

ममता बनर्जी यह भी समझ रही हैं कि बीजेपी से मुकाबला इस बार पहले के मुकाबले थोड़ा कठिन है। इसकी वजह यह है कि पिछली बार उन्हें जो 49 फीसदी वोट मिले थे, उसमें 30 फीसदी तो अकेले मुस्लिम थे। बीजेपी को सत्ता से दूर रखने के लिए मुसलमानों ने कांग्रेस और वामपंथियों का मोह त्याग कर एकमुश्त टीएमसी को वोट किया था यानी 70 फीसदी हिन्दुओं में सिर्फ 19 फीसदी वोट ही उन्हें मिले थे1 इस बार टीएमसी से निष्कासित नेता हुमायू कबीर के अलग पार्टी बना लेने से मुस्लिम वोटों में विभाजन का खतरा पैदा हो गया है। ओवैसी ने भी हुमायू कबीर से हाथ मिला लिया है1 यह मुस्लिम मतों में विभाजन का स्पष्ट संकेत है। तीसरा खतरा बन कर उभरी हैं ईडी और सीबीआई जैसी केंद्री जांच एजेंसियां उनसे ममता लगातार पंगा लेती रही हैं, लेकिन आई-पैक रेड मामले में उनकी परेशानी बढ़ सकती है।

नवबिहार मीडिया प्रा. लि. के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक डॉ. रामाज्ञा तिवारी द्वारा विश्वेश्वरा पब्लिकेशनंस एलएलपी की ओर से शिवासाईं पब्लिकेशन प्राइवेट लिमिटेड, नियर टेंडर बागीचा पेट्रोल पंप, रातू, रांची (झारखंड)- 835222 से मुद्रित एवं उद्योग भवन मार्ग, 19 A कोकर औद्योगिक क्षेत्र रांची- 834001 (झारखंड) से प्रकाशित।
संपादक- डॉ. रामाज्ञा तिवारी, कार्यकारी संपादक- भीष्म सिंह, प्रबंध संपादक- पंकज कु. सिंह*, प्रधान संपादक- देवेंद्र सिंह (*पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार), प्रबंधक- नरेंद्र कुमार सिंह. 9334331934, 7903538992, 9570107019, RNI Regn.: JHAHIN/2011/40902